पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002 पोस्ट पंजीयन क्र. 536

जुलाई 2022

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

वर्ष : 21, अंक : 5 मूल्य : बीस रुपए

द्रौपदीजी मुर्मू के भारत देश की राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई... अभिनंदन...

द्वादश सत्र में लगातार 6 बार स्वर्णिम इतिहास रचा

।। महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ ।।

मनभरी

Manbhari® PRINTS

Sri Ramavtar Saboo

Srimati BimlaDevi

Sri Narendra Saboo

Sri Arvind Saboo

R. A. Saboo	93775 12471
Narendra Saboo	93774 29021
Arvind Saboo	94261 08133
Pranav Saboo	98257 84348
Mukund Saboo	97120 26343

Manbhari® FARMS

VIP Road, Surat
M: 93774 29021

vedicmother.in vedicmother

VEDICmother

100% NATURAL & HOMEMADE
NO REFINED SUGAR | NO PRESERVATIVES

Homemade Gulkand | Chyavanprash
Organic Honey | Mirchi ka Aachar
Body Cleanser | Milk Masala | Sitopaladi

Bimla Devi Saboo
FOUNDER
+91 94268 12471

Sakshi Saboo
CO- FOUNDER
+91 99093 96646

ORDER NOW!
HOME DELIVERY AVAILABLE

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का त्रिमासिक मुखपत्र
* प्रकाशक *
माहेश्वरी महिला समिति
22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
maheshwarimahilaind@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा
उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू
सचिव
श्रीमती लता लाहोटी
संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी
सदस्य
श्रीमती सुशीला काबरा
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
श्रीमती रत्नीदेवी काबरा
श्रीमती कल्पना गगरानी
डॉ. श्रीमती तारा माहेश्वरी
श्रीमती निर्मला जेठा
संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ.लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी
अध्यक्ष-सौ. सरला काबरा
उपाध्यक्ष-सौ. कांता गगरानी
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर
सदस्य-सौ. विनिता लाहोटी

संपादकीय

रामेश्वरम् में बिगुल बज गया 'शंखनाद' का
चलो कोटा महाधिवेशन 9-10-11 अक्टूबर 2022

प्रिय बहनों,

हरियाली तीज, कजली तीज, रक्षा बंधन, स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। छटवाँ गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड प्राप्त करने पर अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के समस्त पदाधिकारी व कार्यकारी मंडल की बहनों को एवं साहित्य समिति की टीम को बहुत-बहुत बधाई।

''त्यौहारों से मिलती है, ऊर्जा, उमंग और उल्लास
बढ़ती है एकता, भाईचारा और सौहार्द्र''

भारतीय संस्कृति त्यौहारों व उत्सवों में ही रची-बसी है, त्यौहारों के माध्यम से ही संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते रहते हैं। प्रत्येक त्यौहार के पीछे कोई न कोई संदेश या संस्कार अवश्य समाहित रहते हैं। जैसे रक्षा बंधन से भाई बहन के अटूट प्रेम व परस्पर सुरक्षा का आभास, तीज के माध्यम से पति-पत्नी का अटूट प्रेम व अखंड सौभाग्य की कामना हेतु मां पार्वती की उपासना, जन्माष्टमी पर्व पर सोलह कलाओं से परिपूर्ण कृष्ण के जीवन से हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाये रखने की कला आत्मसात करना, अर्थात् सभी त्यौहार ममता, वात्सल्य, सुरक्षा, संस्कार, बड़ों का सम्मान, छोटों को प्यार और परिवार के सभी सदस्यों में उचित तालमेल बनाये रखने की प्रेरणा देते हैं। रिश्तों में घनिष्ठता बनाये रखते हैं, बड़ों के आशीर्वाद से परिवार में प्रेम व शांति बनी रहे, यही कामना भी करते हैं। हमारे त्यौहार पंचतत्व याने प्रकृति प्रेम व उसका महत्व भी उनके पूजन के माध्यम से दर्शाते हैं। जैसे वृक्ष की पूजा नीम, पीपल, बड़, आंवला, तुलसी, सूर्य को जल चढ़ाना, चंद्रमा का पूजन, अग्नि को अन्न का भोग, गंगा का पान व स्नान, गिरिराज पर्वत की परिक्रमा, गौमाता का पूजन, नाग पंचमी पर नागों की पूजा कर पितृदोष व कालसर्प दोष से मुक्ति, आदि अनेक उदाहरण के माध्यम से महत्वपूर्ण दर्शाया गया है। इसीलिए भारतीय संस्कृति विश्व में श्रेष्ठ व प्रसिद्ध है। निस्वार्थ भाव से हम अपने कर्त्तव्यों का पालन करें, साथ ही जीवन में कुछ सब्र करें, कुछ बर्दाश्त करें और कुछ नजरअंदाज करें तो हमारा जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण होगा, यही संदेश देते हैं हमारे त्यौहार।

और अब तैयारी है **महिला महाधिवेशन 'शंखनाद'** की जो कि 9-10-11 अक्टूबर को कोटा में आयोजित किया जा रहा है। 2000 बहनों की उपस्थिति की अपेक्षा है। अतः अधिक से अधिक बहनें उपस्थित होकर, अपनी अपनी विभिन्न कलाओं, क्षमताओं व प्रतिभाओं का प्रदर्शन करे। स्वर्णिम अवसर है विशिष्ट व्यक्तित्व से मिलने का, अपने व्यक्तित्व को निखारने का एवं अपनी योग्यता दर्शाने का। हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेस्वरी के गृह नगर कोटा के समाजगण पलक पांवड़े बिछाये आपके स्वागत हेतु आतुर हैं। अतः हम समाज गंगा में अवगाहन करके समाजधारा के विचारों से ओतप्रोत होने का लाभ अवश्य उठायें। चिंतन, मनन व मंथन करके आयोजन को सफल व सार्थक करें।

जय महेश

सुशीला काबरा, इंदौर
संपादक, माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सौ. आशा माहेश्वरी
कोटा
*
महामंत्री
सौ. मंजू बांगड
कानपुर
*
कोषाध्यक्ष
सौ. ज्योति राठी
रायपुर
*
संगठन मंत्री
सौ. शैला कलंत्री
येवला
*
निवर्तमान अध्यक्ष
सौ. कल्पना गगरानी
मुम्बई
*
उपाध्यक्ष
सौ. किरण लड्ढा, दिल्ली
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
सौ. मंजूकोठारी, कोलकाता
सौ. मंगल मर्दा, वापी
सौ. कलावती जाजू, हैदराबाद
*
संयुक्त मंत्री
सौ. शशि नेवर, वाराणसी
सौ. सविता पटवारी, जयपुर
सौ. गिरिजा सारडा, नेपाल
सौ. उषा करवा, अमरावती
सौ. पुष्पा तोषनीवाल, पुणे
*
कार्यालय मंत्री
सौ. मधु बाहेती कोटा

अध्यक्षीय

ध्यानाकर्षण गूंज उठा है ''शंखनाद''

प्रिय बहनों,

श्रावण मास के समस्त त्यौहारों की बधाई। अधिवेशन 'शंखनाद' का सबको बेसब्री से इंतजार था, तो अब 9-10-11 अक्टूबर 2022 को कोटा में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन शंखनाद 2022 में सभी व्यवस्थाएं 8 अक्टूबर की शाम से 12 अक्टूबर सुबह तक रहेगी । कृपया आप अपना आरक्षण इसी अनुरूप करवाएं। रजिस्ट्रेशन सभी को करवाना अनिवार्य है। होटल व्यवस्था 2 केटेगरी में रहेगी 1)... 5000/ for 3 days 2).... 3000/ for 3 days, 2500/ for 3 days बिना आवास व्यवस्था के, उनके लिए जो बहने अपने स्वजनों के यहां रुकेगी और अधिवेशन अटेंड करेंगी (यानी बिना आवास व्यवस्था) 4)....1000/ प्रति दिन ... उन बहनों के लिए जो किसी प्रोग्राम में पार्टिसिपेट कर रही हैं परंतु संगठन की सदस्य नहीं है । संघटन से जुड़ी पार्टिसिपेंट बहन को 3 दिन का रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी * राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़

शंखनाद 2022 की रूपरेखा

(यह प्रस्तावित रूपरेखा है, समयानुकूल परिवर्तन किया जा सकता है)

- **8 अक्टूबर 2022**

दोपहर से आगमन प्रारंभ।

- **9 अक्टूबर 2022**

प्रातः 8:00 से 9:30 ब्रेकफास्ट, प्रातः 10:00 से 11:00 ओपनिंग सेरेमनी, प्रातः 11:00 से 12:00 कर्म सारथी क्विज कॉन्टेस्ट, दोपहर 12:00 से 1:30 5जी कार्यक्रम गाय, गंगा, ग्राम, गीता ,गोविंद, दोपहर 2:00 से 3:30 लंच, अपरान्ह 4:00 से 6:00, उद्घाटन समारोह तत्पश्चात शरद पूर्णिमा की तैयारी, रात्रि 8:00 से 9:00 डिनर, रात्रि 9:00 से 12:00 बजे तक शरद पूर्णिमा का कार्यक्रम।

- **10 अक्टूबर 2022**

प्रातः 7:00 से 9:30 बजे, शोभा यात्रा, प्रातः 10:00 से 11:00 बजे तक नाश्ता, प्रातः 11:00 से 12:00 बजे व्याख्यान स्पीकर (आध्यात्मिक/ मोटिवेशनल), दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक कवियित्री सम्मेलन, दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक लंच, तत्पश्चात कौन बनेगी मणिकर्णिका के तीन राउंड, अपरान्ह 5.30 बजे हाई टी, शाम 6:00 बजे 8.30 बजे मणिकर्णिका फाइनल राउंड, तत्पश्चात डिनर एंड रेस्ट।

● **11 अक्टूबर 2022**

प्रातः 8:00 से 9:30 बजे ब्रेकफास्ट प्रातः 10:00 से 11:00 बजे लोकल कार्यकर्ता सम्मान, प्रातः 11:00 से 2:00 बजे तक लघु नाटिका, तत्पश्चात समापन समारोह। धन्यवाद राम राम सा।

लघु नाटिका

लघु नाटिका : समाज की ज्वलंत सामाजिक चिंतनीय विषय पर आधारित आंचलिक कार्यक्रम– दो विषय प्रत्येक अंचल, समय सीमा– 20 मिनट (प्रत्येक लघु नाटिका 10 मिनट), प्रतियोगी संख्या– Min. 6 Max.12 विषय :–पूर्वांचल–प्री वेडिंग शूट कितना सही कितना गलत, बुजुर्ग हमारे परिवार की धरोहर है.. बोझ नहीं, दक्षिणांचल– नई सोच से करो वहां उद्धार– गांव में ब्याह से क्यूं करो इनकार। भाषा, भूषा, भोजन, भजन से करें बच्चों में संस्कारों का सृजन। मध्यांचललव जिहाद से बचे समाज .. समझाएं किशोरियों को यह बात, बढ़ता पैकेज चढ़ता कैरियर पारिवारिक समरसता में बन रहा बैरियर। उत्तरांचल– टेक्नोलॉजी के युग में मोबाइल बना साथी, ध्यान रखें.. ना हो इसकी अति, ताकि पारिवारिक रिश्तों में ना हो कमी। लड़की के ससुराल में मां बाप का जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप बन रहा तलाक का कारण। पश्चिमांचल–महिला के लिए परिवार या नौकरी क्या जरूरी, कैरियर की चाह में देरी से विवाह –लुप्त होती जा रही परिवार बढ़ाने की चाह।

आशा माहेश्वरी राष्ट्रीय अध्यक्ष

मंजु बांगड़ राष्ट्रीय महामंत्री

अग्रिम सूचना एवं विनम्र अनुरोध

परम सम्माननीय पदाधिकारीगण, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सत्र संरक्षक, राष्ट्रीय समिति प्रभारी, राष्ट्रीय कार्यसमिति, विशेष आमंत्रित कार्यसमिति, आंचलिक समिति सह–प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री एवं कार्यकारिणी बहनें, जय महेश !

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के द्वादश सत्र का महाअधिवेशन शंखनाद–2022 दिनांक 9,10,11 अक्टूबर 2022 को चर्मण्यवती नदी के तट पर बसी औद्योगिक एवं शैक्षणिक नगरी कोटा (राजस्थान) में आयोजित होने जा रहा है। माहेश्वरी समाज की नारी शक्ति के योगदान को सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, नैतिक, शैक्षणिक, व्यापारिक, आर्थिक उन्नति के लिए बदलते हुए परिवेश में हर संभव प्रयत्न करना, अधिक प्रभावी एवं सृजनात्मक स्वरूप देने हेतु इस अधिवेशन की योजना बनाई है, जिसमें देश–विदेश से 1600 से अधिक बहनों के सम्मिलित होने की आशा है। बहनों की इतनी विशाल संख्या इस सम्मेलन के महत्व को परिलिक्षित करेगी।

महाअधिवेशन के खास आकर्षण – भव्य उद्घाटन समारोह में राष्ट्र एवं समाज की ख्याति प्राप्त विभूतियों का सानिध्य प्राप्त होगा। भव्य शोभा यात्रा, प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा सामाजिक, पारिवारिक विषयों पर चर्चा, भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं परम्पराओं को दर्शाते हुए आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मनोहारी कार्यक्रम, नारी सशक्तिकरण का उदाहरण देती युवा नारी शक्ति कौन बनेगी मणिकर्णिका, साहित्य में रूचि रखने वाली

बहनों के द्वारा जागृति कावियत्री मंच, प्रशासनिक एवं विशिष्ट सेवाओं में चयनित प्रतिभाओं का अभिनन्दन एवं सम्मान, समाज की प्रोफेशनल एवं व्यवसायिक जगत की बहनों का समागम होगा, समाज में व्याप्त कुरूतियों को दूर करके स्वस्थ परम्पराओं के लिए प्रयास करना, इसके लिए वाद–विवाद, नुकक्ड़ नाटक, पोस्टर, स्लोगन आदि विविध

प्रकार की प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों को आयोजित किया जायेगा।

अतः आप सभी बहनों से अनुरोध है कि इस राष्ट्रीय महाअधिवेशन में अपना सहयोग एवं सहभागिता प्रदान कर हमें अनुग्रहित करें । **महाधिवेशन की व्यवस्थाएं 8 अक्टूबर दोपहर से 12 अक्टूबर दोपहर तक रहेंगी। आप सभी अपनी व्यवस्था इसी के अनुरूप करें।**

आप की सहभागिता हमें प्रोत्साहन, प्रेरणा प्रदान करेगी।

सादर आमंत्रण है बहनों, स्वीकार करें आतिथ्य
बहुत सुखद और आत्मीय होगा, अपनो का सानिध्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी *** राष्ट्रीय महामंत्री मंजु बांगड़**

आयोजक : – माहेश्वरी महिला मण्डल, कोटा
आतिथ्य :– कोटा जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं कुन्हाड़ी महिला मण्डल
संयोजक :– पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन (कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़)

महाधिवेशन शंखनाद की अनूठी पहल

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से कुछ चुनिंदा बहनों के स्टाल लगाए जाएंगे,जिन्होंने ट्रस्ट द्वारा सहयोग लेकर अपने व्यवसाय को बढ़ाया एवं परिवार को आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ किया। ऐसी बहनों का चयन ट्रस्ट के प्रदेश प्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाएगा।

श्रीमती सीमा सोमानी द्वारा 20 इंच केश कैंसर मरीज को दान किए

प्रकृति ने अनेक प्राणी उत्पन्न किए जिसमें मनुष्य का स्थान सर्वोपरि है। मनुष्य परमात्मा की ऐसी रचना है जिसमें विवेकशील तथा मननशील जैसे गुण विद्यमान हैं। ऐसे ही अद्भुत गुणों में एक गुण परोपकार का भी है। इसी विशेषता के कारण वह दूसरों के हित के बारे में सोचता है। मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है जब वह औरों के जीवन में आए कष्ट को समझकर उसके हित के लिए कार्य करता है। ऐसा ही कार्य गुवाहाटी (असम) निवासी पूर्वोत्तर अध्यक्ष श्रीमती वंदना सोमानी की पुत्रवधू श्रीमती सीमा सोमानी ने किया है। गत 12.8.2021 को अपने केश कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए दान किए। केश दान का उद्देश्य कैंसर के इलाज की पीड़ा को झेल चुके मरीजों, विशेष रूप से महिलाओं में संकोच, झिझक और असहजता से निजात दिलाने की एक छोटी सी कोशिश की। सीमा ने अपने 20 इंच केश कोप विथ केंसर संस्था के माध्यम से दान किए। सीमा से ही प्रेरित होकर उसकी सहेली ने भी इसी संस्था में 20 इंच केश कैंसर मरीजों के लिए दिए। इसके अलावा सीमा अनेक तरह के रचनात्मक कार्यों में भी रुचि रखती हैं।

अपनी बात

दुनियादारी समझदारी

महेश नवमी माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति दिवस सभी स्थानों पर सभी माहेश्वरियों ने धूमधाम से अपनी सुविधानुसार एक दिन से एक सप्ताह तक तरह-तरह से यथा शोभायात्रा, महेश पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या के रूप में मनाया। जिसकी झलकियाँ हम पूरे अंक में दे रहे हैं।

उत्पत्ति दिवस का आयोजन उत्पत्ति से विकास तक के विस्तार को दर्शाता है। राजस्थान से उठकर पूरे भारतवर्ष में ही नहीं विदेशों में भी माहेश्वरी परिवारों ने सफलता का परचम लहराया है। यह जानते हुए कि आर्थिक क्षेत्र में अधिकांशतः परिवारों ने सफलता पाई है, शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारा प्रयास बहुत अधिक सराहनीय है। बालक और बालिकाओं को हमारे यहां न केवल उच्च शिक्षित बनाया गया है, बल्कि विशिष्ट क्षेत्रों में जैसे सी.ए., इंजीनियर, डाक्टरी आदि में बड़ी संख्या में महारथ हासिल की है। रीति-रिवाज, परम्परा, संस्कृति का संवहन भी हमारे यहां सामान्यतः अच्छी तरह किया जाता है।

वैसे तो सब ठीक है, किंतु अपने विकास के लिए आवश्यक है कि हम हमारी स्थिति का पुनरावलोकन करते चलें। यह पद्धति भविष्य के लिए उन्नत अवसर प्रदान करती है और आज के दौर में ये बहुत अधिक आवश्यक हो गई है।

पिछले दशक में परिस्थितियां बहुत तेज रफ्तार से बदली है। वैश्विक युग में सभी तौर तरीके बदले हैं। विश्व की सभी संस्कृतियां एक साथ एक स्थान पर आ जाने के कारण व्यवसाय, खान-पान, रहन-सहन, सोच-विचार अर्थात् संपूर्ण जीवन शैली में आमूल चूल परिवर्तन आया है। इस आधार पर माहेश्वरी समाज को भी बदले दौर के साथ सामंजस्य बैठाना होगा, नहीं तो जीवन के हर क्षेत्र की दौड़ में वह कहीं पिछड़ न जाये इसलिये गहन मनन-चिंतन कर नीति निर्देशन की आवश्यकता है। व्यक्तिगत और पारिवारिक तौर पर तो हर व्यक्ति को यह कार्य करना ही होगा, किंतु सबसे अधिक आवश्यकता है कि समाज के मंच से इस प्रकार का मनन-चिंतन किया जाए व सामान्य जन को मार्गदर्शन दिया जाये।

परिस्थितियां जिस रफ्तार से बदलती है उससे भी तेज रफ्तार से विसंगतियां उभर कर आ रही हैं। कुछ विशिष्ट दिशाओं की ओर हमें गहराई से सोचना समझना पड़ेगा।

हमारी पहचान व्यवसाय प्रधान समाज के रूप में हैं। कालांतर में व्यवसाय की सीमाएं और तौर तरीके बहुत अधिक बदल गये हैं। ई मार्केटिंग से पूरे विश्व से हमारी प्रतियोगिता है। ब्रांडिंग का युग है। अतः सामाजिक स्तर पर शहर और गांव में बसे व्यापारियों की उन्नति के लिये विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन को बड़े स्तर पर प्राथमिकता देनी होगी।

पारिवारिक जीवन के तौर तरीकों में तो आश्चर्यजनक परिवर्तन आया है। छोटे परिवार, शहरी सभ्यता, बच्चों की पढ़ाई का स्वरूप बदलना, दूसरे शहरों और विदेशों में अध्ययनरत युवा, प्रेम संबंध और उससे जुड़ी नित नई समस्याएं, अंतर्जातीय विवाह, बढ़ते हुए तलाक संबंध, रहन-सहन और सोच-विचार के तौर तरीकों के बदलाव से बदलती सांस्कृतिक मान्यताएं, छोटे बच्चों की परवरिश के सवाल आदि पर मंचों से, कार्यशालाओं से, लेखों से, चर्चाओं-परिचर्चाओं से, नाटकों के मंचन से गहन प्रकाश डालना होगा।

माहेश्वरी समाज की महान संस्कृति में आधुनिकता का सुंदर पुट बहुत अधिक सोच-विचार के साथ देना होगा। गहन मनन-चिंतन हर स्तर पर व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक करेंगे, समयोचित बदलाव लायेंगे तब ही हम माहेश्वरी होने पर सदियों गर्व कर सकेंगे।

कल्पना गगडानी

ब्रह्म योग

अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन की सप्तम राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक ब्रह्म योग 2022 का कार्य वृतांत

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की सप्तम राष्ट्रीय कार्यसमिति वर्चुअल बैठक **''ब्रह्म योग''** 20 मई 2022 को सफलता पूर्वक आयोजित की गई। महामंत्री श्रीमती मंजु बांगड़ ने महेश नवमी की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ सफलतापूर्वक संचालन करते जूम सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों का अभिवादन कर मीटिंग का शुभारंभ किया।

भगवान उमा महेश की वंदना के बाद दिवंगत स्वजनों एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायधीश परम श्रद्धेय श्रीमान रमेश चंद्र जी लाहोटी को उनके प्रेरणादाई उद्‌बोधन का स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसमें विशेष रुप से उनके द्वारा दिए गए मंत्र- व्यक्ति में भजन, भोजन, भूषा और भाषण की श्रेष्ठता हमेशा रहनी चाहिए, जिसे महिला संगठन ने अपनी टैग लाइन बना लिया है और इस हेतु संगठन सदैव प्रयासरत भी रहेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सजातीय पर्व महेश नवमी को पारिवारिक उत्सव होली, दिवाली, दशहरा की तरह मनाएं। परस्पर मिठाई तथा शुभकामना संदेश भेजें। महासभा के आह्वान पर हर परिवार कुछ न कुछ राशि समर्पण राशि के रूप में महासभा को भिजवाएं। समाज व राष्ट्र हित कार्यो को समर्पित भाव से करते हुए नर सेवा नारायण सेवा को प्राथमिकता देवे। 5 जून 2022 को महासभा तथा महिला संगठन के अंतर्गत पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के माध्यम से मां तेरे रुप अनेक सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जा रही है जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़े। आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 2-3 जुलाई को रामेश्वरम में राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक तथा दक्षिणांचल अधिवेशन शिवानंद योग फिजिकल होगा जिसमे कार्यसमिति तथा पदाधिकारी अवश्य उपस्थित हो, क्योंकि इसमें कोटा में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन शंखनाद की रुपरेखा व कार्यक्रमों को तय किया जाएगा। आगामी प्रस्तावित कार्यक्रम 21 से 30 जून बाल संस्कार शिविर तथा 2- 3 दिसंबर इंदौर में सामूहिक विवाह की जानकारी दी।

सचिव प्रतिवेदन में राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजु बांगड़ ने संगठन द्वारा संपन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गत तीन माह से लगातार हम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा कर हैट्रिक बना रहे हैं। मार्च माह में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण समिति के ''स्वाश्रिता'' प्रोजेक्ट द्वारा, अप्रैल माह में 17 अप्रैल को स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति के ''आरोग्यं'' प्रोजेक्ट द्वारा तथा पुनः 19 मई को साहित्य समिति के ''हर सीट हॉट सीट'' ऑनलाइन गेम प्रतियोगिता द्वारा स्वर्णिम कीर्तिमानों की श्रृंखला हमने बनाई और इसके लिए समितियों की अथक तथा संगठन के सामूहिक प्रयासों को नमन करते हुए बहुत-बहुत बधाई। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर देश के स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर 75 करोड़ सूर्य नमस्कार विश्व विक्रम अभियान के अंतर्गत स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की प्रेरणा से गीता परिवार में पतंजलि योग समिति के साथ महिला संगठन ने भी प्रमुख सहभागिता निभाई तथा श्रृंखलाबद्ध संगठन के प्रत्येक स्तर पर मातृभूमि बंदना का यह भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के माध्यम से 1 से 15 मार्च तक महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता हेतु गांवों में विशेष रुप से वेबीनार आयोजित किए गए जिसमें 15000 बहने लाभान्वित हुई। प्रादेशिक अधिवेशन वर्चुअल तथा फिजिकल

सफलतापूर्वक संपन्न हो रहे हैं, जिसमें उत्तरांचल के 3 प्रदेशों ने रजत जयंती भी मनाई।

कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योति जी राठी द्वारा संगठन के आर्थिक पहलू की विस्तृत चर्चा करते हुए मांगलिक अवसरों एवं राष्ट्रीय अधिवेशन हेतु सहयोग राशि की जानकारी दी।

महिला पत्रिका की जानकारी देते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जी काबरा ने आगामी प्रकाशित होने वाले महेश नवमी अंक के विषय में बताया।

महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष, मां श्रीमती रत्नीदेवी काबरा ने कॉरपस फंड 5 करोड़ रखने का लक्ष्य रखा और कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मुंदड़ा ने नए ट्रस्टी बनाने की जानकारी देते हुए ट्रस्ट मे कैसे जरूरतमंद को सहयोग दिलवाए तथा कैसे सहयोग राशि भिजवाए इस पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट की सचिव श्रीमती ललिता जी मालपानी ने आर्थिक व्याख्या की।

आंचलिक उपाध्यक्षो द्वारा अपनी–अपनी अंचल की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

छठवां विश्व रिकॉर्ड.. 19 मई 2022 को राष्ट्रीय साहित्य समिति ने 3591 माहेश्वरी बहनों के साथ व्हाट्सएप पर मनोरंजक एवं ज्ञान की अलख से सुसज्जित **''हर सीट हॉट सीट''** ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी गेम खिलवा कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में संगठन के नाम छठवीं बार रिकॉर्ड दर्ज कराया। राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती मंजु जी मानधना ने साहित्य समिति द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए केबीसी के तर्ज पर खेले जाने वाले इस ऑनलाइन गेम की तैयारी के विषय में बताया तथा आंचलिक सह प्रभारी डॉ श्रीमती अनुराधा जाजू ने इस गेम की पूर्ण जानकारी सुंदर पीपीटी प्रेजेंटेशन के साथ दिखाई इसे सभी ने सुना व सराहा। राष्ट्रीय नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली सुरुचिपूर्ण प्रश्नों का चयन खेल के हर पड़ाव पर पहलू का सूक्ष्म अवलोकन रोचक संरचना तकनीकी एवं मनोरंजन का बेहतरीन तालमेल संगठित टीमवर्क ने इस खेल प्रतियोगिता को उच्चतम शिखर पर आरूढ़ करके अपने आप में जो मिसाल कायम की उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के हेड डॉक्टर मनीष जी विश्नोई ने स्वयं उपस्थित होकर साहित्य समिति के अद्भुत अकल्पनीय सोच व प्रयासों की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी को जूम सभागार में स्वर्णिम विश्व कीर्तिमान का सर्टिफिकेट महिला संगठन को प्रदान किया। इसके लिए समिति प्रमुख श्रीमती पुष्पा जी तोषनीवाल विशेष रुप से प्रभारी श्रीमती मंजु जी मानधना दक्षिणांचल सह प्रभारी अनुराधा जी जाजू विशेष बधाई के पात्र हैं और उनके साथ सह प्रभारी श्रीमती सरोज जी मालपानी, श्रीमती पुष्पा जी धूत, श्रीमती अर्चना जी लाहोटी, श्रीमती अरुणा जी मोदी तथा टीम का हार्दिक अभिनंदन, संगठन के संगठित प्रयासों को नमन, तथा विजेताओं को बधाई।

अंत में विधान संशोधन समिति की प्रमुख पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मूंदड़ा ने सभी बिंदुओं पर चर्चा करके सदन को अवगत कराया। तथा कहा विधान संशोधन सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी पत्रक द्वारा सभी को प्रदत्त की जाएगी। शिवानंद योग बैठक हेतु दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती पुष्पा जी तोषनीवाल ने विस्तार पूर्वक बताया। सभी प्रदेशों की त्रैमासिक रिपोर्ट का मूल्यांकन कर निर्णय दिया गया जो इस प्रकार रहा– **डायमंड कैटेगरी** में सात प्रदेश– दिल्ली, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात, बिदर्भ, महाराष्ट्र, कोलकाता, दक्षिण राजस्थान, **गोल्ड कैटेगरी** में छह प्रदेश – मध्य उत्तर प्रदेश, पंजाब हरियाणा, छत्तीसगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, नेपाल चैप्टर, मध्य राजस्थान, **सिल्वर केटेगरी** में 10 प्रदेश – पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, असम, उत्तरी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान,मुंबई, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक– गोवा, तमिलनाडु– केरलपांडिचेरी

अंत में संगठन मंत्री श्रीमती शैला जी कलंत्री ने सभी का हृदय ग्राही आभार जताया। इस बैठक को सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, सभी राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष, दसों समिति प्रभारी, सह प्रभारी, 27 प्रदेशों के अध्यक्ष, सचिव कार्य समिति एवं राष्ट्रीय कार्य समिति के सभी सदस्यों ने उपस्थित होकर सार्थकता प्रदान की।

सौ. मंजु बांगड़ राष्ट्रीय महामंत्री

रामेश्वरम की पावन भूमि पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टम कार्यसमिति बैठक एवं दक्षिणांचल अधिवेशन

शिवानंद योग का आयोजन

विगत दो–तीन जुलाई 2022 को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टम कार्यसमिति बैठक तथा दक्षिणांचल अधिवेशन **''शिवानंद योग''** भगवान शिव की पवित्र नगरी रामेश्वरम में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ । दक्षिणांचल के पांचो प्रदेशों के साथ–साथ पूरे भारतवर्ष एवं नेपाल से पधारी संगठन की बहनों ने भाग लिया। भगवान उमा महेश के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजु बांगड़ ने सुंदर संचालन करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों का अभिवादन कर मीटिंग का शुभारंभ किया । कार्यसमिति बैठक के अंतर्गत सत्र के पूर्ण हुए कार्यक्रमों की जानकारी के साथ आगामी नियोजित परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशाजी माहेश्वरी ने आयोजक दक्षिणांचल की बहनों का अभिनंदन करते हुए कहा–आगामी राष्ट्रीय महिला महा अधिवेशन शंखनाद 9–10–11 अक्टूबर 2022 को कोटा में संपन्न होगा जिसमें ज्यादा से ज्यादा बहने पधारें। 2– 3 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय स्तर पर इंदौर में निशुल्क सामूहिक विवाह के आयोजन की भी घोषणा की। स्थाई प्रकल्प महिला सेवा ट्रस्ट एवं माहेश्वरी महिला पत्रिका के कार्य की प्रशंसा की तथा सुंदर शब्दों से सभी बहनों का प्रोत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजु बांगड़ ने सचिव प्रतिवेदन में राष्ट्रीय साहित्य समिति उत्कृष्ट सोच तथा अथक प्रयासों से के बीसी की तर्ज पर हर सीट हॉट सीट ऑनलाइन गेम प्रतियोगिता में 3591 महिलाओं की सहभागिता से छठवां गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड संगठन के नाम दर्ज कराने पर सभी को बधाई प्रेषित की। महेश नवमी पर श्रृंखला बद्ध संगठन के प्रत्येक स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ सेवा योजनाओं को फलीभूत करने हेतु सभी की सराहना की विशेष रुप से महासभा के एबीएमएम रिलीफ फंड में पदाधिकारियों एवं बहनों द्वारा दी गई सहयोग राशि के प्रति आभार व्यक्त किया। जाजू ट्रस्ट मे पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता जी मोदानी द्वारा प्रदत्त 5 लाख की सहयोग राशि की भूरी भूरी प्रशंसा की। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती लता जी लाहोटी के प्रेरणास्पद आशीर्वचन के बाद राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी ने संगठन के आय व्यय के ब्यौरे के साथ ही कोटा में होने वाले महा अधिवेशन के रजिस्ट्रेशन एवं इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली सोविनियर मे विज्ञापन राशि की जानकारी सदन को प्रदान की। राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैलाजी कलंत्री ने आभार ज्ञापन दिया।

उद्घाटन सत्र के दौरान उद्घाटन कर्ता के रूप में संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती आशा जी माहेश्वरी, कार्यक्रम अध्यक्ष एवं दक्षिणांचल उपाध्यक्ष श्रीमती कलावती जी जाजू, स्वगताध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जी मोहता, मुख्य अतिथि श्री राजेश जी बिरला, श्रीमती विमला जी दम्मानी, मुख्य वक्ता श्री अशोक जी बंग, प्रधान अतिथि श्रीमती मंजू जी बांगड़ (राष्ट्रीय महामंत्राणी), कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योति जी राठी एवं संगठन मंत्री श्रीमती शैला जी कलंत्री, विशेष अतिथि श्रीमती लता जी लाहोटी (राष्ट्रीय पूर्वाध्यक्षा), द. संयुक्त मंत्री श्रीमती पुष्पा जी तोषनीवाल, अध्यात्म समिति प्रभारी प्रमुख श्रीमती अरुणा जी लड्ढा एवं समिति सह प्रभारी श्रीमती सरिता जी तापड़िया की सम्माननीय उपस्थिति से कार्यक्रम सफलता के सोपान चढ़ पाया। शाब्दिक स्वागत श्रीमती शकुंतला जी मोहता द्वारा किया

गया तथा कार्यक्रम।की जानकारी श्रीमती अरुणा जी लड्ढा द्वारा दी गई। अपने वक्तव्य में आशा जी ने संगठन के गौरवान्वित पलों के बारे में बताते हुए 6 विश्व रिकॉर्ड की संक्षिप्त जानकारी दी, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि श्रृंखला बद्ध संगठन का साकार रूप इस बार कार्यों के माध्यम से देखने को मिला है। इस सत्र को स्वर्णिम सत्र कहते हुए आशा जी ने अपने वक्तव्य को विराम दिया। श्री राजेश जी बिरला ने बहुत ही सरल शब्दों में संगठन को एक जुट होकर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए महिला संगठन के अभूतपूर्व कार्यों की प्रशसा की , विमला जी दम्मानी ने अपने चिर परिचित मधुर अंदाज में नारी शक्ति को आवाहन देते हुए कहा कि एक स्त्री किस तरह अपने परिवार और संगठन दोनो को साथ लेकर कार्य करने में सक्षम होती है। जय भारत के उद्घोष से सभा में जोश उत्पन करते हुए उन्होंने सभी से कहा कि कार्यक्षेत्र का दायरा असीमित होता है, अतः पंख पसार कर चुनौतियों का सामना करना ही सफलता की ओर ले जाता है। श्री अशोक जी बंग ने अपने वक्तव्य में भाषा, भूषा, भोजन एवं भजन की व्याख्या करते हुए महाभारत के उदाहरणों से समझाया कि किस तरह केवल बोलना पर्याप्त नहीं होता है अपितु भाषा की शैली एवं शब्दों का चयन भी उतना ही मायने रखता है, आपका परिवेश आपके संस्कारों को दर्शाता है अतः उसका विशेष ध्यान राखिए, बंग जी ने कहा की भजन वो साधना है, जिसे पूरे परिवार को एक साथ बैठ कर कम से कम दिन में एक बार तो अवश्य करना चाहिए, इससे परिवार में सौहार्द बढ़ता है, जैसा भोजन वैसा मन के तथ्य को समझाते हुए मुख्य वक्ता ने अपनी वाणी को विराम दिया।

श्रीमती लता जी लाहोटी ने अपने वक्तव्य में संगठन की बुनियाद के बारे में बताते हुए कहा कि आज संगठन जिन उद्देश्यों की प्राप्ति कर रहा है वो अकल्पनीय है लेकिन साथ ही इसके पीछे वर्षों की मेहनत और अनुभवों का साथ है। संगठन की विशेषता बताते हुए आपने कहा की यहां प्रत्येक पद अपने योग्यता एवं अनुभवों के आधार पर अर्जित किया जाता है। राष्ट्रीय महा मंत्राणी श्रीमती मंजू जी बांगड़ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे उत्पत्तिकर्ता भगवान शिव के अलौकिक रत्न गुणों से सभी समृद्ध रहे.. स्व नहीं पर के प्रति आबद्ध रहे। सेवा, त्याग, सदाचार, सद्भाव, सौहार्द, श्रद्धा व सहयोग की भावना से परिष्कृत हो समाज के प्रति समर्पित रहे । संगठन को ऐसे ही समर्पित कार्यकर्ताओं की अवश्यकता है जो अपने कार्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा रखते हुए राष्ट्रीय मंच का साथ देते हैं।

.....

कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती कलावती जी जाजू ने सभी अतिथियों के मनोभावों को एक सूत्र में पिरोते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों का धन्यवाद दिया कहा कि 2 वर्षों के कोविड काल के उपरांत बैठक एवं अधिवेशन के लिए दक्षियांचल पर

भरोसा किया गया। यह रामेश्वरम जैसी पावन जगह का ही आशीर्वाद था, जहां स्थानीय संगठन की अनुपस्थिति भी आयोजन की रूकावट नहीं बन पाई ।

उद्घाटन सत्र में स्वग्ताध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जी मोहता को महेश गौरव से सम्मानित किया गया, आपका सम्मान पत्र वाचन श्रीमती सरिता जी तापड़िया द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत करने हेतु लेजिम प्रस्तुति महाराष्ट्र टीम से श्रीमती सीमा जी बंग, कंचन जी बाहेती , अर्चना जी सोनी एवं विनीता जी बियानी द्वारा दी गई, अत्यंत मनोहारी मयूर नृत्य तमिलनाडु टीम से श्रीमती राखी जी मूंदड़ा, प्रीति जी बियानी एवं उमा जी नाहर द्वारा प्रस्तुत किया गया।

गणेश वंदना कुमारी रिद्धि दमानी एवं खुशबू नाहर द्वारा प्रस्तुत की गई, महेश वंदना श्रीमती उर्मिला कोठरी एवं राधिका कोठारी द्वारा प्रस्तुत की गई। स्वरचित स्वागत गीत चेन्नई से श्रीमती शकुंतला जी करनानी ने गाया। सत्र का सूत्र संचालन साहित्य समिति सह प्रभारी डा श्रीमती अनुराधा जी जाजू ने किया। कार्यक्रम के दौरान व्यक्तित्व विकास की सह प्रभारी

शोभा जी भूतड़ा द्वारा प्रादेशिक सम्मान की प्रस्तुति संचालित की गई एवं अतिथियों का परिचय श्रीमती रजनी जी राठी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

श्रीमती पुष्पा जी तोषनीवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन में सभी अतिथियों के आगमन हेतु आभार प्रेषित किया गया साथ ही दक्षिणांचल के पांचों प्रदेशों के अध्यक्ष एवं सचिव श्रीमती अनुसूया मालू, उर्मिला साबू, सुलोचना बल्दवा, प्रभा चांडक, पुष्पा गिलड़ा, सुनीता पलोड़, रजनी राठी, ममता दमानी, सरिता तापड़िया अनीता माहेश्वरी एवं उनकी पूरी टीम को अभूतपूर्व सहयोग हेतु धन्यवाद दिया गया। अधिवेशन का मुख्य आकर्षण रामेश्वरम धाम में रथ यात्रा का आयोजन अभूतपूर्व रहा। अध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति के अंतर्गत भक्ति पूर्ण कार्यक्रमों की संख्या में ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' को चरितार्थ करते हुए रात्रि में दीपोत्सव तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों मैं दशावतार, महाकाल दर्शन, भक्त और भगवान नाट्य प्रस्तुति, महत्वपूर्ण विषयों पर वाद–संवाद सामाजिक चिंतन अलौकिक व संदेशात्मक रहा। दक्षिणांचल के पांचो प्रदेश मुंबई, महाराष्ट्र ,आंध्र तेलंगाना, कर्नाटक गोवा, तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रदेशों की प्रतिभागियों ने भाग लिया। भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा का कलात्मक कमाल, मानो बेमिसाल था। अंत में समापन समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजू बांगड़ ने कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए दक्षिणांचल के पांचो प्रदेश के अध्यक्ष, मंत्री, सभी पदाधिकारी, प्रत्येक कार्यकर्ता व सामाजिक बंधुओं को उनके योगदान के लिए बधाई दी विशेष रुप से सेलम से श्री गोविंद जी चांडक मदुरई से श्री जुगल जी राठी तथा रमेश जी इरोड से श्री दिनेश जी एवं उनकी समस्त टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। अप्रतिम व्यवस्था, सुस्वादु भोजन स्नेहपूर्ण आतिथ्य सभी के मन को अभिभूत कर गया। अपने देशों में सार्थक शिवानंद योग की सफलता हेतु दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावती जाजू, संयुक्त मंत्री पुष्पा जी तोषनीवाल, अध्यात्म समिति के राष्ट्रीय प्रभारी अरुणा जी लड्ढा, महेश गौरव सम्मान से विभूषित स्वागत अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जी मोहता को अनेकानेक बधाइयां। दक्षिणांचल से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लता दीदी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वचन के प्रति नतमस्तक होते हुए सभी दक्षिणांचल सह प्रभारी अनुराधा जी जाजू, सरिता जी तापड़िया, शोभा जी भूतड़ा, सरिता जी लाहोटी, भाग्यश्री जी चांडक, चंदा जी काबरा, संगीता जी बियानी, डॉ पूर्णिमा सारडा, स्वाति जी काबरा, सुनीता जी बिसानी को आत्मीय नमन। पांचो प्रदेशों के कर्मठ अध्यक्ष, प्रदेश मंत्री, प्रदेश कार्यसमिति बहने विशेष रुप से शांति जी मूंदड़ा सभी प्रदेश संयोजिका एवं प्रदेश कार्यकर्ता टॉप टू बॉटम टीम के प्रयासों को साधुवाद देते हुए हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता का अभिनंदन करते हैं जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिवानंद योग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक एवं दक्षिणांचल अधिवेशन शिवानंद की सुंदर परिकल्पना सभी के सामूहिक प्रयासों से पूर्णतः साकार हुई।

सौ. मंजु बांगड़ राष्ट्रीय महामंत्री

राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजु बांगड़ उत्कृष्ट सेवा कार्यों हेतु पुरस्कृत

अत्यंत हर्ष का विषय है कि PHF रोटेरियन श्रीमती मंजु बांगड़ को 26 जून 2022 को रोटरी डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड फंक्शन जश्न में सोसाइटी में विभिन्न रचनात्मक उत्कृष्ट सेवा कार्यों को संपन्न करते हुए डिस्टिक सेक्रेट्री women empowerment का दायित्व सफलतापूर्वक निभाने के लिए रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन मुकेश सिंघल द्वारा रोटरी सत्र 2021 – 22 हेतु अवार्ड से सम्मानित किया गया, रोटेरियन मंजू बांगड़ रोटरी क्लब कानपुर विनायक श्री की चार्टर अध्यक्ष है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर महिला व बालकल्याणार्थ विशेष रुप से बच्चों की शिक्षा के लिए सेवा कार्यों को फलीभूत करती हैं। वर्तमान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री तथा इनरव्हील की पास्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन है।

अभिनंदन सम्मान पुरस्कृत

राष्ट्रीय केन्द्रीय पदाधिकारियों को महेश नवमी पर समाज गौरव उपाधि से सम्मानित किया गया

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी का अभिनंदन

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी का माननीय लोकसभा स्पीकर श्रीमान ओम कृष्ण जी बिरला, माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष श्री राजेश कृष्ण जी बिरला, मंत्री विट्ठलदासजी मूंदड़ा, मुख्य कार्यक्रम संयोजक श्री महेश चंदजी अजमेरा द्वारा श्री माहेश्वरी समाज कोटा के मंच पर महेश नवमी महोत्सव 2022 में अभिनंदन पत्र देकर आत्मीय अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी के अध्यक्षीय कार्यकाल में समाज सेवा के कई विभिन्न सेवा कार्यों पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में 6 बार नाम दर्ज करवाने पर समस्त माहेश्वरी समाज कोटा अपने आपको गौरवान्वित महसूस

करता है। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज कोटा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है आत्मीय अभिनंदन।

राष्ट्रीय महामंत्री मंजुजी बांगड़ का सम्मान

महेश नवमी पर्व पर माहेश्वरी समाज कानपुर दक्षिण द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज में उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

रा. कोषाध्यक्ष ज्योति राठी का सम्मान

महेश नवमी पर्व पर माहेश्वरी समाज रायपुर द्वारा रा. कोषाध्यक्ष ज्योतिजी राठी को समाज गौरव उपाधि से अलंकृत किया गया।

रा. संगठन मंत्री शैला कलंत्री समाज गौरव उपाधि से सम्मानित

माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा श्रीमती शैला कलंत्री को समाज गौरव की उपाधि से सम्मानित किया गया। बहुत-बहुत बधाई।

महेश नवमी की सार्थकता

सविता पटवारी, जयपुर

माहेश्वरी वंश के उत्पत्तिकर्ता भगवान महेश हैं। अतः माहेश्वरी वंश का जन्मोत्सव महेश जयंती के रूप में प्रतिवर्ष समस्त माहेश्वरी समाज द्वारा देश एवं विदेशों में भी मनाया जाता है। श्री माहेश्वरी समाज के प्रादुर्भाव का इतिहास पिछले 50-60 वर्षों से विभिन्न पत्रिकाओं में छपता रहा है। जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि भगवान महेश ने अपनी कृपा दृष्टि से माता पार्वतीजी के आग्रह पर पाषाण मूर्तियों को सजीव बनाया था तथा इस अलौकिक कार्य के सम्पन्न होने पर उन पाषाण प्रतिमाओं से बने सजीवों में कुछ विशेष गुण समाहित किये। तब ये माहेश्वरी वैश्य कहलाये।

माहेश्वरी लोगो में कुछ गुण यथा-धर्मशीलता, सरल व नम्र व्यवहार, कार्यशीलता, विवेक से कार्य करने की आदत व परोपकार के कार्य करने की प्रवृत्ति अन्य जातियों से अधिक है। अपने इन सद्गुणों के कारण माहेश्वरी व्यक्ति व्यापारी व परोपकारी होने के साथ-साथ जाति व स्वधर्म के उत्थान कार्यों में अग्रणी है। लगभग सभी पर्यटक व धार्मिक स्थलों पर माहेश्वरियों द्वारा बनाये गये धर्मशाला, स्कूल, अस्पताल या अन्य वेलफेयर के लिये गये कार्य मिल ही जाते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि माहेश्वरी समाज सम्पन्न है, मानव धर्म निर्वाह करने वाला है, धर्म परायण है।

हम समाज की प्रगति, प्रसन्नता और धारणा को अपने उद्देश्य में सर्वोपरि मानते हैं। उसे सार्थक करना चाहते हैं। हो सकता है अपेक्षायें और महत्वाकांक्षाएं ही सफलता की सबसे बड़ी प्रेरक हों, लेकिन सच्ची सफलता वही कहलाती है जो हमें संतोष दे, समाज को समृद्ध करे।

पिछले कई वर्षों में बहुत सी कुरीतियां दूर हुई हैं। बदलते समय में कई समस्याएं कम हुई है, लेकिन बदलते परिवेश में कई नई समस्याओं को भी जन्म दे दिया है, जिससे माहेश्वरी जाति के अस्तित्व पर विशेष खतरा मंडराने लगा है। माहेश्वरियों के मूल गुणों का ह्रास हो रहा है। अब समय आ गया है कि इन समस्याओं पर चर्चा की जाये और समस्या निदान हेतु उचित कदम उठाये जायें।

आज की ज्वलंत समस्याएं-(1) बच्चों का बड़ी उम्र में विवाह व परिवार छोटा रखने की प्रवृत्ति। (2) विदेश में जाकर धन कमाने से अपने मूल परिवार से दूर होना और अपनी श्रेष्ठता में धीरे-धीरे होने वाले बदलाव के प्रति संवेदनशील न होना। (3) अन्तर्जातीय विवाहों में बढ़ोतरी होना। (4) विवाह उपरांत सम्बन्ध विच्छेद की दर में बढ़ोतरी होना। आज बड़ी उम्र में विवाह होने से बच्चे कम होते हैं। फलस्वरूप एक पीढ़ी ही कम होती जा रही है। कामकाज की आवश्यकता से विदेश जाने वाले बच्चे बढ़ गये हैं। वे वहीं सैटल होने की सोच रखते हैं। अतः स्थानीय समाज में युवा वर्ग की कमी, विदेशी संस्कृति का धीरे-धीरे उन पर प्रभाव हो रहा है जिससे उनकी मूल श्रेष्ठता जो कि परहित की है उसमें कमी हो रही है।

अन्तर्जातीय विवाह के कारण यदि लड़की अन्य जाति में जाती है तो एक परिवार कम हो गया तथा लड़का अन्य जाति की लड़की लाता है तो होने वाले बच्चों में मूल जींस का बदलाव होने से जाति की श्रेष्ठता में कमी हो रही है।

बड़ी उम्र में विवाह, आत्मनिर्भर रहने की प्रवृत्ति, स्त्री-पुरुष दोनों के धन कमाने की प्रवृत्ति से घरेलू जीवन में सामंजस्य बैठाने में मुश्किल आ रही है। इसी संतुलन के डगमगाने से तलाक होना एक आम बात हो गई है।

आज जरूरत है इन सभी समस्याओं पर चर्चा परिचर्चा की। सामूहिक ग्रुप डिस्कशन द्वारा इन सभी समस्याओं पर विचार होवे और हल निकाला जाये तभी महेश नवमी की सार्थकता बनी रहेगी। महेश जयंती का यही संदेश है कि हम वक्त के साथ अपने आप को बदलें और आगे बढ़ें। खासकर युवा वर्ग को यह बात समझनी होगी। भविष्य किस दिशा में जा रहा है उसकी नब्ज पहचान कर अपने आपको उसके लिए तैयार करें। तभी हम शिखर की स्पर्धा में सफलता का परचम लहरा पाएंगे।

भारत का प्रतिबिम्ब कल आज और कल की ओर

कल का भारत,सभ्यता और संस्कृति के नींव का पत्थर, युवा साथियों क्या आप जानते हैं कि विश्व में भारत ही वो पहला देश है जिसने मानविक सभ्यता को स्थापित किया है। आईये जानते हैं कैसे? ऋग वेद, ऋषि मुनि और महान मनीषी महर्षियों का यह देश पूरे विश्व को प्रदान की थी एक चमत्कारी योजना,आईये जानते हैं कौन और कैसे 1) आर्यभट्ट– शून्य की खोज,खगोल शास्त्री ,गणितज्ञ 2) महर्षि कनड –परमाणु संरचना 3)भास्कराचार्य –गुरुत्व आकर्षण 4)महर्षि चरक –आयुर्वेद विशारद 5) भरद्वाज– वायुयान की खोज 6) ऋषि अगस्त्य –कुमोदभाव यानि बैटरी की खोज 7)महर्षि कन्व– वायु विज्ञान 8)कपिल मुनि –सांख्य शास्त्र ,तत्व पर आधारित 9)पानिनि – भाषा व्याकरण शास्त्र 10) महर्षि पतंजलि – योग, प्राणायाम आज जिन विदेशी विश्वविद्यालय में आप पढ़ने हेतु लालायित हैं, उनकी आधारशिला भी भारत ही है,क्योंकि यह प्रमाणित है कि चन्द्रगुप्त मौर्य के समय चाणक्य द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में विदेशों से बहुत मात्रा में छात्र पढ़ने भारत आते थे, जिनमें विक्रमशिला, तक्षशिला, नालंदा, वल्लभ जगदल, सोमपुरा, पुष्पागिरि, ओदान्तपुरी आदि प्रख्यात है। प्राचीन भारत की संपदाओं को, शिक्षा प्रणालियों को हमसे लेकर आज हमारी युवा पीढ़ी को बरबस आकर्षित कर उनकी गुणवत्ता का, हमारी उपलब्धियों का लाभ ले रहे हैं पाश्चात्य देश। हमारी कर्मठता और आविष्कार को अपना कर हमारी संस्कृति को विध्वंस कर रहे हैं,क्योंकि ना हम जानते हैं और ना ही हमारी युवा पीढ़ी हमारी उपलब्धियों को जानती है। हमारी परंपरा, वेषभूषा ,खान पान,लोक संस्कृति, भाईचारा, सामाजिक समरसता, हमारे बच्चों को उच्च स्तरीय बुद्धिजीवी बनाती है और ये विदेशी हमारे युवाओं से इसका लाभ ले कर अपना स्तर उच्च करने में लगे हैं। अब और नहीं .....हम सभी जाग गए हैं। आज का भारत विश्व में अपना स्थान पहली पंक्ति में खड़ा हो कर बना रहा है। हमने कोरोना काल में सजगता से इसको प्रमाणित किया है । स्वामी विवेकानन्द ने भारत की सोच और समझ एवं युवा पीढ़ी की ऊर्जा को विश्व में प्रतिस्थापित कर नया आयाम बनाया है।

आईये आने वाले समय में भारत को किस नजरिये से देखा जा रहा है .....देखते हैं। भारत की उम्मीद की एक और दृष्टि विश्व के सभी नेतृत्व को दिख रही है। भारत के सफल परिवर्तन की तीव्र गति को सभी खुली आंखों से अनुभव कर रहे हैं....तभी भारत को विश्व संस्थाओं में अग्रणी भूमिका निर्वाहण का आमंत्रण और उचित स्थान से नवाजा जा रहा है।हम चलें हैं कल के भारत की ओर..... नव भारत निर्माण का यह सुनहरा सवेरा ले कर आया है उन्नति और प्रगति के साथ नया उल्लास,विश्वास,नवीन उर्जा और नया सृजन....युवाओं के कंधे मजबूती से इस अभिप्राय से मंजिल की तरफ तीव्र गति से अग्रसित होते नजर आ रहे हैं...वो गर्व के पल अब दूर नहीं जब विश्व गुरु भारत अब विश्व महागुरू के सफल गंतव्य की ओर अग्रसर हो रहा है। आजादी का महापर्व अमृत महोत्सव की स्वर्णिम बेला में आईये याद करें और श्रृद्धाजंलि दें, उन विचारकों को, क्रांतिकारियों को और शहीदों को। स्मरण करें उनकी शहादत और जज्बे को,जिन्होंने भारत मां को आजादी का तिरंगा पहनाया,हमें दासत्व से मुक्त कराया। स्वजनों भारत आज भी एक राष्ट्र एक नाम की गुहार लगा रहा ।

भारत के नव निर्माण का शुभ अवसर

भारत की आजादी के अमृत महोत्सव की शुभ बेला पर भारत के नव निर्माण का शुभ अवसर, हम सभी को प्राप्त हुआ है ऐसे शुभ बेला के अवसर पर भारत के पुरातत्व पुरातन और अपना सनातन व भारत के प्रयोगों और सहयोगों को पूरे विश्व को बताएंगे तभी तो हम विश्व गुरु का स्थान पूरब से लेकर पश्चिम तक प्राप्त कर सकते हैं ताकि पूरा विश्व हमारी प्राचीनता का क़ायल बना रहे।वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आज से हजारों वर्ष पहले से सौर्य मंडल की गणना शुन्य

देकर 'अंक गणना', शल्य चिकित्सा की अद्भुत शैली 'योगा प्राणायाम', आयुर्वेद, विश्व का पहला विश्वविद्यालय यानी नालंदा यानी की हमारा ज्ञान विश्व में इतना समृद्ध था, साथ ही स्थापत्य कला का अतुलनीय निर्माण आदि अन्य व्यवस्थाओं को प्रदान कर विश्व को राह दिखाने वाला हमारा 'भारत' आज युवाओं के अनजानेपन से अछूता रह जा रहा है। भारतीय संस्कृति का अनोखा स्वरुप व भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विशालता और उसकी महत्ता तो संपूर्ण मानव के साथ तादात्म्य संबंध स्थापित करने अर्थात् 'वसुधैव कुटुंबकम्' की पवित्र भावना में निहित है। 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' का उद्देश्य है कि हम सभी सामूहिक कटिबद्धता से इसे जीवंत कर इसकी तथ्यों की जानकारी से पूरे विश्व को अवगत कराएं, जैसे कि केदारनाथ मंदिर की निर्माण प्रक्रिया, इतना बड़ा प्राकृतिक विपर्जय उस मंदिर का बाल भी बांका नहीं कर पाया, ऐसे और कितने तथ्य पुरातत्व विभाग के अंतर्गत छुपे हुए है, स्वार्थवश कुछ देशों ने इस वैभव के संपादनों को लूट कर खुद के नामकरण से विश्व में सम्मानित हो रहे हैं।

जागो भारतीयों जागो! आओ हम 'भारत' के 135 करोड़ भारतीयों को बताएं कि विश्व के नवनिर्माण में हमारे 'भारत' की भूमिका को भी कोई नकार नहीं सकता। हमारी भारतीय संस्कृति आज भी अपनी विशेषताओं के कारण विश्वविख्यात है, अपने आदर्शो पर कायम है, समन्वयवादिता इसका गुण है,चाहे धर्म हो या कला या हो भाषा, भारतीय संस्कृति ने सभी देशी-विदेशी संस्कृतियों को अपने में समाहित कर लिया है, जिस तरह समुद्र अपने में विभिन्न नदियों के जल को एकाकार कर लेता है,भारतीय संस्कृति इसका एक श्रेष्ठ उदाहरण है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों से बुद्धिजीवी, राजनीतिक, साहित्यिक, संवादिक, उद्योगपति, शिक्षाविद्, कलाकार आदि की उपस्थिति रहेगी, सभी के विचारों का मंथन 'भारत' को नव निर्माण की ओर प्रगति प्रदान करेगा।

रा.पूर्व अध्यक्ष-शोभा सादानी

शोभा सादानी

जीवन में सफलता शोभायमान रहे
भगवान उमामहेश की कृपा यूं ही बरसती रहे
हर्षोल्लास की आशा भरी मंजुल बेला आई
कोलकाता प्रादेशिक सभा द्वारा विशिष्ट सम्मान
प्राप्ति की अप्रतिम बधाई, शुभकामनाओं सहित

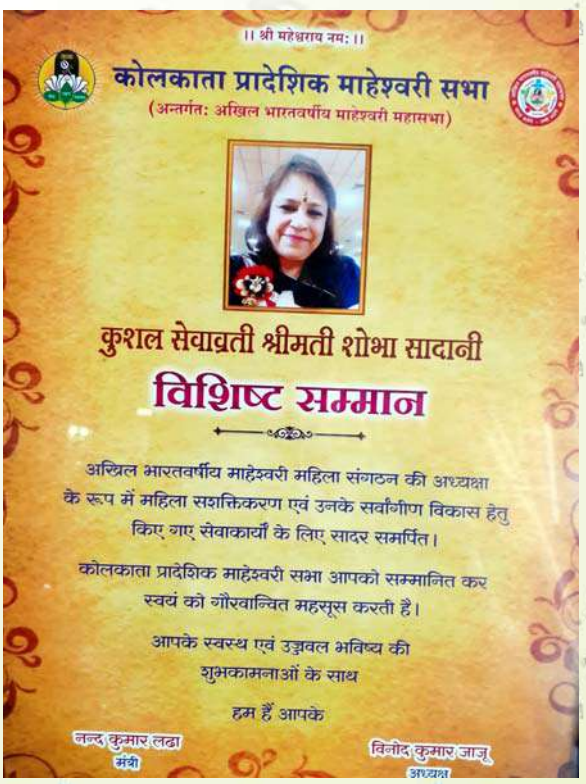

पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अन्तर्गत :अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महेश नवमी पर्व के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक संध्या : मां तेरे रूप अनेक का हुआ आयोजन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा एवं अ.भा. महिला संगठन के अंतर्गत पर्व एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा हमारे उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर्व के उपलक्ष में वर्चुअल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन zoom के माध्यम से किया गया। इसके अंतर्गत लगभग 500 महिला, पुरुष एवं पूरे पूरे परिवार ने एक साथ इस कार्यक्रम का आनंद लिया।

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का विषय था–**''मां तेरे रूप अनेक''** जिसे पांचों अंचल द्वारा 27 प्रदेशों के अंतर्गत मात्र 10 दिन से 12 दिन के अंदर तैयार करवा कर इसे दिखाया गया।

इस विषय के अंतर्गत: 1) दक्षिणांचल द्वारा भारत माता, 2) पश्चिमांचल दुर्गा मां के तीन रूप, 3) मध्यांचल मां देवकी मां यशोदा, 4) पूर्वांचल पन्नाधाय 5) उत्तरांचल सासू मां विषय पर मनमोहक प्रस्तुति करण हुआ।

मां के कई रूप होते हैं तभी तो वह मां कहीं जाती है। सबसे छोटा शब्द पर सबसे बड़ी उपाधि यहीं से शुरू होती है मां की कहानी जिसे अध्यात्म, राष्ट्रीयता, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पारिवारिक सोच को दर्शाते हुए मां का प्यार, दुलार, त्याग एवं मां की शक्ति मां की भक्ति इस सोच को लेकर कार्यक्रम की प्रस्तुतियां हुई।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत महासभा से– मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष श्रीमान आदरणीय रामपाल जी सोनी सा, महामंत्री श्री संदीप जी काबरा, संगठन मंत्री अजय जी काबरा, श्री नारायण जी राठी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय महिला संगठन से – राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशाजी माहेश्वरी, महामंत्री श्रीमती मंजुजी बांगड़, कोषाध्यक्ष ज्योतिजी राठी, संगठन मंत्री शैलाजी कलंत्री, रतनीदेवी काबरा सभी अनमोल रत्न पूर्व अध्यक्ष कार्यालय मंत्री मधु जी बाहेती कंप्यूटर समिति प्रभारी उर्मिलाजी कलंत्री, भाग्यश्रीजी चांडक, पांचों अंचल के उपाध्यक्ष संयुक्त मंत्री पर्व एवं सांस्कृतिक समिति की समिति प्रमुख श्रीमती मंजुजी कोठारी, राष्ट्रीय प्रभारी पुष्पा सोमानी, सह प्रभारी: निशा लड्ढा, सुनीता जेठलिया, मनीषा लड्ढा, प्रमिला चोला, चंदा काबरा एवं संगठन की सभी समिति से समिति प्रमुख एवं समिति प्रभारी सहित zoom सभागार में उपस्थित 500 सदस्य थे।

मंजु कोठारी(पर्व एवं सांस्कृतिक प्रमुख) * पुष्पा सोमानी(राष्ट्रीय समिति प्रभारी)

सास

सच कहूं तो सास होती है बड़ी खास ,
रखना पड़ता है सिर्फ बहू को उस पर विश्वास।
पता नही क्यों.. सास नाम का किया जाता है उपहास,
बस थोड़ा सा मिल जाये उसे बहु का प्रेम तो...
वो भी तो होती बड़ी है खास।
वो आस्था है ,श्रद्धा है ,भावना है ,भक्ति है,
बहु के हर सफल कार्य की वो ही तो असीमित शक्ति है।
बेटे को बहु के हाथों मे सौंपकर उतराई वो होती है,
घर में बहु आनेकी खुशियां वो ही तो ज्यादा मनाती है।
दुनियावाले कह जाते है बेटी तो पराई हो जाती है,
पर आजकल तो मायके से ज्यादा बेटी,
ससुराल में सुख पाती है।
सास तो कभी अभिभावक ,
कभी अनुशासक कभी नायक भी बन जाती है,
पर सच कहूँ तो!
प्यार की बौछार करने वाली सुखदायक भी होती है।
राह दिखाएगी सुकर पथ की.. बनकर के मार्गदर्शक,
आंच ना आने देगी कभी.. जीवन बनायेंगी बहु का आकर्षक।
(बिटिया को है गुजारिश)
बहू बनकर आई हो,बेटी बनकर रहना है,
मायके की बगिया को बिसराकर
ससुराल कि फुलवारी महकाना है।
सेवा करना सास ससुर की ना बनना तुम दुखदायी,
याद रखना जन्म भले ही ना दिया आपको!
पर वो है, आपकी सौभाग्यदाई।
गर पाना चाहती हो,पति का सच्चा प्यार,
तो ना करो रोजाना सास की तकरार,
बस थोड़ा वक्त का करो इंतजार...
संयम और सामंजस्य का लेकर आधार।
छत्रछाया में रहकर उसके आशीर्वाद नितदिन पाना है,
घर में हर पल खुशहाली भर करके संयुक्त परिवार बचाना है।

सरोज गट्टाणी, परभणी

साहित्य समिति –सामाजिक चिंतन–मनन

रचा स्वर्णिम इतिहास... हर सीट हॉट सीट में 3591 महिलाओं ने भाग लिया और 6वाँ गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया

साहित्य समिति द्वारा विश्व का पहला ऑनलाइन क्विज गेम हर सीट हॉट सीट जो कि बिना किसी शुल्क या व्यय के खिलाया जाता है जिसमें एक साथ 3591 महिलाओं ने भाग लिया, ने स्वर्णिम इतिहास रच दिया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया।

जून माह में राष्ट्रीय साहित्य समिति की षष्ठम प्रतियोगिता भगवान श्रीराम के वनगमन के बाद माता कौशल्या और माता कैकेयी की मनोदशा कैसी हुई होगी पर एक रेखाचित्र (साहित्य की एक विधा)का प्रक्षेपण किया गया ।

इस पर कार्यशाला भी ली गयी जिसमें सभी लेखिकाओं के प्रश्नों का समाधान किया गया। एक कार्यशाला व्यावसायिक लेखक कैसे बने पर भी ली गयी जिसे सभी बहनो ने बहुत सराहा । मई एवं जून माह मैं 2 ब्लॉग समयानुसार सफलतापूर्वक निकाले गए ।

मध्यांचल–विदर्भ प्रदेश मानसी अधिवेशन में हंसगुल्ले प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें विडीओ,मओज,टिक–टोक के माध्यम से बहनो ने बढ चढ़ कर भाग लिया ।

दक्षिणांचल – महाराष्ट्र प्रदेश–जून माह मैं दक्षिणांचल के शिवानंद अधिवेशन के वक्तव्य प्रतियोगिता की तैयारी की गई।

तेलंगाना आँध्रप्रदेश के मंचीर्याल जिले में भाषा में रुचि बनाए रखने के लिए महेश नवमी के अवसर पर शब्दों के खेल पर आधारित एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

तमिलनाडु–अकेलेपन की व्यथा एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सबने अपने–अपने विचार रखे एवं कुछ एक्सर्पट्स के द्वारा इनके समाधान और मंथन की भी कोशिश की है।

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन महिला अधिवेशन के उद्घाटन सत्र शंखपुष्प व कार्यकारिणी बैठक प्रातः श्री में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती लता जी तापड़िया द्वारा स्वरचित बेटी बचाओ पर काव्य पाठ किया गया ।

उत्तरांचल–मध्य उत्तर प्रदेश महेश नवमी पर भगवान महेश पर प्रश्न पूछ कर प्रतियोगिता कराई गई।

पूर्वांचल–पश्चिम बंगाल–महेश नवमी के उपलक्ष में स्वरचित कविता की पठन प्रतियोगिताआयोजित हुई

नेपाल–अक्षय तृतीया के दिन वाट्सएप के ज़रिए लेखन प्रतियोगिता करवायी गयी।

सौ. मंजु मानधना, समिति प्रभारी

राष्ट्रीय ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति

पर्यावरण सुरक्षा–''दुनिया की सुरक्षा, वृक्ष, पानी, शुद्ध हवा, जीवन जीने की अनमोल दवा''

5 जून पर्यावरण दिवस पर पंच सूत्रीय संकल्प अन्न की बर्बादी न करें, जल बचाओ, वृक्ष लगाओ, स्वच्छता अपनाओ व प्लास्टिक हटाओ का आह्वान किया एवं सभी प्रदेसों में यह संकल्प लिया गया तथा अनेक प्रदेशों में वृक्षारोपण भी किया गया। सभी प्रदेशों में गायों को हरा चारा, भूसी, गुड़, दलिया, चना, पानी आदि दिये व गौशाला में 99 पंखे भी लगवाये। चारे के लिए सभी प्रदेशों से 51 हजार की राशि प्रदान की। गायों को खरबूज व तरबूज भी खिलाये गये।

गर्मी के मौसम में एकादशी एवं अमावस्या को राहगीरों को हजारों गिलास शरबत, नींबू पानी, छाछ, ठंडा जल पिलाया व बाढ़ पीड़ितों को खिचड़ी भी बांटी गई। दिव्यांग बच्चों को बिस्किट, टॉफी, फल, कोल्ड ड्रिक आदि वितरित किये एवं अनाथाश्रम में अलमारी व पंखे, कूलर भी लगवाये। अनाथाश्रम में बहनों को साड़ियां व स्वेटर भी दिये गये।

21 जून को योग दिवस पर प्रादेशिक योग कार्यशाला का आयोजन कर बहनों को स्वास्थ्य हितकारी आसन सिखाये। पॉलिथिन हटाओ थैली अपनाओ अभियान के तहत सब्जी वालों को कपड़े के थैले प्रदान किये। विभिन्न प्रदेशों में मेगा रक्तदान शिविरों का आयोजन कर समाज के विकास में अपना योगदान देते हुए सैकड़ों रक्त की बाटलें अस्पताल में प्रदान की। पर्यावरण की सुरक्षा हेतु

ईको फ्रेंडली ब्रिक्स भी बनवाई। राष्ट्र के सभी संगठनों द्वारा तुलसी, बेल पत्र, पीपल, आंवला व कल्पवृक्ष के हजारों पौधे लगवाये गये। पशु-पक्षियों के लिये दाना व पानी के परिंडे भी रखवाये गये। बहनों ने तुलादान व गोदान कर आयोजन में सहयोग दिया। संगठनों के कार्यक्रमों में तुलसी के पौधे देकर सम्मानित किया। एक पंथ दो काज किये व पौधे लगाने के तरीके भी बताए। हमारी संस्कृति में प्रेम को सबसे बड़ा धर्म और दान को सबसे बड़ा कर्म बताया है। अतः तन, मन, धन से समस्त मानव जाति की व जरूरतमंदों की आवश्यकतानुसार सहायता की गई व सेवा परमोधर्मः की भावना को चरितार्थ किया। बहनों को इस प्रकार के पुण्य कार्य करके मन में संतुष्टि मिली।

श्रीमती प्रेमा झंवर, कानपुर प्रभारी ग्राम विकास समिति

समाज के गौरव...

नन्हें से बालक रेयांश ने भारत और एशिया में अपना परचम लहराया

गुवाहाटी के मास्टर रेयांश सोमानी ने रुबिक क्यूब द्वारा पांच मिनट में 46 देशों के राष्ट्रीय ध्वज बनाकर इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड और एशिया बुक ऑफ रेकार्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। मास्टर रेयांश सोमानी की उम्र मात्र 7 साल है। इतनी सी उम्र में इसने प्रतिभा हासिल की है। रेयांस गुवाहाटी निवासी वन्दना नरेश सोमानी के पौत्र और सीमा वरुण सोमानी के पुत्र हैं। बरपेटा रोड निवासी अनुराधा वासुदेव माहेश्वरी के दोयते है। हमारे समाज के लिए गर्व का विषय है कि मात्र 7 साल की उम्र में अपना रिकार्ड बनाया है।

किसी को भी दुःख मत पहुचाओ

दूसरों को दुखः देना बहुत आसान है मगर दूसरों के दुखः को मिटाना बहुत मुश्किल होता है। दुखः के बारे वही इंसान जान सकता है जिसे दुःख होता है दूसरे को इसका कोई अंदाजा नही होता। इसलिए किसी को भी दुःख मत पहुचाओ, क्योंकि हो सकता है कल आपको भी दुःखों का सामना कर पड़ जाये। दूसरों के दुखः मे उनका साथ जरूर निभाना चाहिए।

समाज के गौरव...

डॉ. प्रियंका पसारी को डी-लिट (इंग्लिश लिटरेचर) की उपाधि.. बधाई

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के 58 वर्षो के इतिहास में अंग्रेजी में पहली डी-लिट और सबसे कम उम्र में डी-लिट का कीर्तिमान प्रियंका के नाम दर्ज हुआ है। अभी तक विश्वविद्यालय द्वारा अन्य विषयों में 9 व्यक्तियों को डी लिट की उपाधि प्रदान की गई है। पी.एच.डी. प्रकोष्ठ प्रभारी के अनुसार विश्वविद्यालय में डी.लिट की डिग्री हासिल करने वालों की संख्या बहुत कम है। तीन साल बाद यह डी.लिट की डिग्री दी गई है। श्रीमती प्रियंका पसारी, माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी के अनुज गोविंदजी की पुत्र वधु व अखिलेश पसारी की पत्नी है तथा समाज सेवी ओमप्रकाश जी मुछाल की सुपुत्री है। पसारी परिवार,मुछाल परिवार के साथ माहेश्वरी समाज के लिए भी अत्यंत प्रसन्नता और गौरव का अवसर है। डॉ. प्रियंका पसारी क़ो बहुत बहुत बधाई.

सीए संयुक्ता को बधाई

अकोला के एडवोकेट गिरिराज-नीता भट्टड़ की सुपुत्री संयुक्ता भट्टड़ ने सीए फाइनल परीक्षा में ऑल इंडिया लेवल पर 16वाँ स्थान प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया। संयुक्त को इस उपलब्धि पर बधाई।

सीए मानसी को बधाई

मुकेश तोषनीवाल विजयपुर कर्नाटक की सुपुत्री कु. मानसी तोषनीवाल ने सीए फाइनल परीक्षा में उच्च अंकों से पास की। इस उपलब्धि पर समाज को गौरवान्वित किया। मानसी को इस उपलब्धि पर बधाई।

सीए मीनल को बधाई

अमरावती के शंकर लाहोटी की सुपुत्री मीनल लाहोटी ने सीए फाइनल परीक्षा में ऑल इंडिया लेवल पर 4था स्थान व अमरावती में पहला स्थान प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया। मीनल को इस उपलब्धि पर बधाई।

डॉक्टर विधि नवाल को बधाई

आनंद जिला माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती कांता जी नवाल की सुपौत्री डॉक्टर विधि चंद्रेश जी नवाल बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा की धनी है । डॉ. विधि ने प्रमुख स्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद (आनंद) से एम.बी.बी.एस. की डिग्री प्राप्त की है । डॉ. विधि को प्रथम वर्ष एम.बी.बी.एस. में नेशनल इंटर मेडिकल कॉलेज प्रतियोगिता में फिजियोलॉजी क्विज कॉम्पिटिशन में ऑल इंडिया लेवल पर प्रथम इनाम मिला है। एम.बी.बी.एस. में टॉप आने पर गुजरात राज्य के तत्कालीन राज्यपाल श्री ओम प्रकाश जी कोहली के शुभ हाथों से गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है । डॉ. विधि को ऑल इंडिया NEET P.G. एग्जाम में उच्च अंक लाने पर बड़ौदा की सर सयाजीराव गायकवाड गवर्नमेंट हॉस्पिटल से एम. एस. गायनेक में ऐडमिशन मिला।

समाज के गौरव...

समीक्षा बिहानी को 186वां रैंक

गुवाहाटी। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित संयुक्त लोक सेवा आयोग की परीक्षा परिणामों में समीक्षा रोहितजी बिहानी ने देशभर में 186वां स्थान हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया। समीक्षाजी को सामान्य वर्ग में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का पद मिलने की प्रबल संभावना है।

कु. मनस्वी केला

मलकापुर। बृहन्मुंबई विज्ञान शिक्षक एसोसिएशन द्वारा आयोजित डॉक्टर होमी भामा बाल वैज्ञानिक स्पर्धा में कु. मनस्वी केला सुपुत्री डॉक्टर मुकेशजी और डॉक्टर ज्योतिजी को रजत पदक प्राप्त हुआ।

कलश और देवेश को 'स्पिरिट ऑफ रामानुजन' फेलोशिप

जलगांव। पंकज और पल्लवी भैया की सुपुत्री और सुपुत्र कलश और देवेश को गणित में उत्कृष्टता के लिए 'स्पिरिट ऑफ रामानुजन' फेलोशिप से सम्मानित किया। इस फेलोशिप का नेतृत्व अमेरिकी गणितीय सोसाइटी के उपाध्यक्ष और वर्जीनिया विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर केन ओनो कर रहे हैं। पुरस्कार विजेताओं को अनुसंधान, अध्ययन और शिविरों के लिए सहायता के रूप में 5,000 डॉलर तक दिया जाता है।

कलश भैया का 'अशोका यंग चेंजमेकर 2022' के लिए चयन

जलगांव। पंकज और पल्लवी भैया की सुपुत्री कलश भैया का अंतरराष्ट्रीय 'अशोका यंग चेंजमेकर 2022' के लिए चयन हुआ है। भारत से चुने गए 13 चेंजमेकर्स में कलश को वंचित बच्चों के कल्याण और शिक्षा प्रणाली में उनके काम के लिए चुना गया है। अशोका 1980 में बिल ड्रेटन द्वारा स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन और गूगल, जेपी मार्गन, डिझनी, फोर्ब्स और अन्य जैसी कंपनियों द्वारा समर्थित हैं।

4 वर्षीय रुचिता ने बनाया रिकार्ड

मुर्तिजापुर। परेशजी-श्वेता बंग के बेटे रुचित ने 4 वर्ष की उम्र में 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड' में अपना नाम दर्ज कराया। रुचित ने 1.53 मिनिट में भगवद्गीता के 20 श्लोक जो कि संस्कृत में हैं, बोल लेता है। 2 मिनट में 100 से अधिक राज्यों और देशों की राजधानियां बता देता है। 25 से ज्यादा स्वतंत्रतौ सेनानियों को फोटो देखकर पहचान लेता है। विशेष बात यह है कि रचित का पाठशाला शिक्षण शुरू होना बाकी है।

आरोही भट्टड़

नागपुर। कु. आरोही सुपुत्री अभिषेकजी भट्टड़ ने मात्र 8 वर्ष की आयु में खासदार क्रीड़ा महोत्सव में मलखंब प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता है।

इंसान को उसके पहनावे या उसके सरल जीवन ने मत तौलना

किसी को सिर्फ देखकर उसकी हस्ती को नही जान सकते क्योंकि हर इंसान का अपना अलग तरीका होता है जीवन जीने का कोई ज्यादा दिखावा करता हैं और कोई बिल्कुल भी अपनी दौलत का दिखावा नही करता। इसलिए किसी भी इंसान को उसके पहनावे या उसके सरल जीवन ने मत तौलना।

दान

आज कुछ अलग चर्चा करते हैं–

अभी कुछ ही दिनों पहले हमारे एक परिचित परिवार में माता पिता की अपने बच्चों से इतनी नाराजगी और गुस्सा दिखा कि उन्होंने अपनी सारी संपत्ति किसी संस्था को दान कर दी। एक और दंपत्ति ने अपने नौकर के नाम संपत्ति कर दी। जान कर बड़ा दुःख हुआ। अक्सर माता–पिता को अपने बच्चों से यह कहते सुना है कि या तो सुधर जाओ नहीं तो हम अपना पैसा किसी ट्रस्ट को या किसी सामाजिक संस्था को देकर चले जाएंगे।

मेरा कहना है कि ऐसा करना उचित नहीं है । हमारे बच्चे हमारे जीन्स से ही बने हैं और जैसे हमने संस्कार दिये हैं वे वैसे ही बने हैं । हां कुछ कमियाँ हो सकती है लेकिन वे हैं तो हमारी संतान। वे हमसे प्रेम भी करते हैं, मान भी देते हैं कभी कभी परिस्थिति अनुकूल नहीं भी हो सकती है, पर ऐसे किसी कदम से अनावश्यक रूप से उन्हें अपना दुश्मन मत बनाइए ।

अब बात करते हैं किसी संस्था की .....

संस्था दो चीज़ों से बनती है, एक उनका संविधान और दूसरे उसके कार्यकर्ता । आपने संविधान को देखकर, प्रभावित होकर संस्था के साथ जुड़ने का निर्णय कर लिया और अपनी सम्पत्ति भी दान करने का मन बना लिया। लेकिन आपने कभी दूसरी बात पर ध्यान नहीं दिया ..... कि संस्था के कार्यकर्ता कैसे हैं ? जिन कार्यकर्ताओं ने संस्था की स्थापना की है वे निःसंदेह श्रेष्ठ होंगे लेकिन दूसरी या तीसरी पीढ़ी उतनी ही श्रेष्ठ हो ये ज़रूरी नही .... वो घालमेल वाली बन चुकी होती है।

आप जिस भी नेक कार्य के लिये दान करते हैं वे भी कहीं ना कहीं दोषयुक्त होती ही है तो आपके बच्चों में भी कुछ दोष है तो आपको संस्था को वरीयता नहीं देनी चाहिये। बच्चों को वरीयता देंगे तो वे आपके प्रति प्रेममयी बने रहेंगे। आज संस्थाओं के हाल बहुत अलग है क्योंकि समाज का दृष्टिकोण बदल चुका है। थोड़ी मात्रा में दान करना हो तो सही है लेकिन सम्पूर्ण सम्पत्ति को दान करना मेरी दृष्टि से उचित नहीं है।

एक फिल्म थी – एक रुका हुआ फैसला.... बहुत पुरानी फिल्म थी, जूरी व्यवस्था पर आधारित थी। एक युवक पर हत्या का केस था, जूरी को अपना निर्णय देना था। समाज में प्रचलित धारणाओं के आधार पर सारे ही जूरी मेंबर्स आनन– फ़ानन में फैसला दे देते हैं लेकिन एक सदस्य कहता है कि यह किसी की ज़िन्दगी और मौत का सवाल है तो निर्णय सोच समझकर करें। एक– एक बिन्दु पर चर्चा होती है और अन्त में युवक निर्दोष सिद्ध होता है।

हम भी युवाओं के प्रति धारणा बनाने से पहले अपनी ओर नहीं देखते, हमारे बच्चे तो अच्छे हैं लेकिन बाकी के ठीक नहीं है । हमारे देश में दान की परम्परा है, अच्छे कार्य के लिये दान देना भी चाहिये लेकिन अपने बच्चे को सजा देकर दान देना..?

यह भी सच है कि कुछ बच्चे कुसूरवार हैं लेकिन कितने....? मुट्ठी भर बच्चों की सजा सारे समाज को कसूरवार ठहराकर नहीं दी जा सकती है ।

बहुत से संस्थान अच्छा काम भी करते हैं लेकिन सभी कुछ उनको देकर जाना बच्चों के साथ अन्याय जैसा लगता है । (हाँ किसी के पास बच्चे ही ना हों तो बात अलग है)

मैने एक विचार रखा है , हो सकता है आपकी राय अलग हो । आपके भी विचार आमंत्रित है जिससे एक सामाजिक समस्या को सही दिशा मिल सके।

मधु ललित बाहेती, कोटा

जिसका दिल साफ होता है उसे किसी वादे की जरूरत नहीं होती वह किसी का बिना स्वार्थ के साथ निभाता है और यदि किसी की नीयत साफ नही है तो वह लाख वादे क्यों ना कर ले फिर धोखा दे जाता हैं इसलिए साथ निभाने के लिए दिल का साफ होना जरूरी है।

उत्तरांचल

मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

75 वृक्ष लगा कर प्रदूषण दूर करने का छोटा सा प्रयास

कानपुर में 5 जून को 75 वे आजादी के अमृत महोत्सव में 75 वृक्ष लगा कर प्रदूषण दूर करने का छोटा सा प्रयास किया गया। पर्यावरण दिवस पर मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में कानपुर के एनआरआई सिटी में 25 पेड़ एवम रूमा में 50 वृक्ष लगाए गए।राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजु जी बांगड़ के सानिध्य में कार्यसमिति सुजाता राठी, प्रदेश अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल,सचिव सीमा झंवर, कोषाध्यक्ष नीलम मंत्री, प्रदेश प्रभारी संतोष बाहेती, प्रकल्प प्रमुख कमलेश राठी व जिला अध्यक्ष करुणा अटल उपस्थित थे।

अध्यक्ष: करुणा अटल ❊ सचिव : शालिनी करनानी

पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

पर्यावरण दिवस : वृक्ष की रक्षा जीवन की सुरक्षा

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर प्रदेश की 5 स्थानीय संगठनों– लखनऊ की ट्रांसगोमती माहेश्वरी महिला मंडल, लखनऊ माहेश्वरी महिला मंडल, वाराणसी की माहेश्वरी महिला संगठन, गोला गोकरणनाथ माहेश्वरी महिला मंडल, मिर्जापुर माहेश्वरी महिला मंडल, ने पर्यावरण की सुरक्षा हेतु पौधारोपण का कार्य सफलतापूर्वक किया।

पर्यावरण रक्षा – दुनिया की सुरक्षा, वृक्ष, पानी और शुद्ध हवा, जीवन जीने की अनमोल दवा, वृक्ष और स्वास्थ्य का सीधा नाता, वृक्ष की रक्षा जीवन की सुरक्षा इत्यादि स्लोगनों के पोस्टर लगाए गए मिर्जापुर की बहनों ने बच्चों को साथ लेकर पौधारोपण किया। कानपुर में मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 5 जून पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया।

महेश नवमी की पूर्व संध्या पर 7 जून मंगलवार को साय 5:00 बजे कानपुर के सरसैया घाट पर जरूरतमंदों को वस्त्र दान हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। हमारी संस्कृति में प्रेम को सबसे बड़ा धर्म बताया है तथा दान को सबसे बड़ा कर्म बताया है। तन मन धन से समस्त मानव जाति की जरूरतमंदों की आवश्यकतानुसार सहायता की गई और आज का भी यह कार्यक्रम सेवा परमो धर्मा की भावना को चरितार्थ कर रहा है। इसके लिए संगठन को बधाई देते हुए राष्ट्रीय महामंत्री मंजु बांगड़ ने अपने कर कमलों से तथा प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर के सानिध्य में 101 साड़ियों का जरूरत मंद बहनों को वितरण किया गया। । महेश नवमी के शुभ अवसर पर राहगीरो को शरबत वितरण एवं निर्जला एकादशी पर नींबू का शरबत वितरण किया।

भगवान महेश का जलाभिषेक, रूद्राभिषेक

वर्ष 2022 में पहलीबार लोगों ने खुलकर हर त्यौहार को हर्ष एवं उल्लास से मनाया। अक्षय तृतीया पर लोगों ने खुब दानधर्म का काम किया, गंगा सप्तमी को महिलाओ ने शाम को घाटो में माँ गंगा के नाम का दीप दान किया। महासभा के निर्देशानुसार इस बार महेश नवमी का त्यौहार बड़े ही धुमधाम से सभी स्थानीय संगठनों ने एवं प्रदेश के हर जिले में सुबह भगवान महेश का जलाभिषेक, रूद्राभिषेक एवं शाम को सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम हुआ, तत्पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के नेतृत्व में **''माँ तेरे रूप अनेक''** रंगारंग कार्यक्रम 5 जून को रात 8 बजे जूम पर आयोजित हुआ, इसमें प्रदेश को सासु माँ का रोल मिला जिसमें दादी सास, सास, बहू तीन पीढ़ी के नृत्य के माध्यम से दर्शाना था, नृत्य ने सभी का मनमोह लिया। साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 19 मई को हर सीट हॉट सीट में प्रदेश की तीन बहनो ने प्रतियोगिता जीती। श्रीमती अंजु लढ़ा वाराणसी श्रीमती रिचा राठी एवं श्रीमती प्राची माहेश्वरी गोला गोकरणनाथ की रही। इस समिति ने भी छठवाँ गोल्डेन बुक आफ अवार्ड जीता। बैशाख महीने में गोशाला में गायों के लिये चारा, भूसा, गुड़ चना, हरी घास इत्यादि के लिये 2100/– धनराशी दी गई। 5 जून को पर्यावरण की रक्षा – दुनिया की सुरक्षा वृक्ष पानी और शुद्ध हवा जीवन जीने की अनमोल दवा, वृक्ष और स्वास्थ्य का सीधा नाता, वृक्ष की रक्षा जीवन की सुरक्षा इत्यादि स्लोगन के पोस्टर लगाये गये। 21 जून को विश्व योगा दिवस पर सभी ने योगा करके अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। गंगा दशहरे पर घाटों पर गरीबों में खिचड़ी बांटी गई।

अध्यक्ष – ऊषा झंवर ❊ मंत्री – रंजना मुन्दड़ा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

पॉलीथिन हटाओ थैला अपनाओ अभियान के तहत सब्ज़ी वालों को कपड़े के थैले बांटे

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के अंतर्गत प्रादेशिक भ्रमण मीटिंग के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी हरकुट ने बहनों को संगठन की शक्ति का एहसास कराया, प्रदेश सचिव मोनिका महेश्वरी ने कार्यकर्ताओं के गुणों पर प्रकाश डाला। महेश नवमी पर अद्भुत एवं प्रासंगिक सीता स्वयंवर नाटिका का मंचन किया गया ।

ग्राम विकास समिति के अंतर्गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी संगठनों द्वारा कल्पवृक्ष, बेल पत्र, तुलसी, पीपल आदि के वृक्ष लगाये गए ।21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रादेशिक योग कार्यशाला का आयोजन कर बहनों को स्वास्थ्य हित कारी आसन सिखाए गए। पॉलीथिन हटाओ थैला अपनाओ अभियान के तहत सब्ज़ी वालों को कपड़े के थैले प्रदान किए गए।

स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसतावादी समिति के अंतर्गत अखिल भारतवर्षीय संगठन द्वारा आयोजित आरोग्यम कार्यशाला में 9 संगठनों के 447 सदस्य की जाँच करवा कर

डॉक्टर से समाधान प्राप्त किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 10 क्षय रोगियों को भावनात्मक में सामाजिक सहयोग हित गोद लिया गया व स्वास्थ्य जागरूकता अभियान कैम्प लगाया गया जिसमें 80 महिलाओं का भी BDM टेस्टिंग कराई गई। महिलाओं को रोज़गार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश के मेरठ संगठन द्वारा बनारसी साड़ियों की प्रदर्शनी लगाया गई।जिससे बहने लाभान्वित हुई।

बाल एवम किशोरी विकास समिति के अंतर्गत गीता परिवारद्वारा संचालित ई संस्कार वाटिका के लिए बच्चों को संस्कृति से रूबरू कराने के लिए वॉट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया है। प्रदेश में गठबंधन समिति के अंतर्गत बॉयोडाटा का आदान–प्रदान किया जा रहा है ।

BMM Sampark appgo प्रदेश की 12 संगठनों की 2250 परिवार जुड़े। राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगता हर सीट हॉट सीट में प्रदेश की श्रीमती रेणु जी माहेश्वरी प्रथम, राखी माहेश्वरी द्वितीय एवं एकल प्रश्न में श्रीमती चंचल जी माहेश्वरी, सारिका बाहेती विजेता रही व ध्वनि जी माहेश्वरी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किए । प्रदेश के सभी संगठनों में गणगौर का उत्सव पर सामूहिक उद्यापन, नृत्यनाटिका, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेश में महेश नवमी का पर्व सभी संगठनों द्वारा बहुत उत्साह के साथ मनाया गया ।इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, भंडारा, प्याऊ आदि आयोजित किए गए। प्रदेश में महेश नवमी व निर्जला एकादशी के अवसर पर संगठनों द्वारा सुंदर कांड,कीर्तन व राहगीरों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने के लिए प्याऊ, मीठे फलों का रस व शरबत वितरण किया गया है । प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा अलीगढ़,अतरौली संगठन का भ्रमण किया गया।मीरापुर संगठन द्वारा महेश नवमी के अवसर पर प्रदेश सचिव श्रीमती मोनिका माहेश्वरी का भव्य स्वागत किया गया ।

प्रादेशिक भ्रमण के दौरान कार्य समिति श्रीमती विनीता जी राठी ने ट्रस्ट द्वारा शिक्षा मे मिलने वाले सहायता की संपूर्ण जानकारी से बहनों को अवगत कराया।

प्र.अध्यक्ष –मंजु हरकुट ❊ प्र.सचिव–मोनिका माहेश्वरी

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

श्रीमद भागवत कथा महापुराण का आयोजन धूमधाम से संपन्न

जिसने भी किया, भागवत कथा का रसपान
हृदय में उसके उमड़ गया, ईश्वर भक्ति और ज्ञान
आप सबकी उपस्थिति ने, बढ़ाया हमारा सम्मान

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन श्री गयाजी धाम में पूर्वजों निमित्त किया गया कार्य बहुत ही सुंदर एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 30 मई को हवन पूर्णाहुति तथा भंडारे के साथ कथा को विराम दिया गया।

9 दिवसीय इस उत्सव में जूम माध्यम से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा के महासभापति श्रीमान श्याम जी सोनी, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजुजी बांगड़, राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा सादानी एवं सादानी भाई साहब की विशेष उपस्थिति रही। हमारी राष्ट्रीय सह प्रभारी उर्वशी जी साबु एवं राष्ट्रीय सह प्रभारी राजश्री जी, मधुजी बाहेती की उपस्थिति रही। श्रीमती पूनम राठी, सीमा मूंदड़ा, सरोज सारड़ा, नीता जाजू, मंजु सोमानी,आशा लड्ढा, रेखा राठी, मंजु भुराड़िया, जयश्री पेड़ीवाल,अनु सोमानी, रिंपी कोठारी, प्रज्ञा थीरानी, संध्या काबरा एवं सभी 23 संगठनों की बहनों ने जूम माध्यम से कथा में परिवार सहित जुड़कर हमारा उत्साह वर्धन किया। कथा में सभी का तन मन से बहुत सहयोग एवं योगदान रहा और इस पावन कथा को श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुमन जाजू ने कथा पंडाल एवं जूम प्रांगण में उपस्थित सभी श्रोताओ का तहे दिल से स्वागत किया। श्रीमती जाजू, बहादुरगढ़ ने बताया कि व्यास पीठ पर विराजमान श्री राधेश्याम जी शास्त्री, वृंदावन वाले द्वारा कथा के सातवें दिन श्री कृष्ण सुदामा प्रसंग पर कथा का व्याख्यान किया गया। सभी श्रोतागण श्री कृष्ण सुदामा की कथा सुनकर भाव विभोर हो गए और आंखों से आंसू बहने लगे। श्री विनोद झंवर एवं अरुण काबरा द्वारा श्री कृष्ण सुदामा का रोल अदा किया। कथा का डिजिटल माध्यम जूम प्रांगण द्वारा भी प्रसारण हुआ।

ड्राई फ्रूट्स से कान्हा का सिंहासन सजाने की प्रतियोगिता

प्रदेश में खाद्य पदार्थों और ड्राई फ्रूट्स से कान्हा का सिंहासन सजाने की प्रतियोगिता और वेस्ट सामान और खाद्य सामग्री से पूजा की थाली सजाओ ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई।एक्वागार्ड के साथ वाटर कूलर सरकारी स्कूल में लगवाया गया जिससे 250 लोग रोज ठंडा पानी पीकर लाभान्वित हो रहे हैं। गौ पूजन, बड़ अमावस्या को अक्षय वट की पूजा, हवन, भंडारा के साथ भागवत का समापन हुआ। प्रदेश में कौन बनेगी मणिकर्णिका प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।हर सीट हॉट सीट में प्रदेश द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया गया।ठंडे शरबत की छबील लगाई गई। प्रदेश को गोल्डन केटेगरी से नवाजा गया।

महेश नवमी पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम मां तेरे रूप अनेक मे प्रदेश पर्व समिति संयोजिका अनु सोमानी का विशेष योगदान रहा। सभी संगठनों में प्रभात फेरी,भंडारा, भगवान महेश का रुद्राभिषेक, सुंदरकांड पाठ, मीठे शरबत की छबील जगह जगह लगाई गई।दिव्यांग बच्चों को फल चॉकलेट बिस्कुट,जलजीरा वितरण किया गया।750 किलो तरबूज की छबील लगाई गई।भजन संध्या, शिव चालीसा पाठ और सामूहिक प्रसाद के साथ पर्व को धूमधाम से मनाया गया। **अध्यक्ष–सुमन जाजू ❊ सचिव–सीमा मूंदड़ा**

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

2 दिवसीय ''मयूरी अधिवेशन'' में क्रियात्मकता, सृजनात्मकता जमकर बरसी और प्रतिभाएँ निखरीं, मिला अवसर

मयूरी अधिवेशन, शनिवार 9 जुलाई – रविवार 10 जुलाई 2022

माननीय राष्ट्रीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में तेरा पंथ भवन, छत्तरपुर, दिल्ली में आयोजित सावन की फुहार से सजे 2 दिवसीय मयूरी अधिवेशन में सातों क्षेत्रों की क्रियात्मकता, सृजनात्मकता, रचनात्मकता जम कर बरसी और पूरे दिल्ली प्रदेश को शस्य श्यामल कर गई। भव्य उद्घाटन सत्र का शुभारंभ सुश्री महिमा मंत्री की महेश वंदना पर नृत्यांजलि से हुई।

नारी सशक्तीकरण के आह्वान के लिए संजोए मयूरी हाट का उद्घाटन माननीय अतिथि गण राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष आशाजी माहेश्वरी, राष्ट्रीय महामंत्राणी मंजु जी बांगड़, रा. उपाध्यक्ष ममता जी मोदानी, उद्योगपति श्री एस. एन. चांडकजी, रा. प्रभारी गण प्रेमाजी झांवर, शर्मिलाजी राठी, मंजूजी मांधना के कर कमलों से हुआ। विभिन्न शहरों से अनेक आकर्षक उत्पादों के साथ 20 स्टॉल्स सजे हुए थे।

प्रदेश अध्यक्ष श्यामा भांगडिया ने अध्यक्षीय स्वागत उद्बोधन से सभी पर गुलाब की वर्षा कर दी। सम्मानित

अतिथियों का स्वागत मोती की मालाओ, शंख से हुआ। सभी अतिथियों ने दिल्ली प्रदेश के प्रयासों को सराहा। आशाजी ने कोटा अधिवेशन की जानकारी दी और सभी को आमंत्रित किया। मंजूजी बांगड़ ने अपने सुन्दर अंदाज़ में काव्यात्मक भाषा में अपने उद्गार प्रस्तुत किए।

स्वाध्याय व आध्यात्म तथा ग्रामीण विकास समितियों के अंतर्गत आयोजित आओ देवा धोक प्रतियोगिता के माध्यम से ललित गायन से नृत्यांजली प्रस्तुत करी गई। प्रथम स्थान

पर दक्षिणी क्षेत्र, द्वितीय स्थान पर नोएडा क्षेत्र, तृतीय स्थान पर उत्तरी क्षेत्र रहे। प्रस्तुतियों के साथ सुंदर लाइव झांकियां थी मानो साक्षात देवी देवता विराज गए। संचालन नीरू लाहोटी एवम शालू सोनी ने किया। निर्णायक मंडल जया जी राखेचा,सरोज जी जैन मनीषा जी मूंधड़ा का परिचय दीप्ति बिरला ने दिया। बाल एवं किशोरी विकास तथा स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समितियों के अंतर्गत आयोजित ''लो पासा पलट गया'' वाद विवाद प्रतियोगिता में सोशल मीडिया के लाभ और नुकसान पर बड़ी ही सारगर्भित अभिव्यक्तियां थी। संचालन सपना कोठारी एवं श्री प्रिया थिरानी ने किया।

डॉ. स्नेह माहेश्वरी ने सुनीताजी रॉधड़, श्री नीरजजी मूंधड़ा का सुंदर परिचय दिया। पक्ष में प्रथम स्थान पर दक्षिणी क्षेत्र, द्वितीय स्थान पर उत्तर पश्चिमी क्षेत्र, तृतीय स्थान पर उत्तरी क्षेत्र रहे। विपक्ष में प्रथम स्थान पर पूर्वी क्षेत्र, द्वितीय स्थान पर पश्चिमी क्षेत्र, तृतीय स्थान पर दक्षिणी क्षेत्र रहे। सहयोगी बंधुओं का स्वागत आशाजी एवं मंजूजी ने सर्टिफिकेट्स देकर एवम उन्मुक्त सराहना से किया।

रात्रि में इश्क ए दिल्ली कव्वाली प्रतियोगिता आयोजित थी। दिल्ली की सैर कराने वाली एक से बढ़कर एक प्रतियोगिताएं थी। कव्वालियों से रूह खड़ी हो गई। परिवेश, परिधान, स्वरचित कव्वाली के बोल अविस्मरणीय रहेंगे।

आयोजन का संचालन मोनिकाजी दम्मानी एवम सरोज जी साबू ने किया। जजेस विमलजी गुणेचा, दीपिकाजी चालानी का परिचय सरोज साबू ने दिया। प्रथम स्थान पर पूर्वी क्षेत्र, द्वितीय स्थान पर दक्षिणी क्षेत्र, तृतीय स्थान पर पश्चिमी क्षेत्र रहे। द्वितीय दिवस प्रातः काल कंप्यूटर समिति के अंतर्गत जुंबा एवं विभिन्न गेम्स खिलाए गए। सभी ने मस्ती करी। मानो सूर्य किरणें सभी के चेहरों पर खेल रही थी।

विवाह सहयोग गठबंधन के अंतर्गत विवाह के विभिन्न रस्मों रिवाजों पर सभी क्षेत्रों द्वारा सुंदर गायन शुभ लग्न था। गणेश स्थापना से विदाई तक के मनभावन दृश्य थे। सुन्दर विदाई गीत आशाजी एवं मंजूजी ने गाए।

समापन सत्र के भव्य आयोजन में राष्ट्रीय अतिथियों आशाजी माहेश्वरी, मंजुजी बांगड़, रा. प्रभारी उषाजी मोहंता, रा. सह प्रभारी उर्वशीजी साबू, राजश्रीजी मोहता की उपस्थिति से सभागार जगमगा उठा। सभी के उद्बोधन मन को मोहने वाले थे। कौन बनेगी मणिकर्णिका संघर्षशील एवं विजयी सखियों के बीच टक्कर की प्रतियोगिता थी।

परिवार, समाज, देश में महत्वपूर्ण आर्थिक सहभागिता निभाने वाली शौर्यवान नारियों की प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार रहे:

प्रथम स्थान पर पश्चिमी क्षेत्र, द्वितीय स्थान पर दक्षिणी क्षेत्र, तृतीय स्थान पर नोएडा क्षेत्र रहे। संचालन उर्वशीजी साबू एवम पंकज लोहिया ने निराले अंदाज में किया। सर्व सम्मति से पश्चिमी क्षेत्र से प्रतिभावान मोनिका लड्ढा मणिकार्णिका चुनी गई।

जजेस सुनीता जी रांधड, उषाजी मोहंता एवम श्री नीरज जी मूंधड़ा का परिचय नेहा बागड़ी ने दिया। विभिन्न सामायिक प्रतियोगिताओ के विजेता इस प्रकार थे: **–आओ देवा धोक** प्रथम इसर गणगौर दक्षिणी क्षेत्र से वैशाली,कोमल, नीता, शिवांगी, शुभा, पूजा, निकिता, सुरभि, मेघा, द्वितीय करणी मां, नोएडा क्षेत्र से शालिनी, गार्गी, प्रियंका, जिज्ञासा, एकता, तृतीय सालासर बाबा उत्तरी क्षेत्र से उर्मिला, नमिता, शिखा. **लो पलट गया पासा**–पक्ष के विजेता प्रथम दक्षिणी क्षेत्र शुभ्रा माहेश्वरी द्वितीय उत्तर पश्चिमी क्षेत्र बरखा बियानी,तृतीय उत्तरी क्षेत्र कृष्णा राठी, विपक्ष के विजेतागण प्रथम पूर्वी क्षेत्र साक्षी बियानी, द्वितीय पश्चिमी क्षेत्र संस्कृति

पुंगलिया, तृतीय दक्षिणी क्षेत्र युग अक्षय थिरानी, इश्क ए दिल्ली स्वरचित गायन प्रतियोगिता प्रथम पूर्वी क्षेत्र शालू, मंजु, प्रिया,वंदना,सुमन,लक्ष्मी द्वितीय दक्षिणी क्षेत्र शोभा, श्रीप्रिया, कृष्णा, मधु, राजश्रीजी, तृतीय पश्चिमी क्षेत्र सुधा, पूजा, प्रीति, अंकिता, मोनिका, कविता, इश्क ए दिल्ली लेखन प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार हैं। प्रथम नोएडा जयश्री भंडारी, द्वितीय शालिनी सोनी, तृतीय दक्षिणी क्षेत्र राशि मोहता कौन बनेगी मणिकर्णिका प्रतियोगिता विजेता प्रथम पश्चिमी क्षेत्र मोनिका लड्ढा, द्वितीय दक्षिणी क्षेत्र सुभा पुंगलिया, तृतीय नोएडा क्षेत्र ज्योति सादानी, 2 दिवसीय मयूरी अधिवेशन का सुंदर संचालन सचिव प्रभा जाजू ने किया। धन्यवाद ज्ञापन लक्ष्मीजी बाहेती ने दिया।, सभी क्षेत्रों के अध्यक्ष, सचिव,समिति संयोजिकाओ एवम टीम का अथक परिश्रम रंग लाया और मयूरी को अभूतपूर्व एवं चिर स्मरणीय बना गया। सभी ने अपना कार्यभार बखूबी संभाला। स्वागत सुनीता मूंधड़ा, अंजु सोमानी, टेंट व डेकोरेशन कैलाश जी सारडा,अनिल जी सारडा, भोजन व्यवस्था आनंदजी जाजू, रामजी राठी, मंच व्यवस्था सरोज दम्मानी, पंकज लोहिया, सभागार एवम मयूरी हाट व्यवस्था सरिता सोनी, सुनीता झांवर एवम संगीता चांडक, आवास व्यवस्था शालिनी माहेश्वरी एवम कंप्यूटर टीम, सर्टिफिकेट्स एवम ट्रॉफी सरोज दम्मानी एवम वंदना समदानी, सांस्कृतिक प्रस्तुति एवम मेकअप व्यवस्था पंकज लोहिया, मधु मूंधड़ा, आय व्यय का ब्योरा लक्ष्मीजी बाहेती, फोन द्वारा निमंत्रण नीताजी माहेश्वरी, आशा जी जैथलिया, ममताजी बागड़ी, पूनमजी तोशनीवाल, उमाजी सोनी, स्टेशन पर अतिथि स्वागत लक्ष्मीजी बाहेती, सुनीताजी झांवर, 9 जुलाई का नाश्ता नोएडा क्षेत्र, प्रीतिभोज उत्तरी क्षेत्र, हाई टी पूर्वी क्षेत्र, रात्रि भोज द्वारका क्षेत्र , 10 जुलाई का नाश्ता उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र, प्रीतिभोज दक्षिणी क्षेत्र, हाई टी पश्चिमी क्षेत्र ने पूरे दायित्व के साथ संभाला।

आयोजनों में मारवाड़ी भाषा को खूब प्रोत्साहित किया गया। सभी अतिथियों एवं निर्णायक मंडल को सर्टिफिकेट्स दिए गए। आरामदेह आवास के साथ स्वादिष्ट भोजन की अत्युत्तम व्यवस्था थी। रा. महिला पत्रिका उपाध्यक्ष कांताजी गगरानी, हरियाणा पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुमनजी जाजू, सचिव सीमाजी मूंधड़ा की उपस्थिति शोभा बढ़ाती रही।

हमारी पूरी टीम को साधुवाद, धन्यवाद, आभार।

मयूरी के आह्लादित पंखों के साथ मुदित हो नृत्य किया।

अध्यक्ष–श्यामा भांगडिया * सचिव–प्रभा जाजू

सभी बीमारियों की विशेष दवाएं

दवाई केवल दवाई की बोतलें और गोलियां ही नहीं हैं। कुछ दवाएं ऐसी है जिनके उपयोग से बीमारी ही नहीं होती–

* कसरत– एक दवाई है
* सुबह की सैर – एक दवाई है
* व्रत रखना – एक दवाई है
* परिवार के साथ खाना – एक दवाई है
* हंसी–मजाक – एक दवाई है
* गहरी नींद – एक दवाई है
* हमेशा खुश रहना दवाई है
* योगा करना – दवाई है
* कुछ मामलों में चुप रहना और एकांत – एक दवाई है
* सबका सहयोग – एक दवाई है
* एक अच्छा दोस्त यकीनन – एक दवाई की दुकान है। इनका सेवन किजिए न पैसा खर्च होता है नहीं इसके कोई साइड इफेक्ट होते हैं

दक्षिणांचल

दक्षिणांचल अधिवेशन ''शिवानंद योग'' सफलतापूर्वक सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अष्टम् कार्यसमिति बैठक एवं दक्षिणाचंल अधिवेशन शिवानंद योग दि. 2 व 3 जुलाई को प्रमुख ज्योतिर्लिंग एवं भगवान शिव की पवित्र नगरी रामेश्वरम् में सफलतापूर्वक संपन्न हुवा।

अध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति के अंतर्गत 250 भाई–बहनोंकी उपस्थिति में धार्मिकता के सही मायने एवं श्रद्धा भक्तिभावों के साथ विविधतापूर्ण रहा । प्रशंसनीय रहा। 2 जुलाई सबेरे 10.30 से राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक की शुरूवात हुई । जिसमें राष्ट्रीय वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा पूर्व गतिविधियों के साथ भावी प्रकल्पों की जानकारी प्रेषित की गई। प्रदेशों के कार्य मूल्यांकन को कैटगरी के साथ घोषित किया गया।

उद्घाटन सत्र में गेट पर दक्षिणांचल के पाँचों प्रदेशों की प्रादेशिक परिवेश में 5 बहनों ने कुंकुम इत्तर से सभी का स्वागत किया । अतिथि स्वागत स्वरूप मेनगेट से मंच तक महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा लेझिम तामिलनाडू द्वारा मयूर नृत्य तथा पाँचो प्रदेशों के पदाधिकारी बहनोंद्वारा अपने अपने प्रदेश की भाषा में स्वागतगीत के साथ नृत्य एवं भावभंगिमा से ओतप्रोत स्वागतीय प्रेझेंटेशन ने सभागृह का मन मोह लिया।

तामिलनाडू द्वारा गणेशवंदना व महेश वंदना नृत्य तथा स्वागतगीत पेश किया गया । अतिथि रूप में उद्घाटिका आशाजी माहेश्वरी, श्रीमान राजेश कृष्ण जी बिरला, प्रमुख वक्ता: अशोकजी बंग, विमलाजी दम्माणी, मंजुजी बांगड, लताजी लाहोटी, ज्योतिजी राठी, शैलाजी कलंत्री ने मंच को सुशोभित किया एवं सभी के सारगर्भित उद्बोधन से सभागृह लाभान्वित हुवा।

रा. दक्षिणांचल पू.उपा. शकुंतलाजी मोहता को दक्षिणांचल गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया । राष्ट्रीय वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावतीजी जाजू ने सभी का शाब्दिक आभार माना। स्वागताध्यक्ष सौ. शकुंतलाजी मोहता ने अपने मनोभाव व्यक्त किये। अध्यात्म समिति प्रभारी अरुणा लढ़ा ने प्रस्तावना पेश की। धन्यवाद ज्ञापन किया। संयुक्त मंत्री पुष्पा तोषनीवाल ने अध्यात्म समिति प्रभारी द. सरिता तापड़िया ने शकुंतला मोहता का सम्मान–पत्र का वाचन किया।

महाकालदर्शन शिवचरित्र कार्यक्रम के – उद्घाटन समय में आंध्र प्रदेशद्वारा मनमोहक महेशवंदना नृत्य एवं मुंबई प्रदेशद्वारा शिवस्तोत्र प्रस्तुत हुवा । कार्यक्रम में अतिथि श्रीमती श्यामा हेडा, मुंबई व श्रीमती सरोज तोष्णीवाल, महाराष्ट्र – किसी विशेष कारण की वजह से अनुपस्थित रही। अतिथिद्वय राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा : ज्योति राठी एवं संगठनमंत्री शैला कलंत्री ने मार्गदर्शन किया।

शिवचरित्र में माहेश्वरी समाज उत्पत्ति की कथा को लेकर– पार्वतीजी की तपस्या, रामेश्वरम् में रामजी द्वारा शिवस्थापना, शिवपार्वती विवाह नटराज शिव दर्शन इस तरह कई विषयों पर अनुपम प्रस्तुतियों द्वारा शिव के ही दरबार में शिवचरित्र दर्शाने का पांचों प्रदेशों ने भरकस प्रयास किया । दक्षिणांचल स्तरपर भक्त और भगवान तथा सामाजिक, चिंतन–मनन वत्कृत्व स्पर्धा का अनुठा आयोजन हुवा। पाँचो प्रदेशों के कार्यदक्ष कार्यकर्ता टीम एवं विविध आयामी प्रतिभाओं के आविष्कारने जनमानस को झंझोडकर रख दिया । आध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति प्रमुख उषाजी करवा ने वर्तमान में आध्यात्म का स्वरूप इस विषय पर उद्बोधन दिया।

प्रादेशिक लोकनृत्य के तहत महाराष्ट्र द्वारा वर्तमान चर्चित पंढरपूर की वारी एवं आंध्र प्रदेशद्वारा बदकम्मा यह देवी भक्तिस्वरूप उत्सव का सादरीकरण हुआ जो सभी के मन को अविभूत कर गया।

समापन समारोह अतिथि मंजुजी बांगड, उषाजी करवा, गोविंदजी चांडक, सेलम – मधुजी चांडक, चेन्नई, संगीताजी बिहाणी – महाराष्ट्र ने अपने उद्बोधन में संपूर्ण आयोजन एवं दक्षिणांचल टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की । मुख अतिथि माँ रत्नीदेवीजी काबरा स्वास्थ्य ठीक ना रहने से अनुपस्थित रही, पर उनका वरदहस्त एवं शुभकामनाएँ हमारे साथ थी– अतिथि श्रीमती कलावतीजी लोया, आंध्र प्रदेश ने भी अपनी सद्भावनाएँ प्रेषित की थी। अंत में पाँचों प्रदेशों की कार्यकर्ता टीम, कलाकारों एवं तामिलनाडू युवा कार्यकर्ताओं का महामंत्री मंजुजी बांगड़ ने सम्मान किया। धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ शिवानंद योग कार्यक्रम का पूर्ण विराम हुवा ।

दक्षिणांचल उपाध्यक्ष–कलावती जाजू

दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री–सौ. पुष्पा तोषनीवाल

अ.भा. माहे.महिला संगठन की अष्टम कार्यसमिति बैठक

एवं दक्षिणचाल अधिवेशन शिवानंद योग की झलकियाँ

मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''मेरा अपना इंद्रधनुष'', बचकर रहो साइबर क्राइम से

मेरा अपना इंद्रधनुष, बचकर रहो साइबर क्राइम से प्रादेशिक अधिवेशन 9,10 मई 2022 झूम सभागृह में संपन्न हुआ।

प्रथम दिवस व्यक्तित्व विकास समिति व अध्यात्म समिति के कार्यक्रम लिए गए। उद्घाटनकर्ता मुख्य अतिथि श्रीमती आशाजी माहेश्वरी द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती नम्रताजी बियानी, श्रीमती उषाजी करवा, सम्मानीय अतिथि श्रीमती कलावतीजी जाजू, मां रत्नीदेवी काबरा, मुख्य वक्ता श्रीमती सुनीता जी मालपानी, श्रीमती रेणुका मारू, कुमारी मोहिनी मारू की उपस्थिति रही। आशाजी माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में बहुत ही सारगर्भित बातें बताई कि कोई भी व्यक्ति आपके पास जब आता है या तो वह अभाव में होता है, या आप से प्रभावित होता है, या आपसे भाव से मिलता है। हर इंसान तन मन धन तो दे देता है लेकिन समय दान देना मुश्किल होता है।

व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत मुख्य वक्ता श्रीमती सुनीताजी मालपानी ने ''मेरा अपना इंद्रधनुष'' विषय पर बताया की जीवन में भी इंद्रधनुष की तरह अनेक रंगों का समावेश होना चाहिए। अध्यात्म समिति के अंतर्गत विष्णु सहस्रनाम पाठ श्रीमती रेणुका मारू व कुमारी मोहिनी मारू द्वारा शुद्ध संस्कृत मधुर स्वरों में पाठ का पठन किया।

दूसरे दिन कंप्यूटर समिति व पर्व सांस्कृतिक समिति के कार्यक्रम लिए गए। मुख्य अतिथि श्रीमती मंजुजी बांगड, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंजु जी कोठारी, श्रीमती ममता जी मोदानी, सम्मानीय अतिथि श्रीमती पुष्पाजी तोषनीवाल, श्रीमती चंदाजी काबरा की उपस्थिति रही। श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने अपने उद्बोधन में संगठन की जानकारियों से अवगत करवाया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया। श्रीमती ममता जी मोदानी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा अति आवश्यक बन गई है। कंप्यूटर समिति के अंतर्गत साइबर क्राइम वर्तमान समय में बहुत हो रहा है। ऑनलाइन ज्ञान ना होने से बड़े-बड़े नुकसान हो जाते हैं। इस समस्या से बचने के लिए हमें क्या-क्या सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे हम लोग नुकसान से बच सकते हैं, यही सब बातें विस्तार से बताइ श्रीमती विदुषी जी डागा ने जो कि हमें सुरक्षित रहने के लिए बहुत ही उपयोगी होगी।

पर्व व सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत गणगौर, तीज के गीतों पर वीडियो द्वारा नृत्य प्रस्तुत किए। श्रीमती मंजुजी कोठारी ने पर्व का हमारे जीवन में बहुत ही महत्व है। जिससे मन में उत्साह व उमंग जीवन में आती है। 5 जून राष्ट्रीय महेश नवमी उत्सव जूम सभागृह में मनाया गया । मां तेरे रूप अनेक थीम पर कार्यक्रम रखा गया। जिसमें प्रदेश की बहनों ने भी वीर योद्धाओं वाली प्रस्तुति दी। प्रदेश में भी 5 जून को महेश नवमी उत्सव मनाया गया जिसमें नृत्य नाटिका द्वारा शिव महिमा समाज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई। साहित्य समिति के अंतर्गत हर सीट हॉट सीट में प्रदेश से द्वितीय स्थान स्नेहा कोठारी को एवं सांत्वना चतुर्थ पुरस्कार मंजुजी माहेश्वरी, एकल प्रश्न तीन ग्रुप विजेता श्रीमती अलकाजी धूत रही। ग्राम विकास समिति के अंतर्गत बीएमसी के स्कूलों में रेनकोट, छतरी व नोटबुक आदि बच्चों में वितरित की गई।

अध्यक्षा-सुलोचना बल्दुआ ❊ मंत्राणी-अनीता माहेश्वरी

तेलंगाना आन्ध्र प्रादेशिकमाहेश्वरी महिला संगठन

अर्थ डे पर जंक मेल को डिलिट करने से बिजली की बचत

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति (गुरुकुल) – रमेशजी परतानी द्वारा पेंटिग पर व्याख्यान, प्रतिकूल परिस्थिति को कैसे अनुकूल बनाए, षोडश संस्कारों का महत्व तथा हिन्दू धर्म के बारे में बताकर हिन्दुत्व का अर्थ सरलता से समझाया । मंचरियाल में केनवस पेंटिंग, लिपोन मिरर वर्क, बोटल आर्ट, ग्लीटर एवं हेंगिक का प्रशिक्षण दिया गया।

ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति – अर्थ डे पर जंक मेल को डिलिट करने से बिजली की बचत तथा पृथ्वी को प्रदूषित रहित कैसे बनाया जा सकता है इस पर कमलजी गिलडा द्वारा व्याख्यान रखा गया । पर्यावरण दिवस पर गिलोय, ग्वारपाटा, कडीपत्ता वृक्ष रोपण, निर्जला ग्यारस पर छांछ, मीठी लस्सी, पानी का वितरण ।

स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्र द्वारा संचालित विश्व स्वास्थ्य सप्ताह के अंतरगत पूरे प्रदेश से 1200 लोगों न पायरो केयर द्वारा ब्लड टेस्टींग करा कर गिनिस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में प्रदेश की उपस्थिति दर्ज कराई तथा 15 जून को आगामी अंतराष्ट्रीय योग दिवश के अवसर पर नौं के साथ रेली का आयोजन किया गया।

महिला अधिकार सुरक्षा एवं सशक्तिकरणसमिति – नारी शक्ति तथा सशक्त नारी सशक्तिकरण समाज पर उच्च विचार तथा भावनाओं से पूर्ण नाटिका की प्रस्तुति मेधावी बालिकाओं का सम्मान किया गया।

सामाजिक चिन्तन मनन – क्षणिकाएं प्रतियोगिता में प्रदेश से 5 प्रविष्टिया भेजी गई। हर सीट हाट सीट प्रतियोगिता में मंजी जी राठी को द्वितीय सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ । षष्ठम प्रतियोगिता रेखा चित्र का प्रचार प्रसार शुरु हो गया है।

पर्व एवं सांस्कृतिक समिति गणगोर पर सामुहिक उद्यापन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन । माँ तेरे रुप अनेक में गऊ माता पर प्रदेश से प्रस्तुति स्वजातिय पर्व महेशनवमी के उपलक्ष में प्रदेश के हर जिले एवं स्थानीय संगठनो द्वारा भव्य आयोजन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये । हैदराबाद में प्रादेशिक सभा, महिला संगठन एवं जिला सभा द्वारा भगवान की भव्य शोभा यात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में महासभा अध्यक्ष श्रीमान श्यामजी सोनी मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में अलग–अलग विभाग मे पारंगत लोगों का सम्मान किया गया।

स्वाध्याय एवं आध्यात्म समिति – राजमुंद्री में नानीबाई के मायरे का भव्य आयोजन जिसमे द. उपाध्यक्षा श्रीमती कलावती जी जाजू, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जी साबू एवं रजनी जी राठी को विशेष आमंत्रित किया गया।

स्थायी प्रकल्प अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट के महिला पत्रिका के 4 नए सदस्य बनाए गए।

प्र.अध्यक्ष–उर्मिला साबू ❊ प्र.सचिव–रजनी राठी

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

शिवशक्ति जहां एकाकार, वहीं है आदर्श परिवार

महाराष्ट्र प्रदेश एवं अध्यात्म समिती द्वारा उपरोक्त व्याख्यान मा. कुमदिनी भार्गव ने दिया। आ. अशोकजी बंग व अरूणाजी लड्ढा विशेष अतिथि थे। शिव और शक्ति एक दूजे के पूरक हैं। आज की वर्तमान समस्या, नारी की स्थिति, उसकी बहुआयामी भूमिका इन बातों पर आपने विस्तृत मार्गदर्शन किया। स्त्री संबल हुई तो परिवार को आनंदमय बनाती है। स्त्री–पुरूष समानता केवल कपड़ों तक ही सीमित न रहे। एक दूजे का सम्मान करते हुए समाज तथा राष्ट्र के लिए भी यथासंभव कार्य करना चाहिए। अशोकजी बंग ने भी अपने वक्तव्य में कुछ ऐसे ही विचार रखे। दोनों वक्ताओं ने समस्त

श्रोताओं को प्रभावित किया। इन व्याख्यानों के साथ महेश नवमी के उपलक्ष में संस्कृत शिव स्तवन गायन प्रतियोगिता भी ली गई। सभी जिलों ने सहभाग लिया। सात गायिकाओं को प्रस्तुति का मौका मिला। भक्तिमय वातावरण में पुरस्कार घोषित किए गए। कुल 229 लोगों की उपस्थिति थी।

सृष्टि के ऋण को अभिवादन करते हुए संकल्प लिया वृक्षारोपण का। एक परिवार, एक वृक्षरोपण व संवर्धन हेतू सबको प्रेरित किया। सभी जिलों ने आम, बरगद, इमली, पीपल के पेड़ लगाए। 28000 पौधों का वितरण रचनाजी मालपानी ने किया। सभी जिलों ने पर्यावरण दिन मनाया। किशोरी विकास के लिए 16 मई से 25 मई तक अलग–अलग विषयों पर लोगों द्वारा वेबिनार संपन्न हुआ। यह वेबिनार महाराष्ट्र प्रदेश व जलगाँव जिले ने संयुक्त रूप से लिया। इसमें रोज 500 तककी उपस्थिति रहती थी।

विवाह समिती अंतर्गत 2 संबंध निश्चित हुए तथा 6 कन्याओं को शादी का सामान दिया। ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा एवं व्यवसाय के लिए 8 लोगों को मदद दी।

8 जून को महेश नवमी का हमारा उत्पत्ती दिन हर गाव में धूमधाम से मनाया गया। सभी जगह अभिषेक गोशाला में चारा दान एवं गो पूजन, सामूहिक प्रसाद, आरती, शोभायात्रा के साथ कई जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न हुए।

जिसमें भजन स्पर्धा, खेल प्रतियोगिता, उत्पत्ति दिन, रामायण तथा महाभारत पर कई नाटिकाएं प्रस्तुत की, जिसके कारण बच्चों को अपनी संस्कृति तथा उत्पत्ति दिवस के बारे में अच्छे से मालूमात मिली। इस बार लोगों का उत्साह चरम सीमा पर था। उत्पत्ति दिन त्यौहार स्वरूप मनाया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती शैलाजी कलंत्री का जलगाँव जिले में महेश नवमी के दिन 6 गावों में भ्रमण हुआ। उन्होंने समर्पण पखवाड़ा, समर्पण राशि – BMMS संपर्क ॲप, इच वन टीच वन, ट्रस्टों की मालूमात एवं सभी के मन में उलझे हुए प्रश्नों को शांति से समझाया, उनको समझाकर बहुत ही सरल ढंग से बताया। छोटे गांव के लोग बहुतही खुश हुए।

अध्यक्षा अनुसया ने कर्नाटक, गोवा प्रदेश में जाकर उन्हें अपने विचारों से अवगत कराया। 5 जून को रेखाचित्र लेखन कैसे करें इसकी कार्यशाला साहित्य समिति द्वारा ली गई। 21 जून को योग दिवस पूरे प्रदेश में मनाया गया। स्वास्थ के प्रति सबको जागृत किया। कई किशोरी एवं बाल विकास समिती द्वार कई स्कूल में योग शिबीर रखें गए। लेक्चर व प्रात्यक्षिकों द्वारा योग का महत्व समझाया गया। अब सभी जुलाई में होने वाली दक्षिणांचल अधिवेशन तथा शिवानंद योग की तैयारी में जुटे है।

अनुसया मालू, सुनिता पलोड, ज्योतस्ना लाहोटी, शांतीजी मुंदडा

भाग्य के दरवाजे

भाग्य के दरवाजे पर सर पीटने से बेहतर है कर्मों का तूफ़ान पैदा करे। सारे दरवाजे खुल जायेंगे.! परिस्थितिया जब विपरीत होती है,तब प्रभाव और पैसा नहीं स्वभाव और सम्बंध काम आते है। संभाल कर रखी हुई चीज और ध्यान से सुनी हुई बात,कभी न कभी काम आ ही जाती है। परायों को अपना बनाना सबसे आसान काम है ! पर..अपनों को अपना बनाये रखना सबसे मुश्किल काम है।

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

घर परिवार में सुख समृद्धि... आपसी रिश्ते में कैसे निखार लायें

कार्यकारिणी की बैठक के अंतर्गत दाड़ेली में श्रीमती अनुसूइया मालू द्वारा ज्योतिषी शास्त्र व वास्तु शास्त्र द्वारा परिवार में सुख समृद्धि कैसे लायें पर व्याख्यान रखा गया।

महेश नवमी के निमित्त गौशाला में गाय को चारा और पानी की व्यवस्था की गई। कर्नाटक में जगह-जगह जल व्यवस्था की गई। हरियाली बचाने हेतु नृत्य द्वारा संदेश दिया गया। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कर्नाटक के बहुत से जिलों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 284 सदस्यों ने जांच करवाई। शिविर में जलपान व्यवस्था रखी गई। 21 जून योग डे के निमित्त योग भगाये रोग संदेश को सार्थक करते हुए श्रीमती मालू का सम्मान किया गया।

कर्नाटक प्रांतीय अधिवेशन में शंखनाद करते हुए बेलगांव महिला मंडल द्वारा सुन्दर संदेशात्मक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। दुल्हन परिधान में कैटवाक द्वारा सशक्त नारी की पहचान सराहनीय रही।

संस्कार वाटिका में 395 बच्चों ने इसका लाभ लिया। चैत्र नवरात्रि में कन्या पूजन का सफल आयोजन रहा। विवाह योग्य युवक-युवती के बायोडाटा का आदान-प्रदान करके संबंध करवाने के लिए सभी प्रांत हमेशा तत्पर रहते हैं।

आज के युग में कम्प्यूटर नेटवर्क तकनीक उपयोगी है। इसे नाट्य रूप में प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। विजेता बहनों को बधाई संदेश प्रेषित किये जाते हैं।

शाहाबाद में रंगपंचमी उत्सव, पानी बचाओ, फूलों की होली खेलने की सुन्दर प्रस्तुति दी। गणगौर पर्व पर अलग-अलग प्रांत ने अलग-अलग तरह से सुहाग का प्रतीक गणगौर पर्व मनाया व सामूहिक उद्यापन किया गया।

महिला मंडलों द्वारा महिला दिवस मनाया गया। महेश नवमी हमारा उत्पत्ति दिवस को कर्नाटक में भजन, भोजन, आध्यात्मिक आयोजन के साथ मनाया गया। मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। उद्घाटन सत्र में संत पुष्पा आयोजित कर भारत वर्ष के सभी त्योहारों का महत्व नृत्य नाटिका द्वारा बगलकोट की महिलाओं ने प्रेषित किया। कर्नाटक-गोवा प्रांतीय अधिवेशन में बारिश व प्रकृति के हरे-भरे मौसम में सुन्दर कार्यक्रम का संयोजन 95 बहनों के साथ सम्पन्न हुआ। सचिव द्वारा संस्था रिपोर्ट भी बहुत ही सुन्दरतम शब्दों के साथ दी गई। धन्यवाद ज्ञापन बहुत ही सराहनीय रहा।

अध्यक्ष -पुष्पा गिलड़ा ❊ सचिव-सरिता सारड़ा

अपना रास्ता खुद बनाओ

अगर सफलता प्राप्त करनी है तो अपना रास्ता खुद बनाओ। अपने बनाए रास्ते पर आपको सफलता मिलने से कोई नही रोक सकता। जबकि भीड़ के साथ चलना कोई मुश्किल नही होता लेकिन भीड़ मे चलने से इंसान अपनी ताकत को भी भूल जाता है उसे अपनी ताकत पर भरोसा नही रहता और हमेशा सफलता के लिए भटकता रहता है।

माहेश्वरी महिला मंडल बैंगलुरु ने आयोजित किया एक दिवसीय आनंद मेला उत्तम

बैंगलुरु शहर के माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा शनिवार 16 जुलाई को माहेश्वरी भवन में आनंद मेला उत्तम 2022 का आयोजन किया गया। भगवान उमा महेश की पूजा कर दीप प्रज्वलन मेले की उद्घाटनकर्ता श्रीमती रश्मि जी डागा (CEO Founder of Fresh menu) महिला मंडल की अध्यक्ष कान्ताजी काबरा ,श्रीमान दीपकजी साबू , श्रीमान बिमलजी लोहिया, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्रीमान निर्मलजी तापडिया, युवा संग के अध्यक्ष श्रीमान अरविंदजी लोहिया, माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के श्रीमान मोहनजी माहेश्वरी, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष सुरेशजी लखोटिया, सेवा ट्रस्ट के श्रीमान प्रहलादजी आगीवाल, सलाहकार सदसय श्रीमती प्रकाशजी मूँदड़ा एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य श्रीमान नन्दकिशोरजी मालू ने किया रश्मीजी डागा ने अपने उद्बोधन में महिलाओं को प्रेरणा देते हुए अपने करियर की उड़ान के बारे मे बताते हुए कहा कि जीवन मे आगे बढ़ने मे पढ़ाई बहुत ज़रूरी है। काम कोई छोटा या बड़ा नहीं होता बस लगन होनी चाहिए और स्वयं पर भरोसा रखना चहिए। मानव सेवा के लिए राशि जुटाने के उद्देश्य से लगाए गए इस मेले में 63 स्टॉल थे महिला मंडल की सचिव श्रीमती विजयलक्ष्मी सारड़ा ने कहा कि मानवीय सेवा के लिए आयोजित इस मेले का आयोजन बहुत ही सुव्यवस्थित ढंग से किया गया।10 स्टॉल सोने, चाँदी व हीरे के आभूषणों के एवं फ़ैन्सी आभूषण के रहे। 20 स्टॉल साड़ी, बेडशीट, बेड्कवर, सलवार सूट के रहे। खाद्य सामग्री घर सजावट का समान, हस्तनिर्मित साबुन, मोमबत्ती, राखियाँ एवं कई होम मेड सामान के स्टॉल लगाए गए। बैंगलुरु से बाहर के शहरो से भी महिलाओं ने आकर स्टॉल लगाए।होमीयोपैथिक व डियटिशियन के स्टॉल भी रहे। मनोरंजक गेम्स के व चटपटे व्यंजनों के स्टाल भी लगाए गए जहाँ बच्चों और महिलाओं ने खूब आनंद उठाया। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्येक घंटे मे आगंतुकों को सर्प्राइज़ ड्रा निकाला गया। शाम को बम्पर लकी ड्रॉ निकाला गया जिसमें स्मार्ट टी.वी.,फ्रीज जैसे अनेकों समान विजेताओं को दिए गए। सभी महिलाओं ने इसे सराहा एवं कहा कि एसे आयोजन होते रहना चाहिए जहां हम अपने घरेलू उत्पाद को दिखा सकते है। मेले में प्लास्टिक फ्री अभियान ने जगाई जागरूकता, circular west solution स्वयं सेवी साहारा संस्था ने नम्मा फ़ेसिलिटी व जी आई जेड के सहयोग से प्लास्टिक फ्री पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाई। संस्था के लोगों ने पुरानी बेडशीट व कपड़ों से बेग व थैले सिलकर लोगों को उनके उपयोग के लिए प्रेरित किया। संस्था व मंडल का यह प्रयास लोगों ने खूब सराहा। संचालन श्रीमती सुनिता लाहोटी, श्रीमती अनुश्री मालु, श्रीमती रीतू चितलांग्या ने किया एवं श्रीमती नीराजी लड्ढा, श्रीमती कल्पना बाहेती ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मध्यांचल

पश्चिमी मध्यप्रदेश में किया वृहद पौधारोपण, वृहद रक्तदान शिविर एवं पेरेंटिंग कार्यशाला का आयोजन

दृढ़ इच्छाशक्ति एवं परिश्रमी स्वभाव की प्रदेश की जया माहेश्वरी ने 22 गाँव में सामान्यजन को प्रोत्साहित कर ''रक्तदान शिविर'' आयोजन । 12 घंटे में 254 युनिट रक्त संग्रहण करने पर शहीद दिवस पर golden book में अपना नाम दर्ज। साहित्य संगम संस्थान दिल्ली द्वारा आयोजित नशा मुक्ति अभियान पर काव्य पाठ एवं उत्कृष्ट लेखन के लिए प्रदेश की कुशाग्र लेखिका अयोध्या जी चौधरी, मनीषा जी राठी एवं भारती जी माहेश्वरी को सजग सिपाही से अलंकृत।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेश संगठन के आह्वान पर सभी जिलों में आक्सीजन उत्सर्जित 2730 पौधो का वृहद पौधारोपण। सेवा सप्ताह के अंतर्गत गौशाला में अनेक आयोजन। प्रदेश के 9 जिलों के 12 क्षेत्रों में थायरोकेयर के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 987 भाई– बहनों ने लाभ लिया एवं इन्हें निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श, एवं जाँचो पर रियायत। रक्तदान शिविर में पूरे प्रदेश में 289 युनिट रक्त संग्रहण,नेत्र, कैंसर हीमोग्लोबिन, शुगर, दंत परीक्षण शिविर आयोजित। धार ज़िले के टांडा ग्राम में सिंगर सिलाई सेंटर में ज़रूरतमंद बहनों को प्रशिक्षण।अब तक 19 बहनें लाभान्वित।

पुणे की लोक कला संस्थान प्रतियोगिता में देवासकी हिमांशी परवाल सिंथेसाइज़र पर महेश वंदना, वेदिका लाठी– तबला वादन,उज्जैन की आरना मूँदड़ा – कत्थक में प्रथम एवं वैष्णवी तृतीय। योग दिवस पर प्रदेश के सभी जिलों के गाँव गाँव तक योग। बच्चों की याददाश्त व सीखने की क्षमता को विकसित करने हेतु एक वर्चुअल वर्कशाप माइंड मेपिंग का आयोजन 130 बालकों एवं अभिभावकों की उपस्थिति।

राष्ट्रीय साहित्य प्रतियोगिता हर सीट हाट सीट में प्रदेश की मनीषा राठी को मध्यांचल में प्रथम स्थान।प्रदेश गौरवान्वित – साथ ही गरिमा आगीवाल को प्रथम सांत्वना एवं एकल प्रश्न ग्रुप में चंद्रा मूँदडा भी विजेता।

सभापति श्री श्याम जी सोनी के इंदौर आगमन पर प्रदेश की बहनों की चाय पर चर्चा कार्यक्रम में महासभा की गतिविधियों व आगामी आयोजन पर महासभा के महामंत्री के साथ विशेष भागीदारी।

अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम,आंगनवाडियों में प्रदेश मंत्री द्वारा बेटी, दोयती का जन्मदिन मना 180 बच्चों को उपहार, खाद्य सामग्री,गरीब बस्तियों में आर्थिक सहायता,रोटी बैंक में 200 बुज़ुर्गों को सहायता।

प्रदेश अध्यक्ष वीणा जी सोमानी द्वारा रामानुजकोट मंदिर के बाहर प्याऊ प्रबंध। इंदौर, देवास, उज्जैन, धार बुरहानपुर में स्वास्थ्य शिविर, प्रबोधन का आयोजन। राष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजन माँ तेरे रुप अनेक में अलिराजपुर ज़िले की यशोदा का दुलार पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति। महेश नवमी पर्व पर सभी16 ज़िलों में विभिन्न आयु वर्गों के समाज जनों के लिए बौद्धिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक प्रतियोगिताओं एवं सेवा सप्ताह तथा समाजिक विषयों पर चिंतन,लघु नाटिकाएँ, वाद– विवाद आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत।रंगोलीअभिषेक, पूजन, वंदन, भव्य चल समारोह, शाम को दीपमाला के साथ सामूहिक भोज का आयोजन। इस अवसर पर श्री रमेश जी परतानी का इफेक्टीव पेरेन्टिंग में माता पिता की भूमिका विषय पर प्रेरणादायक उद्बोधन।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा महेश नवमी पर आगर जिला भ्रमण के अवसर पर सभी ज़िला सदस्यों के साथ चर्चा । नागोरिया पीठाधीश्वर पूज्य श्री प्रपन्नाचार्य जी के श्री मुख से समाज और संगठन बने मज़बूत, हम बनें संस्कारवानपर व्याख्यान।विशेष उपस्थिति श्री राजेश जी बिरला उपसभापति जी एवं श्रीमती सुशीला जी काबरा। धार जिले के ग्राम काछीबड़ोदा में नवीन महिला संगठन का गठन। एबीएमएम रिलीफ़ फंड में प्रदेश के सभी ज़िलों द्वारा सदस्यों के सहयोग से एकत्रित 125000/– रु की राशी भेजी गई ।

प्र.अध्यक्ष–वीणा सोमानी ※ प्र.सचिव–उषा सोडानी

पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

रक्तदान शिविर का आयोजन

इस बार मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक महिला संगठन ने कोरोना काल के पश्चात लगभग 2 वर्ष बाद अपने प्रादेशिक सम्मेलन के आयोजन से फिर से समाज सेवा का नया इतिहास रचा। इसमें संगठन का लक्ष्य परिवार के प्रति समर्पित गृहणियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना था और संगठन ने इस सम्मेलन में अपने आयोजन श्रीमती अलंकृता द्वारा न सिर्फ उन्हें मंच प्रदान किया बल्कि सम्मानित कर प्रोत्साहित भी किया।

प्रादेशिक सम्मेलन समागम 2022 का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अनीता जी एवं सचिव रंजना जी के नेतृत्व में किया गया।

समाज की छुपी हुई प्रतिभाओं को निखार कर एक मंच प्रदान किया तथा हमारी युवा शक्ति, युवा बहनों को आगे आने का एक बहुत बड़ा मौका भी दिया। सभी युवा बहने अपने सामर्थ्य से भी ज्यादा, योग्यता से परिपूर्ण एक महाशक्ति के रूप में अलंकृता बनी।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री मंजुजी बांगड़ तथा विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी वह पूर्व अध्यक्ष कल्पना जी गगरानी उपस्थित रहे।

चारों संभाग द्वारा आज की ज्वलंत समस्या पर आधारित नाटिका ओं का बहुत ही सुंदर चित्रण एवं मंचन अपनी बहनों द्वारा करवाया गया जो कि बहुत ही सराहनीय एवं प्रोत्साहन पूर्ण रहा। चारों संभाग द्वारा कृष्ण रास लीला का आयोजन भी मंच पर बहुत ही सुंदर रहा।

कार्यकर्ताओं के सम्मान के पश्चात हमारी प्रादेशिक अध्यक्ष अनीता जी ने बताया कि आज पूरी मध्य प्रदेश जिस स्थान पर खड़ा है वह मेरी टीम का समर्पण है। अनीता जी के अथक प्रयासों के कारण समागम सफलता के शिखर पर गुंबद बंन चमक उठा। श्रीमती अलंकृता ने बहुत प्रतिभाओं को संवारा।

सभी संभाग में आरोग्य की स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, अधिकांश बहन भाइयों ने स्वास्थ्य लाभ लिया तथा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने में पूर्वी मध्य प्रदेश में

सभी बहनों की भागीदारी रही। जगह जगह पर स्वास्थ्य कार्यशाला ओं का भी आयोजन किया गया।

बनखेड़ी में 7 जोड़ों का आदर्श विवाह संपन्न कराया गया। जो कि एक विशेष सराहनीय कदम था। पूर्वी मध्य प्रदेश में चारों ही संभाग द्वारा संगठन आपके द्वार का आयोजन एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भ्रमण भी जगह-जगह सम्मान पूर्वक संपन्न किया।

पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में राम-राम आर्ट्स की क्लास का भी आयोजन किया गया। समय-समय पर चारों ही संभाग द्वारा यथोचित कार्यक्रम किए जाते हैं।

अक्षय तृतीया पर चारो ही संभाग में सभी शहरों में हर जगह शक्कर, सत्तू, शरबत की बोतल एवं वृद्ध जन को पुराने कपड़े अनाथ आश्रम में सहायतार्थ दिए गए। कहीं नारायण रेकी, तो कहीं मंदिरों, में पूजा, अर्चना ,भजन कर प्रसादी वितरण की गई। पूर्वी मध्य प्रदेश के सभी जिला मंडल, स्थानीय मंडल, द्वारा गणगौर का आयोजन भी बहुत ही धूमधाम से मनाया गया, उसमें बहुत सी ऑनलाइन प्रतियोगिताएं भी रखी गई।

1 मई को मजदूर दिवस के उपलक्ष में सभी स्थानीय मंडलों द्वारा मजदूरों को टोपी पहना कर सत्तू से मुंह मीठा करवाया तथा उनका सम्मान किया। 8 मई मदर्स डे पर सभी मंडल द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जून का महीना माहेश्वरी समाज के लिए एक गौरवशाली महीना कहलाता है जिसमें हम अपने आराध्य भगवान शिव की पूजा अर्चना कर महेश नवमी का पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। पूर्वी मध्य प्रदेश में महेश नवमी का प्रोग्राम बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। सभी जगह सांस्कृतिक प्रोग्राम, प्रभात फेरी, खेलकूद प्रतियोगिताएं, बच्चों के प्रोग्राम, महिलाओं के प्रोग्राम, की विविधता के साथ महेश नवमी का आनंद लिया गया। अधिकांश जगह शरबत वितरण, शिवजी का अभिषेक, रक्तदान शिविर ,वृद्ध आश्रम में सहायता, अनाथ आश्रम में बच्चों को लेखन एवं पठन सामग्री, कपड़े ,खाद्य सामग्री भी वितरित की गई।

प्रादेशिक संगठन द्वारा माहेश्वरी जरूरतमंद परिवारों का मेडिक्लेम बीमा के कार्ड खिड़कियां में अनीता जी द्वारा

वितरित किए गए। बनखेड़ी में मंडल द्वारा हर घर में महेश नवमी के उपलक्ष में शिव जी की तस्वीर (माहेश्वरी वंशोत्पति) दी गई।

समय-समय पर आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में पूर्वी मध्य प्रदेश की भागीदारी हमेशा रहती हैं, तथा अपनी योग्यता से बहने परचम भी लहराती है। अखिल भारतीय द्वारा सिलाई मशीनों के वितरण में भी पूर्वी मध्य प्रदेश अग्रणी रहा। अनीता जी एवं रंजना जी के साथ साथ हमारी बहनों ने व्यक्तिगत रूप से सिलाई मशीनों का वितरण किया। प्रादेशिक अध्यक्ष अनीता जी का जुनून और जज्बा, कार्य करने की शैली देखते ही बनती है ,तथा उनकी सबको साथ चलने की नीति टीम भावना को भी दर्शाती है।

प्र.अध्यक्ष-अनिता जावंधिया ❊ प्र.सचिव-रंजना बाहेती

इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महेश नवमीं पर्व पर आई केम्प का आयोजन व विधवा बहनों को सहयोग प्रदान

इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महेश नवमी पर्व पर नि:शुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद परीक्षण शिविर राजस हॉस्पिटल में एवं 41 विधवा बहनों को मिठाई एवं नमकीन, भोजन पास, सहयोग राशि प्रदान कर कार्यक्रम आयोजित किया गया यह सहयोग राशि हमे दानदाता श्रीमान गगन जी बिसानी से प्राप्त हुई । नेत्र परीक्षण में 250 महिलाओं पुरुषों की जांच की गई। कार्यकर्ताओं का सम्मान

किया जिन्होंने मंथन मेले में कार्यकर्ता की भूमिका निभाई । कार्यक्रम पुष्पा मोलासरिया, साधना कचोलिया, रमा साबू, सुनीता लड्ढा,कविता बाहेती, सिमा गगरानी, रेखा पसारी, सुशीला लाठी, सीमा माहेश्वरी से पूर्ण हुआ। इस अवसर पर गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, प्रमिला भूतड़ा, मीनाक्षी नवाल, अर्चना माहेश्वरी, मंजु भलिका आदि सहभागी रही।

सुमन सारड़ा, जिलाध्यक्ष

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

त्रिदिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन, रक्तदान शिविर एवं वृक्षारोपण

महेश नवमी पूरे विदर्भ में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। निर्देशित सभी कार्यक्रमों को जिला, तहसील और स्थानिक स्तर पर लेकर एकजुट होकर हमारी शक्ति को बढ़ाया।

1) संस्कार शिविर त्रिदिवसीय, 2) रक्तदान शिविर... 3) वृक्षारोपण एवं संवर्धन, 4) हेल्थ चेक अप कैंप/ब्लड शुगर चेक अप, 5) वक्तृत्व स्पर्धा/ व्याख्यानमाला बेटी ब्याहो, बहू पढ़ाओ तथा विवाह विच्छेद समस्या, 6) सांस्कृतिक कार्यक्रम (सामाजिक विषय पर नाटिका गीत स्पर्धा इत्यादि), 7) क्रीड़ा स्पर्धा (चैस बैडमिंटन क्रिकेट इत्यादि), 8) भगवान उमा महेश का अभिषेक पूजन एवं शोभायात्रा। यह सभी पूर्व निर्देशित कार्यक्रम पूरे विदर्भ में स्थानीय से लेकर जिले तक धूमधाम से मनाये गये।

कुछ विशेष झलकियां–कुछ जिले में कुछ अनूठे कार्यक्रम भी लिए गए।

12 ज्योतिर्लिंग की झांकियां, एक पाती भगवान महेश के नाम, माहेश्वरी लोगों में राम नाम लिखो, कण कण में भगवान, महेश स्तुति प्रतियोगिता, मिस्टर

एंड मिसेस माहेश्वरी, अपना सपना मनी मनी, स्कूटर रैली, करियर गाइडेंस प्रोग्राम रिश्तो की डोर, मैराथन रेस ज्ञानवर्धक प्रश्न मंजूषा, ट्रेजर हंट, वयोवृद्धों का सत्कार, जिन दंपत्ति के तीन बच्चे हैं उनका सत्कार इत्यादि विशेष प्रोग्राम लिए। इसके अलावा बहुत से जिलों में सुंदर नाटिका का मंचन हुआ। भगवान महेश उत्पत्ति दिवस पर आशुतोष के वंश, सफलता की कुंजी शिव आराधना, यही तो है जिंदगी, सामाजिक समस्याएं चिंतन एवं मंथन, समाज को दो आकार सपना करो साकार, सुंदर कार्यक्रमों के साथ महेश नवमी मनाई गई। **अध्यक्ष–भारती राठी ❊ सचिव–सुषमा बंग**

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रदेश के 6 जिलो के अंतर्गत 40 संगठनों के माध्यम से 2 साल कोरोना काल के बाद फिजिकल रूप से प्रदेश सभा, महिला, व्यूव संगठन के संयुक्त तत्वावधान मेंराष्ट्रीय व प्रादेशिक एजेंडा का पूर्णरूपेण अनुसरण कर दसो समितियों के अंतर्गत महेश नवमी पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।हमे मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सभापति श्री श्यामाजी सोनी, रा.महिला कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी, रा.सभा कार्यालय मंत्री नारायण जी राठी, रा.युवा सांस्कृतिक मंत्री राजेशजी मंत्री का साथ सानिध्य व मार्गदर्शन मिला।

13 जून प्रदेश महिला संगठन की सप्तम कार्यसमिति बैठक प्रबन्धन रा.कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी व प्रदेश पदाधिकारी, 40 बहनो के साथ डोंगरगढ़ महिला मंडल के आतिथ्य में माता दर्शन, पूजा,व भोजन के साथ सम्पन्न। अगली कार्यकारिणी बैठक व सावन महोत्सव 23 जुलाई 2022 धमतरी जिले के आतिथ्य में लिया जाना निश्चित किया गया।

विशेष–1) बस्तर के सुकमा जिले में मुख्य मार्ग स्थित चौक को महेश चौक का दर्जा देने की घोषणा माननीय मंत्री कवासी लखमा जी के निर्देश पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री राजू साहू जी ने महेश नवमी पर की।

2) सुकमा समाज द्वारा गौसेवा हेतु शबरी नारायण गौशाला में आगामी 1 वर्ष के चारे हेतु 1 लाख 1 हजार रु की राशि प्रदान की गई महेश नवमी के उपलक्ष्य में।

3) प्रदेश के अनमोल रतन (रक्तवीर)राज्यपाल द्वारा सम्मानित रक्तदान के प्रति समाज व अन्य लोगों को जागरूक किया और रक्तदान करवाया– 1)राजू जी गांधी बीजापुर 2)हर्ष जी लाहोटी कोंडागांव 3)नीतू जी कोठारी बेमेतरा।

4)छत्तीसगढ़ एड्स नियंत्रण समिति विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून को प्रदेश के अभनपुर माहेश्वरी युवा संगठन शाखा को प्रशंसा–पत्र व मोमेंटो रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु ससम्मान राहुल जी राठी व राजेश जी गांधी को प्रदान किया गया।

5) 2nd गोल्डन कप डिस्ट्रिक्ट taiqwando चैंपियनशिप 24 अप्रेल को कोरबा के हिमांक डागा 40 ज्ञस व कृतिका डागा 60 ज्ञस में विनर रहे।

6) रायपुर जिला द्वारा महेश नवमी पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी को समाज गौरव की उपाधि से सम्मानित किया।

7) महेश्वरी समाज के 4 स्वतंत्रता सेनानी परिवार को प्रशासनिक पत्र और मोमेंटो द्वारा 50 सफाई कर्मी को बिस्किट्स फ्रूट से, मेन सिग्नल के 70 पुलिस अधिकारियों को मट्ठा, फल, gift hamper, बिस्किट देकर सम्मान किया गया।

8) प्रदेश द्वारा 1 नई पहल महेशनवमी पर मेधावी छात्रों का सम्मान जो माहेश्वरी नही।

11000 गिलास शरबत वितरण जगह जगह किया गया। दिव्यांग बच्चो, व ग्रामीण बच्चों को फल, चॉकलेट,बिस्कुट वितरण,गौशाला में गायो के पानी भोजन हेतु 100 टंकी की सेवा, गुड़,चाराकी सेवा व लापसी की सवामणी, अनाथाश्रम में कूलर व आलमारी प्रदान,1500वृक्षारोपण, 165 यूनिट ब्लड डोनेशन शिविर,, 1000 किलो फल वितरण किया गया।

प्र. अध्यक्ष–अमिता मूंदड़ा ❊ प्र.सचिव–भावना राठी

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

'यशोदा मैया एवं कान्हा' पर सुन्दर वीडियो प्रस्तुति

गुजरात प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय पर्व समिति द्वारा आयोजित टैलेंट उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम ''माँ तेरे रूप अनेक'' में गुजरात द्वारा 'यशोदा मैया एवं कान्हा' पर सुन्दर वीडियो प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय बाल विकास समिति के 'ई-संस्कार वाटिका' में गुजरात से हजारों बच्चे एवं महिलाएं एप द्वारा जुड़कर सहभागी हुए। जून महीने में गुजरात प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार सभी जगह 1000 से भी ज्यादा पेड़ पौधे लगाए गए। राष्ट्रीय साहित्य समिति की हर सीट हॉट सीट में प्रदेश की 4 बहनों को पुरस्कार प्राप्त। गुजरात प्रदेश की त्रैमासिक रिपोर्ट को राष्ट्रीय स्तर पर 'डायमंड केटेगरी' में नवाजा गया।

सूरत जिला संगठन द्वारा युवतियों एवं महिलाओं के करियर बनाए हुए फेशन डिजाइन, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, ग्राफिक डिजाइनिंग पर सेमीनार कर 50 प्रतिशत डिस्काउंट पर कोर्स उपलब्ध करवाए। सूरत माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 110 श्रमिकों के 'श्रमिक कार्ड' बनवाये साथ अनाज, नाश्ता एवं शर्बत वितरण। सिलवासा संगठन द्वारा 210 सब्जी विक्रेताओं को छाछ वितरण, सखी संगठन अहमदाबाद द्वारा गौशाला में घास एवं वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री का दान। संगिनी संगठन अहमदाबाद द्वारा बालिकाओं के लिए मेहंदी, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, ऑन द स्पॉट गेम्स व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मिसेस शेफ संगिनी आम के व्यंजन बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन। सुरेन्द्र नगर में डेंटल चेक-अप किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में सभी स्थानीय संगठनों द्वारा योग संबंधित विविध आयोजन किए गए। पर्यावरण सप्ताह के उपलक्ष में वलसाड जिला मंडल द्वारा 500 पौधे, 30 ड्रम, 50 गमले एवं 20 ड्रम मिट्टी का वितरण किया। अहमदाबाद के तीनों संगठनों ने सम्मिलित होकर 'पर्यावरण' विषय पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुत की, जिसमें विशेषतः 'पंचतत्व के संरक्षण' पर जोर दिया गया। इसमें हर उम्र के करीब 90 जनों ने भाग लिया। रान्धिकपुर मंडल द्वारा पर्यावरण बचाओ पर कविता लेखन, पोस्टर विथ स्लोगन आदि प्रतियोगिताएं ली एवं निर्जला ग्यारस के दिन सामूहिक विष्णुसहस्र नाम का पाठ एवं भजन किये। महेश नवमी पर में अंकलेश्वर में 28, राजकोट में 16, मणिनगर मंडल द्वारा 46 सहित अनेकों जगहों पर ब्लड डोनेशन के आयोजन। बड़ौदा में 51 जोड़ों द्वारा सामूहिक रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन सम्पन्न। सभी स्थानीय संगठनों में महेश नवमी पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया, जिससे सामूहिक महेश पूजन, विविध झांकियों के साथ शोभा यात्रा, शिव अभिषेक के साथ विविध सामाजिक विषयों पर मैसेज गिविंग नाटिका, नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। मेधावी छात्रों का सम्मान किया, ब्लड डोनेशन आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

अध्यक्ष-उमा जाजू ❊ सचिव-मंजुश्री काबरा

पूर्वांचल

असम माहेश्वरी महिला संगठन

बच्चियों के स्कूल की फीस 2 साल के लिए जमा करवाई एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर 40 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे दो व्यक्तियों का सम्मान व जरूरतमंद को भोजन सामग्री एवं शरबत पानी वितरण। बंगाईगांव शाखा द्वारा गायों को एक बस्ता चारा एवं गुड दिया तिताबर के स्थानीय स्कूल में सीलिंग फैन का अनुदान। पर्यावरण दिवस पर औषधीय पौधों के महत्व पर जानकारी। आरोग्यं स्वास्थ्य सप्ताह कैंप, गोलाघाट शाखा द्वारा ब्लड टेस्ट व बॉडी चेक अप तथा ट्रैफिक विभाग एवं एसआई विभाग को तत्कालीन परिस्थिति में काम आने वाली दवाइयों का मेडिकल किट प्रदान, महेश्वरी प्रांगण में 100 लोगों को बूस्टर डोज, तेजपुर शाखा द्वारा स्थानीय शाखा के साथ मिलकर 1 मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन। नौगांव समिति ने हरिजन बस्ती में वाल्मीकि समुदाय की बहनों को नई साड़ियां एवं मिठाई वितरण बुजुर्ग महिलाओं को सम्मान। मातृ दिवस पर बूढ़ा आश्रम में खाद्य सामग्री व कपड़े वितरण।

गुवाहाटी शाखा द्वारा बस्ती में रहने वाली दो गरीब बच्चियों के स्कूल की फीस 2 साल के लिए जमा करवाई गई साथ ही बच्चों के लिए निशुल्क संस्कार शिविर का आयोजन। कन्यादान हेतु एक गरीब पिता को 5100 रुपए की धनराशि दी गई।

महेश नवमी पर सभी शाखाओं द्वारा स्थानीय स्तर पर भगवान महेश का रुद्राभिषेक सामूहिक पूजा भजन आरती की गई। हनुमान जन्म उत्सव के उपलक्ष्य पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं सुंदरकांड किया गया। छप्पन भोग किया गया। शिव चालीसा शिव महिमन पाठ किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिताएँ व प्रतिभा सम्मान।

अक्षय तृतीय एवं निर्जला एकादशी के अवसर पर पानी व जूस आदि वितरण। गुवाहाटी शाखा द्वारा एक वृद्धाश्रम में 25 पंखों का अनुदान।

नौगाँव शाखा द्वारा शंकरदेब महाविद्यालय में आई चेकअप कैम्प। तेज़पुर शाखा द्वारा मासिक धर्म पर कार्यशाला तथा सैनिटेरी पैड वितरण। गुड टच बैड टच पर बच्चियों के लिए सेमिनार। ब्लड डे दिवस पर, माहेश्वरी महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन तेजपुर, जेसीआई शाइन तेजपुर... इन सभी शाखाओं की बहनों ने मिल कर एक मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन कर, समाज के विकास हेतु 52 यूनिट योगदान दिया। ब्लड कन्वेनर सीतल चल्लानी को नियुक्त किया गया, ताकि जब भी किसी भी संस्था को किसी की सहायता हेतु ब्लड दिलवाना हो वे उन्हें सहायता कर सकें। डोनर्स को सर्टिफिकेट एवं एक पौधा उपहार स्वरूप दिया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल सिलचर ने बाढ़ पीड़ित 500 लोगों में खिचड़ी बांटी गई। महेश नवमी के उपलक्ष में 3100 रुपए की नकद राशि गायों के चारे हेतु दी। महेश भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधे लगाए गए। 6 जून को गायत्री मंदिर प्रांगण में दो पंखे भेंट स्वरूप दिए और बच्चों के बीच फ्रूट ड्रिंक वितरित किया। 7 जून को चिरवापट्टी में राहगीरो को छाछ और केरी पानी पिलाया गया।

पर्यावरण दिवस पर सबको पेड़ लगाने का सही तरीका सीखाया। सोमवती अमावस के शुभ अवसर पर गौशाला में गायों के लिए दान दिया और उन्हें चारा खिलाया। एकादशी के उपलक्ष्य में 1000 गिलास शरबत राहगीरों को पिलाया गया। जून में माहेश्वरी महिला समिति ने इस पूरे महीने जल सेवा की अखंड व्यवस्था भी कर रखी है और राहगीरों को छाछ भी बांटी गई।

अध्यक्षा वंदना सोमानी ❊ सचिव पूनम मालपानी

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों को शरबत वितरण

World Manstrual Day के उपलक्ष्य मे मेची मंच द्वारा ज़ूम पर The cup story का जानकारी कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में Manstrual Cup के इस्तेमाल के फ़ायदे के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता पूर्वाञ्चल सयुंक्त मंत्री गिरीजा सारडा थी। साथ ही साथ सूपर Ecologist डॉक्टर अजय अग्रवाल ने भी स्वास्थ्य सम्बन्धी कई महत्वपूर्ण जानकारी दी।

अक्षय तृतीया के दिन Whatsapp के ज़रिए लेखन प्रतियोगिता करवाई गई । चुनी गई प्रविष्टियाँ हिमालिनी अख़बार में प्रकाशित की गई। सगरमाथा लहान मंच की तरफ से वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में शरबत वितरण कार्यक्रम किया गया। मेची मंच द्वारा अक्षय तृतीया पर्व के उपलयक्ष मे जुनकिरी सार्वजनिक स्कूल में कपडा, जूस, फल – फूल, स्टेशनरी सामान, चिप्स (प्याकेज फुड) वितरण के साथ साथ हरेक कक्षा के प्रथम विद्यार्थी को गिफ्ट दे कर पुरस्कृत किया गया। महेश नवमी के अवसर पर सभी स्थानीय मंचो के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम किए गए। धरान में भगवान महेश का पंचामृत से अभिषेक किया एवं बेलपत्र धतूरा फूल से शृंगार किया। सुनसरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम, कुकिंग विदाउट फायर, जीके क्रिज कंपटीशन, बॉलीवुड बज, म्यूजिकल चेयर एवं हाउजी इत्यादि कार्यक्रम किए गए।

काठमांडू में पशुपति मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों को शरबत पिलाने का कार्यक्रम रखा। करीब 3000 गिलास शरबत वितरण किया गया।

विराटनगर मंच द्वारा निर्जला एकादशी के दिन सत्यनारायण मंदिर के सामने शरबत पिलाने तथा पानी की बोतलें वितरण करने का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

धनगड़ी पश्चिमांचल मंच में आम जनता में icecream और जल सेवा का कार्यक्रम किया गया ।

सगरमाथा लहान मंच एवं मध्यामंचल मंच में महेश नवमी उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ शिव मंदिर में मनाया गया। मेची मंच द्वारा महेश नवमी और निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में तारा नमस्ते बालग्राम अनाथ आश्रम में शरबत, आम, चीनी, बिस्कुट, चकलेट, कॉपी, पेन्सिल, चीज बॉल्स, आइस क्रीम इत्यादि दिया और वृद्धाश्रम मे खीर, आम, शर्बत का वितरण किया । क्योंकि सांस्कृतिक कार्यक्रम का थीम आपणो त्यौहार रखा और साल भर के त्योहार एक साथ सब के साथ मनाए। रूपनदेही में महेश नवमी का उत्सव धूमधाम से मनाया भगवान महेश की पूजा अर्चना की ।बाहर से आए हुए गेस्ट को सम्मानित किया बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए गिफ्ट दिए गए ओर प्रसाद वितरण किया गया । मंच द्वारा निर्जला एकादशी के दिन अविनाश अनाथ आश्रम कोटिहवा में बच्चों को शरबत पिलाया नाश्ता करवाया आम और खाद्यान्न सामग्री भेंट की ।

अध्यक्ष–अनिता अटल ❊ सचिव–सुधा सोनी

वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

700 ग्लास गन्ना का जूस राहगीरों को पिलाया और गायों को चारा खिलाया

हावड़ा अंचल राहगीरों के लिए गर्मियों में जल व्यवस्था पताशा एवं चने के साथ, हिंद मोटर अंचल सोमवती अमावस्या के दिन कोननगर स्थित गोशाला में एक गाड़ी हरा चारा और भूसी गायों को खिलाया गया, पूर्व कोलकाता अंचल सुरभि गौशाला में गायों के लिए 11 पंखे लगवाए साथ में चना, रोटी, गुड, दलिया, हरा चारा दिया गया, वीआईपी अंचल नियर काली मंदिर लेक टाउन में 700 ग्लास गन्ना का जूस राहगीरों, बस, ऑटो रिक्शा वालों को पिलाया, दक्षिण कोलकाता सोमवती अमावस्या के दिन गोशाला में गायों को गुड़, रोटी, घास चारा खिलाया और सत्तू पानी पिलाया और 11000 धनराशि चारा के लिए गौशाला में दिया गया, बाली अंचल, गोशाला में स्वामिनी, रोटी, नव युवती अंचल चंदनपुर गौशाला में जाकर सवामणी, तुलादान, गुड,घास, औषधि आदि की सेवा सदस्यों द्वारा की गई, मध्य कोलकाता द्वारा प्रत्येक परिवार को प्रतिदिन एक सेर दूध की बंदी, गौशाला में गाय को रोटी,चारा,घास ।

विशेष – प्रदेश त्रैमासिक रिपोर्ट में पांचवी बार डायमंड कैटेगरी से नवाजा गया, एक जरूरतमंद व्यक्ति को मकान बनाने के लिए 3,50,000/– की सहायता,प्रदेश अध्यक्ष,

टीम एवं सभी 10 अंचलों के अध्यक्ष, मंत्री के साथ 10 अंचलों में भ्रमण किया। सभी अंचलों के द्वारा थीम बेस वह कलाकृति को उभारते हुए रिपोर्टिंग, परिचय व स्वागत किया गया, प्रदेश अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह एवं दूपटा देकर सम्मानित किया गया, नवदीप में स्थित भजनाश्रम में 500 बूढ़ी माँ के बीच राशन सामग्री, चप्पल एवं सतु पिलाया गया, Swaika girls high school में 12 पंखे लगाए, 5 पेड़ भी लगाए गए, पिंजरापोल गौशाला में गायों को सब्जी, गूढ़, हरा चारा, दलिया की सवामणी एवं 800 रोटियां खिलाई गई, बच्चों के मध्य आम वितरण, 30 चौकीदारो के मध्य गर्म खाना दो खंड का लंच बॉक्स वितरण, एक अत्यंत जरूरतमंद महिला को आटोमेटिक मशीन प्रदान खर्च (8600/–), 2 युवतियों को फैशन शो का फार्म भरने के लिए 3000–3000 रूपये प्रदान, महेश नवमी के शुभ अवसर पर शोभा यात्रा एक परिधान मे 250 महिलाओं की उपस्थिति एवं गीत प्रतियोगिता में भागीदारी, पाँच अपने समाज के बच्चों का एडमिशन फ़ीस और फ़ीस पूरे वर्षभर की फ़ीस,प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सभी अंचल के अध्यक्ष, मंत्री संयोजिका और कार्यकर्ता संयोजक को बेच देकर सम्मानित,प्रथम बार 10 सदस्यों को ऑफ़लाइन कंप्यूटर क्लास में जुम संचालन और मेल करना सिखाया गया, गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर स्कूल

में जंहा 2000 बच्चे पढ़ते हैं कूलर वॉटर फिल्टर के सहित लोकार्पण, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हावड़ा अंचल आयोजित संस्था के साथ ह श्री अभिषेक राठी के द्वारा योग शाला का आयोजन 93 सदस्यों की उपस्थिति ।

पूर्व कोलकाता अंचल गौशाला में गायों के लिए 40 पंखे लगवाए, पंडित की बेटी के विवाह में सामान के साथ 2500 दिए, 55 पेटी आम,लिची,दही मट्ठा वितरण, दक्षिण कोलकाता 11000 धनराशि चारा के लिए गौशाला में दिया गया, हावड़ा अंचल मां गंगा के किनारे को स्वच्छ करने का अभियान clean Ganges save Ganges इस non profitable organization ग्रुप के साथ जुड़कर किया गया, जरूरतमंद कन्या के विवाह के लिए दहेज का सामान, दिया गया।

प्रदेश अध्यक्ष–निर्मला मल्ल

झारखंड बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

ऋषिकेश मे गंगा तट पर श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन एवं रक्तदान शिविर में 267 यूनिट रक्त संग्रह

बिहार प्रदेश महिला संगठन द्वारा ऋषिकेश मे गंगा तट पर श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन करीब 45 सदस्यो की सहभागिता रही। पूरे प्रदेश के हर जिले मे महेश नवमी महोत्सव कहीं 11 दिन, कहीं 7 दिन 5 दिन व कम से कम 3 दिन खूब धूमधाम से मनाया गया एवं प्रभात फेरी निकाली गई। कई जिलों में रक्तदान शिविर लगाकर 267 यूनिट रक्त संग्रह किया। पटना समिति ने एक जले हुए व्यक्ति का इलाज करवाया। पटना की बेटी महिमा राठी एयर होस्टेस निर्वाचित हुई। जमशेदपुर समिति ने महिलाओ के लिए समर कैम्प का आयोजन किया जिसमे बौद्धिक विकास प्रतिभा सौंदर्य निखार व खाना बनाने से संबंधित कई महत्वपूर्ण टिप्स दिये गए एक महिला वृद्धाश्रम मे छाछ व तरबूज का वितरण कर उनके साथ भजन–कीर्तन कर खुशियाँ बाँटी व महेश नवमी पर राहगीरो मे 2500 ग्लास सत्तू का वितरण किया गया मुजफ्फरपुर समिति द्वारा मिशन अस्पताल मे चाय नाश्ता गायो को गुड चोकर रोटी सब्जी गंगा दशहरा पर राहगीरो को 1500 ग्लास शर्बत वितरण किया गया देवघर समिति द्वारा अक्षय तृतीया महेश नवमी पर 400 ग्लास सत्तू 25 किलो खीरा ककड़ी का वितरण शर्बत कैरी पानी गन्ना जूस तरबूज गुड चना आदि का वितरण किया गया जमशेदपुर समिति द्वारा दिव्यांग बच्चो को अल्पाहार वितरण व गौशाला मे 76 सदस्याओ ने तुलादान किया गुलाबबाग समिति द्वारा निर्जला एकादशी पर 1100 ग्लास शर्बत व 60 बोतल लीची जूस का वितरण झुमरी तलैया समिति द्वारा 2500 शर्बत व रेलवे–स्टेशन पर 251असहाय लोगो को भोजन वितरण किया गया महेश नवमी व निर्जला एकादशी पर रांची मे 2100 ग्लास शरबत, चना गुड़ किशनगंज मे 1100 ग्लास फारविशगंज मे 800 ग्लास व करजाइन मे 520 ग्लास व मुरलीगंज समिति द्वारा 400 ग्लास शर्बत राहगीरो मे वितरण किया गया पर्यावरण दिवस पर सभी शाखाओ ने करीब 834 औषधीय पौधे व छायादार पेड़ लगाये। मुजफ्फरपुर मे बच्चो का दो दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया एवं चित्रांकन प्रतियोगिता व विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताऐ कैरम शतरंज आदि का आयोजन किया।

झुमरी तलैया में जरूरतमंद बच्चों में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। रांची मे मधुमेह जाँच शिविर का आयोजन किया। पटना मे अन्त्रज्योति बालिका विद्यालय मे सेनेटरी नैपकिन की जानकारी व वितरण किया गया

योगा दिवस पर जूम पर स्पाइनल व सर्वाइकल ट्रीटमेंट योग वेबिनार किया गया सभी समितियों द्वारा योग शिविर लगाए गए। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित माँ तेरे रूप अनेक मे

पूर्वांचल प्रस्तुति पन्ना धाय मे प्रदेश की सहभागिता रही। शकुन परवाल व सुमन चितलांगिया दोनो सहसंयोजिका के प्रयास से इसी महिने दो संबंध भी पक्के हुए है फारविशगंज मे हनुमान जयंती के उपलक्ष्य मे 108 सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। पटना समिति द्वारा गंगा दशहरा पर गंगा तट पर 108 दीप प्रज्वलन राम नवमी महेश नवमी पर सभी घरो दीप सज्ञा की गई गुलाबबाग मे नवरात्र मे नवपाराह्न रामायण पाठ किया गया व 108 हनुमानचालीसा का पाठ किया गया।

प्र.अध्यक्ष–प्रमिला आगीवाल – प्र.सचिव–उषा बागड़ी

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

जरूरतमंद महिला को व्हीलचेयर प्रदान

महेश नवमी पर दार्जलिंग में 9 जून महेश वंदना,भजन, पूजा सांस्कृतिक कार्यक्रम,तंबोला अन्य गेम खेले गए। सिलीगुड़ी में भव्य शोभा यात्रा। रक्तदान, ड्रॉइंग,लूडो प्रतियोगिता, गेम हुआ।10वीं और 12वीं के बच्चो जिन्हें 94% + को अवार्ड दिया। कोलकाता से निशा जी सोनी ने अपने भजनों से चार चांद लगाया। दुर्गापुर श्री पंचमुखी बालाजी मंदिर में संगठन ने हर्षोल्लास के साथ भगवान महेश की पूजा अभिषेक किया।

भजन संध्या का आयोजन किया। अलीपुर 7 जून को 50+ की लूडो प्रतियोगिता,18+ दुप्पटा पहनो 1 मिनट में,बच्चो की ड्रॉइंग प्रतियोगिता रखी। 9 जून को रँगारंग सांस्कृतिक प्रोग्राम,फैंसी ड्रेस,मारवाड़ी हिंदी नृत्य,एवम पुरुषों के लिए रोटी बेलो प्रतियोगिता। इस्लामपुर में एक जरूरत मंद महिला को व्हीलचेयर प्रदान की। महिला, युवा, और सभा के साथ मिलकर संस्कृति और संस्कार पर हमारी बदलती सोच और उसके समाधान पर परिचर्चा की। भजन प्रतियोगिता, बच्चों द्वारा सुंदर डांस और नाटक,खेल प्रतियोगिता बच्चों और बड़ो के लिए। सिक्किम सभा,महिला संगठन ने 8 जून को शिव अभिषेक और 12 जून को महेश नवमी का कार्यक्रम किया। महिला सदस्यों ने महेश वंदना नृत्य प्रस्तुति, सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमे डांस, बच्चो की फैन्सी ड्रेस,टैलेंट हंट शो किया। सभी परिवारों को 75 तुलसी पौधे देकर प्रितीभोज हुआ। पुरुलिया जल सेवा– पानी का नल लगवाया। मालदा, जलपाईगुड़ी, मिदनापुर सभी जगह महेश भगवान का पूजा, अभिषेक किया गया। दिनहाटा 4 जून को युवा संगठन के साथ मिलकर रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें 81

यूनिट रक्त संग्रह हुआ, महिलाओं का भी अच्छा योगदान था। जलपाईगुड़ी तुला दान और गोदान का किया। बाबा महेश की पूजा अर्चना,भजन का आयोजन। 5 जून को रक्तदान शिविर किया। बच्चों का सम्मान बढ़ाने के लिए उन्हे शिक्षा गौरव सम्मान पत्र दिया गया। बच्चों द्वारा स्केच ड्राइंग कंपटीशन भी हुआ।

प्रदेश विशेष –प्रतियोगिता 'मै माहेश्वरी हूं'। निर्णायक साहित्य प्रेमी, अनुभवी, समिति सह प्रभारी श्रीमती वर्षाजी डागा और संपादक कोलकाता टाइम्स पत्रिका श्रीमती सीमा जी भट्टड़ थे। महेश नवमी विषय पर स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता करवाई गई। इस मे 9 बहनों ने काव्यपाठ किया। राष्ट्रीय प्रभारी मंजु जी मनाधना और पूर्वांचल सह प्रभारी सरोज जी मालपानी निर्णायक थीं।

माहेश्वरी श्रेसे का drawing competition 31 प्रविष्टि आई और जूम पर लाइव रिजल्ट पुर्वांचल सह प्रभारी नीतू जी सोमानी ने किया। इस सत्र में 3 नए संगठन बने टोटल 19 संगठन हो गए। समय समय पर उन्हें संगठन संबंधित प्रशिक्षण देना। मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य पर मां की छवि कार्यक्रम हुआ। ऐसी 20 शख्सियत जिसका मूल उद्देश्य अपनी जड़ों को फिर से उजागर कर उन्हें उनकी मजबूती

का एहसास दिलाना और कुछ ऐसी महिलाओं का सम्मान करना था जिन्होंने समाज सुधार में पहल की हो। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मुंधड़ा व राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु जी कोठारी की उपस्थिति थी। सिक्किम की अध्यक्ष श्रीमती 'शोभना जी सारडा' को समाज रत्न से सम्मानित किया गया। उषा मोहन्ता का स्वागत किया गया।

प्र.अध्यक्ष–नीरा मल ❊ प्र.सचिव–कृष्णा पेडीवाल

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी धूमधाम से मनाई... बुजुर्गों का सम्मान किया

महेश नवमी के पावन पर्व हम सब ढेंकनाल जिला वालों ने मिलकर बड़े ही धूमधाम से सामूहिक पूजा अर्चना की थी ।

अध्यक्ष भाई नंदकिशोर जी ने अपना उद्बोधन दिया। ढेंकनाल अंगुल तालचेर के अध्यक्ष श्री जुगल किशोरजी ने दो शब्द कहे। बुजुर्गो को सम्मानित किया गया ।

संबलपुर–महेश नवमी के पावन पर्व मे सभी ने मिलकर बड़े ही धूमधाम

से सामूहिक पूजा अर्चना की। गेम्स और हाउजी का सभी वर्गो के लोगों ने खूब आनंद उठाया।

बुजुर्गो को सम्मानित किया गया ।

10वी एवं 12वी मे 90% वाले बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। माहेश्वरी महिला समिति की नवनिर्वाचित टीम का गठन हुआ, जिसमें– अध्यक्ष–रचना सारडा, उपाध्यक्ष–शिल्पा सारडा, सचिव–लता मूंदड़ा, सह सचिव–शिल्पा राठी, कोषाध्यक्ष–रूचि सारडा को

पदभार सौंपा गया।

महेश नवमी के पावन पर्व पर कटक जिला में प्रातःकाल श्री गोपाल कृष्ण गौशाला के मंदिर में भगवान शिव का पूजन किया गया। समाज बंधुओं द्वारा वृक्षारोपण एवं गायों के लिए लापसी की सवामणी की गई।

शाम को माहेश्वरी भवन में शिव महिमन पाठ का आयोजन एवं प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया।

जाजपुर रोड–माहेश्वरी महिला समिति जाजपुर माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी युवा संगठन के साथ मिलकर महेश नवमी के अवसर पर सुबह 8:00 बजे से 12:00 बजे एवं शाम 6:00 बजे से रात 10:00 बजे पूरे दिन का कार्यक्रम आयोजित किया।

सुबह 8:15 से मंदिर में भगवान शिव जी की विधि पूर्वक पूजा श्री गिरधर गोपाल जी मूंदड़ा एवं उनकी धर्म पत्नी बेला मूंदड़ा ने की एवं समाज के सभी वरिष्ठ महिलाएं एवं पुरुषों ने शिवजी की सभी स्तोत्र का पाठ करके पूजा आरती एवं प्रसाद का सेवन किया। शाम 6:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का अनुष्ठान किया गया जिसमें समाज के सभी सदस्यों ने भाग लिया ।

सुश्री दीक्षा ने मंच का संचालन किया एवं हमने 2 मिनट हमारे आदरणीय एवं गणमान्य स्वर्गीय नारायण दास जी काबरा स्वर्गीय भंवर लाल जी चांडक एवं उनकी धर्मपत्नी के दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मोन रखा।

पश्चात हमने हर सीट हॉट सीट 19 मई 2022 को पूर्वांचल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में पंचम स्थान पर रही। श्रीमति बेला देवी मूंदड़ा को सम्मानित किया गया ।

फिर रंगारंग कार्यक्रम गणेश वंदना एवं महेश वंदना के साथ आरम्भ किए एवं हमने अपने रंगारंग कार्यक्रम की थीम रिश्तों की डोर रखी। जिसमें हमने रिश्तों महत्व को दिखाया गया जो बहुत ही अपनापन एवं सराहनीय रूप से प्रस्तुत किया गया।

बालेश्वर–महेश नवमी के पावन पर्व पर बड़े ही धूमधाम से भगवान शिव की पूजा और अर्चना की गई। कई तरह की प्रतियोगिताएं रखी गई जैसे संस्कृत गायन, कुकिंग विदाउट फायर, क्विज प्रतियोगिता द्वारा बच्चों की प्रतिभा को निखारा गया व सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए और प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया।

मल्कानगिरी–महेश नवमी पर सुबह 8.30 को प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे। प्रभात फेरी में सभी ने भजन और जय महेश का जयकारा लगाया। भगवान शिवजी के मंदिर में सभी ने मिलकर पूजा आरती की और दोपहर का भोजन भी रखा गया था।

युवा मंडल और बालिका मंडल द्वारा दुपहिया वाहन में गांव में रैली और जय महेश का जयकारा लगाया गया। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बालिकाओं ने बेटी पढ़ाओ और कन्या भ्रूण हत्या पर बहुत ही शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। इसके अलावा उड़ीसा के भद्रक,बारीपदा, भुवनेश्वर, झाडसुगडा, राउरकेला, बड़बिल, ब्रजराज नगर में भी महेश नवमी का पर्व मनाया गया।

अध्यक्ष–सुनिता राठी * सचिव–संगीता मारु

किसी सरल स्वभाव का होना कोई कमजोरी या डरपोक होना नही है बल्कि यह इस बात की निशानी है कि उसके संस्कार कितने अच्छे हैं। अपने स्वभाव के कारण ही इंसान को इज्ज़त मिलती है क्योंकि जो जैसा करता हैं उसके पास भी वैसा ही लौटकर आता हैं। अगर कोई अच्छे कर्म करता है तो उसके जीवन मे सुख आएगा।

*

जिन्दगी मे दुखः और सुख आते जाते रहते हैं दुखः और सुख से ही जीवन परिपक्व होता है। जब जीवन मे परेशानियां आती हैं तब इंसान को अधिक सीखने को मिलता है या कहें कि तब इंसान को अधिक तजुर्बे मिलते हैं इसलिए परेशानियों से घबराए नही बल्कि इनका सामना करें।

पश्चिमांचल

उत्तरी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन (बीकानेर)

अस्पताल 21 पानी के टैंकर डलवाए दो कूलर भेंट किए

प्रदेश में अप्रैल माह में आरोग्यं स्वास्थ्य सप्ताह मनाया गया थायरोकेयर लैब द्वारा रक्त जांच की जिसमें पूरे प्रदेश में 520 लोगों ने रक्त जांच करवाई और प्रदेश में 5 कैंप लगाए गए। बीकानेर जिला में पीबीएम अस्पताल 21 पानी के टैंकर डलवाए दो कूलर भेंट किए और एक वाटर कूलर माहेश्वरी भवन में भेंट किया गया। एक जरूरतमंद बालिका को उच्च शिक्षण के लिए राजस्थान के सुप्रसिद्ध सिंथेसिस इंस्टिट्यूट में आगामी शिक्षा के लिए शिक्षण शुल्क में 50% की छूट करवा कर छात्रा की भविष्य की शिक्षा जारी रखने का नेक कार्य किया गया। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में वृक्षारोपण किया गया। सोमवती अमावस्या और निर्जला एकादशी, महेश नवमी पर तरबूज खरबूजा ठंडा दूध शरबत की छबीले लगाई गई। सरदार शहर माहेश्वरी महिला मंडल ने गायों के चारे के

लिए 5100 की धनराशि गौशाला में प्रदान की और घड़साना महिला मंडल ने गौशाला में 1100 रुपए का हरा चारा हर महीने देने का संकल्प लिया। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश में योग शिविर का आयोजन किया।

सोमवती अमावस्या पर ठंडे तरबूज,खरबूजा एवं भोजन गरीबों को वितरण

गंगानगर महिला संगठन ने सोमवती अमावस्या पर ठंडे तरबूज व खरबूजा का गरीबो में लंगर लगाया गया सरदारशहर समिति ने गौशाला में सोमवती अमावस्या के दिन बेसहारा व अपाहिज गायों को तरबूज खिलाए व 5100 रु की धन राशि गायों के चारे के लिए दी गई। सूरतगढ़ महिला मंडल ने भी अमावस्या पर तरबूज वितरित किए तथा सूरतगढ़ में गरीबो को खाना खिलाया गया। बेसहारा लोगो के बीच मंडल ने केक काटकर अपनी खुशी मनाई।

प्र.अध्यक्ष–सरिता बिहानी ❊ प्र. मंत्री–सरोज लखोटिया

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

प्रादेशिक अधिवेशन ''सद्गुणम्'' संपन्न, कोटा समाज द्वारा आशा जी का सम्मान

परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलन, महेश वंदना और स्वागत गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत उद्बोधन प्रदेश अध्यक्ष कुंती मूंदड़ा एवं कोटा जिला अध्यक्ष विनीता लाहोटी द्वारा दिया गया। सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं दुपट्टे से स्वागत किया गया।

उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशाजी माहेश्वरी द्वारा प्रादेशिक अधिवेशन सद्गुणम् 2022 के उद्घाटन की घोषणा की गई।

मुख्य अतिथि पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममताजी मोदानी, महासभा पश्चिमांचल उपाध्यक्ष राजेश कृष्ण जी बिरला पधारे। सम्माननीय अतिथि राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु जी बाहेती पर्व सांस्कृतिक प्रभारी पुष्पा जी सोमानी बाल विकास

किशोर विकास प्रभारी निर्मला जी मारू कार्यसमिति सदस्य संतोषजी तोषनीवाल आपकी उपस्थिति अधिवेशन में रही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी अपने उद्‌बोधन में ग्रास रूट तक पहुंचने की बात कही एवं भाषा, भूषा, भोजन, और भजन विषय पर सदन को अवगत कराया ममता जी मोदानी ने शुभकामना संदेश के साथ बताया कोई भी कार्य हो पूर्वी राजस्थान सभी कार्य में अपना पूरा सहयोग देता हैं। आभार प्रदेश मंत्री मंजु भराडिया द्वारा किया गया।

द्वितीय सत्र–समितियों के अंतर्गत लघु नाटिका, मणिकर्णिका, संगठन को जानो कर्मभूमि प्रतियोगिताएं करवाई गई। कार्यकारिणी बैठक एवं अधिवेशन सद्‌गुणम् संपन्न हुआ।

संगठन को जानो, कर्मभूमि प्रतियोगिता रखी गई दो चरण गूगल फॉर्म zoom पर किए गए फाइनल राउंड अधिवेशन में फिजिकली रखा गया । वाद विवाद प्रतियोगिता रखी गई ''केरियर की चाह में बर्बाद होता गृहस्थ जीवन''।

प्रकृति संरक्षण जीवन रक्षक पर्यावरण बचाओ पर नाटक का मंचन किया गया सोमवती अमावस पर गाय को चारा एवं गुड़ दिया गया।

आरोग्यं सप्ताह के अंतर्गत 5 कैंप लगाए गए 597 लोगों की जांच की गई। 6 डॉक्टर्स की टीम द्वारा परामर्श दिया गया व रक्त की जांच भी करवाई गई। संयुक्त परिवार में रहने की कला नाटक का मंचन किया गया ''जीवन की ढलती संध्या कैसे बने रोचक'' इस पर नाट्य मंचन किया गया । चिकित्सा कैंप लगाया गया 12 डॉक्टर ने अपनी सेवाएं दी अस्थि घनत्व एवं ब्लड शुगर निशुल्क जांच की गई।

बहू की शिक्षा ससुराल में कठिनाइयों का हल बहुत सुंदर तरीके से नाटक द्वारा बताए गए। कौन बनेगा मणिकर्णिका फिजिकली 4 राउंड रखे गए।

पांच दिवसीय संस्कार शिविर रखा गया इसमें बच्चों को प्रार्थना ओम का उच्चारण देश भक्ति गीत कृष्णाष्टकम योग प्राणायाम बच्चों को सिखाए गए 107 बच्चों की भागीदारी रही। उधवा लाहोटी 6 साल के बालक को इंडिया बुक में नाम दर्ज होने पर सम्मान किया गया सभी देश की राजधानी एवं नक्शा तुरंत बनाने में माहिर।

ओमजी बिरला के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी महेश्वरी को इतने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मिलने पर सम्मान किया गया महेश नवमी पर्व पर प्रभात फेरी शोभायात्रा सांस्कृतिक कार्यक्रम, बड़ों का सम्मान, बच्चों के खेलकूद, पंखी सजाओ, कथाकथन, आशु भाषण, महेश वंदना नृत्य करते हुए वीडियो बनाना, अपने परिवार के साथ पूजन करते हुए वीडियो बनाना फल सजाओ प्रतियोगिता कई कार्यक्रम रखे गए।

आधुनिक परिधान निगल रहा है भारतीय सभ्यता संस्कृति को इस पर वाद विवाद प्रतियोगिता रखी गई। अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस चारों जिलों में fit on beat योगा कार्यक्रम किया गया।

जीवती रे बेटी trust बेटियों के लिए बनाया गया है। जिसमें बेटियों को पढ़ाई के लिए बराबर सहयोग दिया जा रहा है।

अध्यक्ष–कुंती मूंदड़ा * मंत्री–मंजु भराडिया

दक्षिणी राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

अपराजिता कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ, महिला बैंड रहा आकर्षण का केंद्र

दक्षिणी राजस्थान प्रदेश द्वारा बालिकाओं की आत्म सुरक्षा के लिए अपराजिता सात दिवसीय कैंप का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत 300 से अधिक बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे।बच्चों के शारीरिक विकास हेतु क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन आदि खेल आयोजित हुए। इसके अलावा हैंड राइटिंग, इंग्लिश स्पीकिंग, कैलीग्राफी, इंप्रूव योर स्किल, स्केचिंग, ड्रइंग आदि का 10 दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत अतिशीघ्र गांवों, तहसीलों से लेकर जिला स्तर तक पर्यावरण की सुरक्षा को तथा बालिकाओं व महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी पैड डिस्ट्रॉयर मशीनें लगाई जा रही है।दो बालिका विद्यालयों में मशीनें लगाई जा चुकी है।

गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की टंकियां,कैम्पर रखवाए गए व प्याऊ,आर ओ व फ्रीजर लगवाए गए है।।गायों के लिए चारे की व्यवस्था की गई व पक्षीयों के लिए दाना–पानी के लिए परिण्डे लगवाए गए। गाडोलिया लुहार परिवारों को मटके,अनाज,छाते व चप्पल का दान दिया गया।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कुंतल तोषनीवाल द्वारा, किसी दुर्घटना के समय क्या करना चाहिए(कैसे हो प्रथम उपचार) इस संदर्भ में प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी महिलाओं व बच्चों को दी गई। योगदिवस पर योगाचार्य द्वारा विभिन्न योगासनों की जानकारी व बीमारियों से बचने के लिए विशेष योगासन टिप्स दी गई।चित्तौड़गढ़ किले के गौरव विजयस्तम्भ पर योगदिवस का आयोजन किया गया।

मेडिकल बैंक की प्रथम वर्षगांठ पर एक बेड व व्हीलचेयर प्राप्त हुई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतू सात दिवसीय सेमिनार में मेहंदी, सिलाई, क्रोशिया, क्लेआर्ट,ब्यूटीशियन कोर्स आदि सिखाया गया। एक महिला को सिलाई मशीन दी गई।संस्कृति को जीवंत रखने के उद्देश्य से वृहद स्तर पर घूमर नृत्य आयोजित किया गया।निर्जला एकादशी पर मंदिरों में फल व मटकियाँ रखी गई।

पूरे प्रदेश में महेश नवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया।ढ़ोल–बाजों के साथ शोभायात्राएं निकाली गई। शोभायात्रा में महिला बैंड विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रक्तदान शिविरों का आयोजन हुआ।जिसमें युवकों व पुरुषों के साथ साथ महिलाओं व युवतियों ने भी रक्तदान किया।इसके अतिरिक्त राजस्थान कार्निवाल का आयोजन हुआ,जिसमे कई सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताएँ हुई।गेम जोन आकर्षण का केंद्र रहा। महिलाओं के लिए क्रिकेट लीग का आयोजन हुआ। साथ ही

महेश नवमी पर काव्य पाठ एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सभी वर्गों की एक निबंध प्रतियोगिता सोशल मीडिया का दैनिक जीवन पर प्रभाव रखी गई । सामाजिक कार्यक्रम सामाजिक चिंतन मनन रखा गया जिसमें कैसे समाज को आगे बढ़ाया जा सके।

प्र.अध्यक्ष : कुंतल तोषनीवाल ❊
प्र. मंत्री : अनिला अजमेरा

रतनगढ़ माहेश्वरी समाज

रतनगढ़ माहेश्वरी समाज ने आज अपने उतप्ती दिवस महेश नवमी पर विभन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम से शुरुआत की जिसमे आज प्रशासनिक अधिकारी अपर एव सेशन न्यायाधीश श्री जयपाल ज्यानी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री कन्हैयालाल पारीक,ऊ्डझ श्री हिमांशु शर्मा, उ.ख. श्री संजय पुनिया, उपखण्ड अधिकारी श्री विजेंद्र चाहर, तहसीलदार श्री अशोक गोरा, भूतपूर्व मंत्री श्री राजकुमार जी रिणवा,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर सराफ,गोड़ समाज के अध्यक्ष श्री जयकांत बिंवाल, खण्डेलवाल समाज के अध्यक्ष श्री बद्रीप्रसाद बनसिया,ट्रेड एसोसिएशन के सुभाष महर्षि,खुदरा व्यापार संघ के अध्यक्ष श्री रामोतार बूबना, थोक व्यापार के महामंत्री श्री दीनदयाल खेतान,मेघवंशी समाज के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जी रोयल, एव पत्रकार समाज के अध्यक्ष श्री नवरत्न प्रजापत इन सभी को इळीव कैंेश(पक्षी घर) एव स्नेक प्लांट देकर शुरुआत की जो अनवरत जारी है । सायंकालीन माहेश्वरी भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा ।इस मौके पर समाज के रजनीकांत सोनी एडवोकेट, नरेश पेड़ीवाल,नरेन्द्र झंवर,रामोतार चांडक,रामकिशन चांडक,महेश जाजू,लोकेश सोनी,राकेश जाजू,हितेश,चन्दा सोनी,सरिता चांडक,मंजु लढ़ा, मंजु पेड़ीवाल,सुनीता झंवर,कृष्णा जाजू,पूर्णिमा लढ़ा, वेदिका चांडक,कृष्णा लढ़ा, भारती लढ़ा,लक्षिता पेड़ीवाल,हिमांगी सोमानी आदि उपस्थित थे ।

मदद के लिए अच्छा मन होना जरूरी है

बहुत से लोग मदद करने को सिर्फ धन का होना ही समझते हैं। और बहाने लगाते हैं कि हमारे पास तो कुछ धन हैं ही नही इसलिए हम मदद नही कर सकते जबकि अगर अच्छा मन हैं तो इंसान किसी भी परिस्थिति मे मदद के लिए आगे आ सकता है। इसलिए मदद के लिए अच्छा मन होना जरूरी है ना कि ज्यादा धन का होना।

*

समय

समय समय पर परिस्तिथियाँ बदलती रहती हैं और समय के साथ ही किसी का महत्व समझ मे आता है। हर किसी इंसान मे कुछ अलग गुण और सामर्थ होता है। जैसे दिपक का दिन के समय या सूरज की रोशनी मे कोई महत्व नही होता और अंधेरे मे दिपक ही ऊजाले का साधन होता हैं। इसलिए किसी भी इंसान को बेकार मत मानो उसके पास अपनी अलग शक्ति हैं जो समय आने पर काम आती हैं।

मैं नारी हूं

मैं अपने पति की सहधर्मीणी और संतान की जननी हूं। मुझसा संसार में और कौन है सारा जगत मेरा कर्म क्षेत्र है, मैं स्वाधिनी हूं, क्योंकि मैं अपनी इच्छानुरूप कार्य कर सकती हूँ । मैं दुनिया में किसी से नहीं डरती, मैं महाशक्ति की अंश हूं, मेरी शक्ति पाकर ही मनुष्य शक्तिमान है, मैं स्वतंत्र हूं पर उच्छृंखल नहीं हूं। मैं शक्ति का उद्गम स्थान हूं परन्तु अत्याचार के द्वारा अपनी शक्ति को प्रकाशित नहीं करती हूँ , मैं सिर्फ कहती ही नहीं करती भी हूं, मैं काम ना करूं तो संसार अचल हो जाए। सब कुछ करके भी मैं अहंकार नहीं करती, जो कर्म करने का अभिमान करते हैं उनके हाथ थक जाते हैं ।

मेरा कर्म क्षेत्र बहुत बड़ा है । वह घर के बाहर भी है और अंदर भी। घर में मेरी बराबरी की समझ रखने वाला कोई है ही नहीं मैं जिधर देखती हूं उधर अपना कर्तव्य पाती हूँ। मेरे कर्तव्य में बाधा देने वाला कोई नहीं है क्योंकि वैसा शुभ अवसर मैं किसी को देती ही नहीं। पुरुष मेरी बात सुनता है क्योंकि मैं गृह स्वामिनी जो हूं, मेरी बात से गृह संसार उन्नत होता है। इसीलिए पति के संदेह का तो कोई कारण है ही नहीं .... और संतान वह तो मेरी है ही। उसके लिए तो हम दोनों व्यस्त हैं। इन दोनों को... पति को और संतान को अपने वश में करके मैं जगत में अजय हूं। डर किसको कहते हैं यह मैं नहीं जानती। मैं पाप से घृणा करती हूं अतएव डर मेरे पास नहीं आता। मैं भय को नहीं देखती इसी से कोई दिखाने की चेष्टा नहीं करता।

संसार में मुझसे बड़ा और कौन है ....? मैं तो किसी को भी नहीं देखती, जगत में मुझसे छोटा भी कौन है... उसको भी कहीं नहीं खोज हूं। पुरुष दंभ करता है... कि मैं जगत में प्रधान हूँ , बड़ा हूं। मैं किसी की परवाह नहीं करता वह अपने दम्भ और दर्प से देश को कँपाना चाहता है वह कभी आकाश में उड़ता है कभी सागर में डुबकी मारता है और कभी रणभेरी बजाकर आकाश वायु को कँपा कर दूर दूर तक दौड़ता है परन्तु मेरे सामने तो वह सदा छोटा ही है क्योंकि .. मैं उसकी मां हूं, उसके उग्र रूप तो हजारों लाखों हैं परंतु मेरे उंगली हिलाते ही आते ही वह चुप जाने के लिए बाध्य है। मैं.... उसकी मां .. केवल बचपन में ही नहीं सर्वदा और सर्वत्र हूँ। जिसका दूध पीकर उसकी देह पुष्ट हुई है, उस मातृत्व के इशारे पर सर झुका कर चलने के लिए बाध्य है।

बाहर की जगह में मेरे कर्तव्य का विस्तार होते हुए भी मैं अपने घर को नहीं भूलती। घर मेरे माता पिता भाई और पुत्र की आश्रय भूमि है । उन्हें यहां मेरी सुशीतल छाया नहीं मिलेगी तो वे विश्रांति कहां पाएंगे...? उनका समूचा अस्तित्व मेरी गोद में अनायास समा जाता है। यही कारण है कि मेरी कर्मभूमि उसकी कर्मभूमि से कहीं विशाल है। पुरूष जिस काम को नहीं कर सकता उसको मैं अनायास ही कर सकती हूँ, प्रमाण .... पुरुष के अभाव में संसार चल सकता है परंतु मेरे अभाव में अचल हो जाता है, सब रहने पर भी कुछ नहीं रहता।

मैं पढ़ती हूं संतान को शिक्षा देने के लिए, पति के थके मन को शांति देने के लिए। मेरा ज्ञान जीवन में विवेक का प्रकाश फैलाने के लिए है। मैं गाना बजाना सीखती हूं .. शौकीनों की लालसा पूर्ण करने के लिए नहीं वरन नर – हृदय को कोमल बनाकर उसमें पूर्णता लाने के लिए। पुरुष की सोई संवेदना जगाने के लिए में स्वयं नहीं नाचती, वरन जगत को नाचती हूँ । मैं सीखती हूँ सिखाने के लिए, शिक्षा के क्षेत्र पर मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। मैं सृजन करती हूं आदर्श का। बनाती हूं मानव को महामानव।

मैं खड्गधारिणी काली हूं पाखंडी का वध करने के लिए, मैं दस भुजाओं वाली दुर्गा हूं संसार मे नारी शक्ति को

जगाने के लिए। मैं लक्ष्मी हूं संसार को सुशोभित करने के लिए। मैं सरस्वती हूं विद्या वितरण के लिए। मैं धरणी हूं सहिष्णुता के गुण से, आकाश हूं सबकी आश्रयदायिनी होने से। वायु हूं सबकी जीवनदायिनी होने से, जल हूं सबको रससिक्त करने वाली दूसरों को अपना बनाने वाली होने से, मैं ज्योति हूं प्रकाश के कारण और मैं माटी हूं क्योंकि मैं माँ हूं मेरा धर्म है नारीत्व–मातृत्व। संपूर्ण नारी जाति मेरी जाति है । मैं सबसे छोटा बनना जानती हूं परंतु बड़ी स्वाभिमानिनी भी हूं। मेरे भय से त्रिभुवन कांपता है, मैं जो चाहती हूं वहीं पाती हूं मेरा मन जगत प्रसिद्ध है।

मैं दूसरी भाषा सीखती हूं पर बोलती अपनी ही भाषा हूं और मेरी संतान उसे गौरव के साथ मातृभाषा कहती है। क्या मुझे पहचान लिया है .... ? नहीं ... तो फिर पहचान लो ... मैं नारी हूं ...

रामायण और महाभारत में मेरी ही कथाएं हैं । इनमे मेरा ही गान हुआ है । यही कारण है कि जगत का और जगत के लोगों को जीवन विद्या का शिक्षण देने में इनके समान अन्य कोई भी ग्रंथ समर्थ नही हुआ है ।

–मधु बाहेती, कोटा (राष्ट्रीय कार्यालय सचिव)

स्वयं से करें शुरुआत

यह संसार चक्र परिवर्तनशील है। आधुनिकता के नाम पर अपनी संपूर्ण संस्कृति को बिसराना जितना गलत है, उतना ही गलत है बिना सोचे–समझे संपूर्ण संस्कृति को अपनाये रखना। इस चलित दौर में चिंतन–मनन करते हुए अपनी सनातन संस्कृति को नये परिवेश में ढालकर प्रस्तुत करेंगे तो नई पीढ़ी निश्चित रूप से अपनाएगी। इस प्रक्रिया में हमें स्वयं से स्वयं के परिवार से शुरुआत करनी होगी, तभी सामाजिक व राष्ट्रीय स्तर तक के हमारे प्रयास सफल होंगे।

घर में बेटी का जन्मोत्सव, बधाइयों के साथ क्योंकि ''हम सुधरेंगे जग सुधरेगा''। वैसे ही मनाये जैसे बेटे का। निश्चय ही इस रूप से अनेकों कुप्रथाएं मिट जाएगी। बेटा–बेटी की परवरिश में भी कोई भेदभाव ना हो। (दहेज न लेना न देना) करिए स्वयं से शुरुआत। प्रत्याशियों के बायोडाटा में माँ के लिये लिखा जाता है। हाउस वाइफ, घर गृहस्थी सुचारू रूप से चलाने वाली, बच्चों की उत्तम परवरिश एवं पतिदेव को पूर्णतः साथ निभाने वाली पत्नी को हाउस मेकर कहते हुए सम्मान बढ़ाना चाहिए। करीए स्वयं से शुरुआत।

बच्चों के जन्मदिन मनाने के पश्चात स्वरूप पर भी चिंतन मनन होना चाहिए। दीप बुझाके नहीं, जलते दीप से उसकी आरती उतारे, अपनी भाषा या संस्कृत में लिखित शुभकामनाओं से उसे अलंकृत करें और उपहार लेने –देने की प्रथा बंद करे। एक बहुत बड़ा हिंदू संस्कार है ये इसका महत्व व परिणाम को जाने। करिए स्वयं के घर से शुरुआत।

घर के बड़े–बुजुर्गों के आने वाले मेहमानों के पाँव छूने की बच्चों में युवावस्था से आदत डाले। यह क्षणभर भी प्रक्रिया नहीं जीवनभर पारिवारिक रिश्तों की गरिमा बनाये रखने का यह प्रथम सोपान है। घर के बाहर, सड़कों पर स्वच्छता का उतना ही महत्व है जितना हम खुद की और अपने घर की देखभाल करते हैं। पानी बचाना, घर में बाहर वृक्षारोपण, बिजली बचाना, अनावश्यक घरेलू खर्चे से किनारा करना ये आद्य मनुष्य के सद्गुण ही कहलाएंगे। तो करिए स्वयं से शुरुआत। घर के मुखिया को चाहिए अपने बेटे हो या खास करके बहुएँ उनमें भेदभाव न करें। बेटी की गलतियाँ नजरअंदाज करते हैं ना वो ही रवैया बहुओं के लिए अपनाये। उनकी क्षमता व समयानुकूलता के अनुसार करिअर करना चाहे तो सहायक बने। बदले में मिलेगा आपको उनका अक्षय प्यार एवं जीवनभर का साथ। उनके विषयों में नोकझोंक करना बंद–तो करिए स्वयं से शुरुआत।

सौ. पुष्पा तोषनीवाल, पुणे
(सह सचिव–दक्षिणांचल)

जलेबी छेना पुडिंग

सामग्री : दूध 1 लीटर, गुड़ 2 चम्मच बारीक कुटा, क्रीम 1 बड़ा चम्मच, जलेबी 6, 1 केला कटा हुआ, दही 1 बड़ा चम्मच या नींबू का रस, दालचीनी पाउडर 1/2 छोटा चम्मच, पिसी शक्कर 1 चम्मच।

कैसे बनाएं – दूध उबालकर उसमें नींबू का रस डालकर छेना बनाएं, छेना छान लें, गर्म छेने में कुटा गुड़ डालकर पाँच-सात मिनट मिलाएं व ठंडा कर लें। ताजी क्रीम में शक्कर व दालचीनी पाउडर मिला लें। बड़ी गहरी प्लेट में जलेबी की 1 तह बिछाएं। उस पर क्रीम डालें। फिर केले के पीस डालें। उस पर छेने की परत लगायें। इस प्रक्रिया को दुबारा दोहराएं। अंत में क्रीम डालकर चेरी व केले से सजाएं।

सिजलर (1 सिजलर के लिए)

सामग्री : स्टफ वेजिटेबल, कटलेट और फिंगर चिप्स के लिए

थोड़े सख्त से उबले हुए आलू 2 बड़े, पनीर 125 ग्राम, बारीक कटी मिक्स सब्जियां पाव कप (फूल गोफी, गाजर, शिमला मिर्च, बींस इ.), पीसी हुई हरी मिर्च 2 टी स्पून, पीसा हुआ अदरक 1 टी स्पून, कटा हुआ हरा धनिया 1 टेबल स्पून, गरम मसाला पाव टी स्पून, नमक, काली मिर्च, चीनी स्वादानुसार, नींबू का रस 1 टी स्पून, कॉर्न फ्लोअर 2 टेबल स्पून, शिमला मिर्च 1, टमाटर 1, तलने के लिए तेल।

सामग्री : सिजलर के लिए : अमूल बटर 50 ग्राम, छोटे टुकड़ों में काटकर उबाली हुई मिक्स सब्जियां आधा कप (गाजर, बींस, फूल गोफी, मटर इ.) खुले पके हुए चावल 1 कप, पतली लंबी कटी सब्जियां आधा कप (पत्ता गोभी, गाजर, शिमला मिर्च, बींस इ.), नमक, काली मिर्च पाऊडर स्वादानुसार।

सामग्री : सॉस के लिए : टमेटो केचअप 4 टेबल स्पून, सोया सॉस 1 टेबल स्पून, विनेगर (सिरका) 2 टेबल स्पून, डेमिरारा शुगर या चीनी 1 टेबल स्पून, अजिनोमोटो चुटकीभर, नमक, सफेद मिर्च पाउडर स्वादानुसार, पानी या स्टॉक आधा कप।

विधि : 1. एक आलू कस लें और दूसरे के लंबे फिंगर चिप्स काटें। 2. पनीर का एक बड़ा चौकोर स्लाइस काटकर बाकी का कस दें। 3. कसा हुआ आलू, कसा हुआ पनीर, बारीक कटी सब्जियां, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, गरम मसाला, नमक, काली मिर्च, नींबू का रस और 1 टेबल स्पून कॉर्न फ्लोअर अच्छे से मिला लें। 4. शिमला मिर्च और टमाटर के ऊपर का पतला स्लाइस निकालकर उनके अंदर के बीज, पल्प इ. निकाल लें। इनमें तैयार भरावन भरकर ऊपर से थोड़ा कॉर्न फ्लोअर बुरककर दबा दें। बचे हुए मसाले का कटलेट बनाकर कॉर्न फ्लोअर में लपेट दें। 5. तेल गरम करके उसमें आलू के फिंगर चिप्स, पनीर का स्लाइस,स्टफ्ड शिमला मिर्च और टमाटर व कटलेट तल लें। 6. सिजलर के लिए 1 टी स्पून मक्खन गरम करके उसमें उबली हुई सब्जियां तथा स्वादानुसार नमक और काली मिर्च डालकर थोड़ा भून लें। फिर 2 टी स्पून मक्खन गरम करके उसमें चावल तथा स्वादानुसार नमक और काली मिर्च डालकर थोड़े भूनें। चावल छोटे लंबे गिलास में भरकर अच्छे से दबा दें। 7. सॉस की सभी सामग्री मिलाकर उसे उबाल लें। 8. सिजलर प्लेट कम से कम 15-20 मिनट तक गैस पर गरम करें। सिजलर प्लेट अच्छी गरम होकर उसमें थोड़ा धुआं निकलने लगे तब उस पर पतली लंबी कटी हुई सब्जियों की परत डालें। प्लेट के एक कोने में स्टफ्ड शिमला मिर्च और टमाटर तथा कटलेट रखें। दूसरे कोने में गिलास में भरे हुए चावल पलट दें। बीच की खाली जगह में उबली हुई सब्जियां, तला हुआ पनीर और फिंगर चिप्स रखें। 9. इस तैयार डिश पर गरमा-गरम सॉस फैलाकर ऊपर से मक्खन डालें। सिजिलिंग की आवाज और धुएं के साथ ही सिजलर को सर्व करें। साथ में सोया तथा चिली सॉस और टमाटर का सॉस सर्व करें।

❋ सिजलर प्लेट गरम होने के बाद उस पर बहुत जल्दी-जल्दी सजावट होनी चाहिए, अतः बाकी सब तैयारी पहले करके रखना ही सुविधाजनक होगा।

आलू एक फायदे अनेक

आलू से निखारें चेहरे की रंगत

आलू त्वचा की देखभाल के लिये काफी फायदेमंद है, क्योंकि उसमें विटामिन सी, कॉपर, सल्फर, आयरन, विटामिन बी, पोटेशियम, फेल्शियस आदि तत्व होते हैं, जो चेहरे की रंगत सुधारने के साथ मुँहासे व काले घेरे जैसी समस्या भी दूर करते हैं। आलू में अन्य सामग्री मिलाकर फेस पैक तैयार कर सकते हैं, जो त्वचा की अलग-अलग समस्या के अनुरूप होते हैं -

(1) दमकती त्वचा के लिए-एक आलू, 1 से 2 चम्मच कच्चा दूध थोड़ा सा ग्लीसरिन। **कैसे लगाएं**-एक मध्यम आकार का आलू किसकर उसमें कच्चा दूध व ग्लीसरिन मिलाएं एवं चेहरे पर रुई या उंगलियों से लगायें। दाग-धब्बों पर विशेष लगायें। चेहरा सूखने पर पानी से धो लें। सप्ताह में 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

(2) मुँहासों से पायें राहत - सामग्री 2 बड़े चम्मच आलू का रस, 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस, 2 बड़े चम्मच खीरे का रस व हल्दी। **कैसे लगाएं**-आलू, नींबू व ककड़ी तीनों के रस मिलाकर हल्दी मिलायें एवं इस मिश्रण को चेहरे पर लगायें। चेहरा सूखने पर ठंडे पानी से धो लें। इसे भी सप्ताह में 2 बार प्रयोग करें। यह पैक रोम छिद्रों को खोलता है एवं त्वचा के कीटाणुओं को नष्ट करता है।

(3) टेनिंग दूर करने के लिए-1 आलू, 1 चम्मच दही, नमक व गुलाब जल। **कैसे बनायें**-एक बाउल में दही में एक चुटकी नमक व गुलाब जल मिलायें। फिर आलू के स्लाईस से इस मिश्रण को चेहरे पर समान रूप से लगायें। 15-20 मिनिट रखकर धो लें। सप्ताह में 2-3 बार करें।

(4) रंगत में लायें सुधार-आधा आलू, गुलाब जल, 3-4 चम्मच मुलतानी मिट्टी। **कैसे बनायें**-आलू छीलकर किस लें, उसमें गुलाब जल व मुलतानी मिट्टी मिलायें। इस फेस पैक को चेहरे पर 30 मिनिट तक लगाकर रखें व ठंडे पानी से धो लें। सप्ताह में 3 बार करें।

(5) दूर करें झाइयां - 1 आलू, 1 गाजर व हल्दी। **कैसे बनाएं** - आलू व गाजर दोनों किस लें व एक चुटकी हल्दी मिलायें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगायें। 15-20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इस प्रकार चेहरे को चमकायें।

बरसात में त्वचा की देखभाल

तपिश से भरी गर्मी के बाद रिमझिम फुहारें मन को जहां भाती है, वहीं त्वचा के लिए ढेरों समस्याएं लेकर आती हैं। त्वचा पर चिकनाई के कारण धूल के कण चिपक जाते हैं, इसलिए इस मौसम में त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है।

त्वचा को पानी से धोकर किसी अच्छे स्क्रब से मसाज करें, साथ में चाहे तो कोई स्किन टॉनिक भी मिला सकती हैं। चेहरे पर हाथ गोल-गोल घुमाते हुए इसे लगाएं, फिर पानी से चेहरो के धो लें, जिससे चेहरे पर जमा तेल और धूल के कण पूरी तरह से साफ हो जाएं। फेशियल स्क्रब आप चाहें तो घर पर भी बना सकती हैं। तेलीय त्वचा के लिए चावल के आटे में थोड़ा-सा दही मिलाकर प्रयोग करें। शुष्क और सामान्य त्वचा पर चोकर में पिसे हुए बादाम, दूध या गुलाब जल मिलाकर लगाएं। शुष्क त्वचा में यह स्क्रब सप्ताह में दो बार और तेलीय त्वचा में रोज प्रयोग करें। गर्मी और नमी भरे मौसम में किसी अच्छी स्किन टॉनिक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। टॉनिक फ्लावर बेस्ड (गुलाब या लेवेंडर युक्त) हो तो ज्यादा अच्छा रहता है। स्किन टॉनिक छोटे से बाउल में डालकर फ्रिज में रखा जा सकता है। ठंडी स्किन टॉनिक को दिन में कई बार त्वचा पर लगाएं, इससे सारे दिन ताजगी का अहसास होगा। अगर सारे दिन बाहर रहना है तो स्किन टॉनिक की एक छोटी बोतल हमेशा अपने हैंड बैग में रखें। जब त्वचा में पसीना और चिकनाई का अहसास हो तो वेट टिश्यू से चेहरा साफ करके स्किन टॉनिक का प्रयोग कर सकती हैं। मौसम में नमी के कारण त्वचा ज्यादा संवेदनशील हो जाती है। कभी-कभी त्वचा पर दाग भी पड़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में त्वचा पर स्क्रब का प्रयोग न करके किसी ऐसे मेडिकेटेड मॉस्क का प्रयोग करें जो आपकी त्वचा के लिए उपयुक्त हो। लोंग युक्त मेडिकेटेड मॉस्क सबसे उपयुक्त होते हैं। ये न केवल त्वचा की अतिरिक्त चिकनाई हटाते हैं, बल्कि मुँहासों से भी त्वचा को बचाते हैं। नमी के मौसम में तैलीय क्रीम या हैवी नरेशिंग क्रीम का प्रयोग एकदम नहीं करना चाहिए, इससे त्वचा पर चिपचिपाहट और बढ़ जाएगी। अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो इस मौसम में ज्यादा समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। शुष्क त्वचा के लिए हल्का-सा माइश्चराइजर का प्रयोग इस मौसम में ठीक रहता है।

धर्म व देश को संगठित करने का सस्ता सुंदर व टिकाऊ उपाय

हम बुजुर्ग मौत पर रस्म पगड़ी पर आये हुए मेहमान को आमतौर पर मिठाई के डिब्बे के साथ गीता भी भेंट करते हैं। दुर्भाग्य से आज गीता के रचियता भगवान कृष्ण के मंदिर के साथ दूसरे मंदिरों व गुरुद्वारों का अस्तित्व भारत के साथ पाकिस्तान, अफगानिस्तान व कुछ और देशों में खतरे में है। इस खतरे को टालने के लिए गीता के साथ मेहमानों को भेंट–उपहार के साथ वीरता के प्रतीक के रूप में एक छोटा त्रिशूल भी देना शुरू कर दें। जिस पर भगवान कृष्ण के श्लोक का अर्थ की (अहिंसा अच्छी बात है, पर धर्म व कर्त्तव्य पालन करने में अगर हिंसा करनी पड़े तो सर्वोत्तम धर्म है)। यही बात भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाई थी। जैसे पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे देने का रिवाज चल पड़ा था। वैसे ही देश धर्म को बचाने के लिए जरूरत पड़ने पर हथियार रखने का रिवाज चल पड़ेगा। तब हम अति अहिंसा के अलाप से मुक्त होकर सशक्त भी हो जाएंगे। सिख समाज छोटी कृपाण दें। जैन समाज गर्व से कहे कि भगवान महावीर राजपूत थे। वहां बौद्ध समाज सिर उठाकर कहे भगवान बुद्ध तो क्षत्रिय थे। अपने घर में विवाह व दूसरे खुशी के अवसर पर मेहमान को दिये जाने वाले लिफाफे के साथ में त्रिशूल भी भेंट करें।

–इंजीनियर कमलेश जाजू, फरीदाबाद

गीता के 18 अध्यायों का संदेश एक लाईन में

गीता का अर्थ और शिक्षण महाविद्यालयों में नहीं पढ़ाया जाता है। निजी कोचिंग क्लास या शिक्षण संस्थान कभी गीता नहीं पढ़ाते।

किशोरावस्था में कोई गीता नहीं पढ़ता। 40/50 की उम्र तक सभी कमाई और भविष्य की योजना बनाने में लगे रहते हैं। सारा जीवन ऐसे ही व्यतीत हो जाता है।सब नहीं समझते कि गीता के अलावा कोई विकल्प नहीं है?

गीता का एक भी श्लोक और उसका अर्थ बहुत कम लोग जानते हैं। गीता के सभी 18 अध्यायों का सार मात्र 18 वाक्यों में प्रस्तुत है–

गीता

अध्याय 1	गलत सोच ही जीवन की एकमात्र समस्या है।
अध्याय 2	सही ज्ञान ही हमारी सभी समस्याओं का अंतिम समाधान है।
अध्याय 3	निःस्वार्थता ही प्रगति और समृद्धि का एकमात्र मार्ग है।
अध्याय 4	प्रत्येक कार्य प्रार्थना का कार्य हो सकता है।
अध्याय 5	व्यक्तित्व के अहंकार को त्यागें और अनंत के आनंद का आनंद लें।
अध्याय 6	प्रतिदिन उच्च चेतना से जुड़ें।
अध्याय 7	आप जो सीखते हैं उसे जिएं।
अध्याय 8	अपने आप को कभी मत छोड़ो।
अध्याय 9	अपने आशीर्वाद को महत्व दें।
अध्याय 10	चारों ओर देवत्व देखें।
अध्याय 11	सत्य को जैसा है वैसा देखने के लिए पर्याप्त समर्पण करें।
अध्याय 12	अपने मन को उच्चतर में लीन करें।
अध्याय 13	माया से अलग होकर परमात्मा से जुड़ो।
अध्याय 14	एक ऐसी जीवन–शैली जिएं जो आपकी दृष्टि से मेल खाती हो।
अध्याय 15	देवत्व को प्राथमिकता दें।
अध्याय 16	अच्छा होना अपने आप में एक पुरस्कार है।
अध्याय 17	सुखद पर अधिकार चुनना शक्ति की निशानी है।
अध्याय 18	चलो चलें, ईश्वर के साथ मिलन की ओर बढ़ते हैं।

(इस सिद्धांत में से प्रत्येक पर आत्मनिरीक्षण करें)

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य

श्रीमती बिमला साबू
राष्ट्रीय भू.पू. अध्यक्षा

श्रीमती मंगल मर्दा
राष्ट्रीय उपाध्यक्षा

श्रीमती उमा जाजू
गुजरात प्रदेश अध्यक्षा

श्रीमती मंजुश्री काबरा
गुजरात प्रदेश सचिव

श्रीमती उषा सोमानी
रा. कार्यसमिति सदस्य

श्रीमती उर्मिला कलंत्री
रा. कार्यसमिति सदस्य

श्रीमती सुशीला माहेश्वरी
रा. कार्यसमिति सदस्य

डॉ. श्रीमती सीमा मूंदड़ा
रा. कार्यसमिति सदस्य

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमती कांता मोदानी

श्रीमती कौशल्या लड्ढा

श्रीमती निर्मला हुरकट

श्रीमती चंद्रप्रभा मूंदड़ा

श्रीमती नीता लाहोटी

श्रीमती सरस्वती मालू

श्रीमती शशि देवपुरा

श्रीमती वंदना भंडारी

श्रीमती प्रतिभा मोलासरिया

श्रीमती सरला मालू

श्रीमती उर्मिला बाहेती

श्रीमती ज्योति सोनी

श्रीमती ज्योति चांडक

श्रीमती प्रीति खटोड़

श्रीमती रीतू होलानी

श्रीमती श्वेता जाजू

श्रीमती सुनीता राठी

श्रीमती दीपश्री सोढानी

श्रीमती डिंपल सोनी

श्रीमती मनीषा अजमेरा

रचनात्मकता, क्रियात्मकता, सृजनात्मकता एवं नवीन विचारों, पद्धतियों को अपनाने वाली दिल्ली प्रदेश की सशक्त ऊर्जावान टीम

किरण लड्ढा
राष्ट्रीय उत्तरांचल उपाध्यक्ष

श्यामा भांगड़िया
अध्यक्ष

प्रभा जाजू
सचिव

शर्मिला राठी
विवाह समिति प्रभारी

मंजू मांधना
साहित्य समिति प्रभारी

डॉ. उर्वशी साबू
प्रकल्प प्रमुख

लक्ष्मी बाहेती
रा. कार्यसमिति

आशा रांधड़
वि.रा. कार्यसमिति

राधा चांडक
कोषाध्यक्ष

सुनीता मूंधड़ा
संगठन मंत्री

सरिता सोनी
प्रचार प्रसार मंत्री

विनीता बियानी
संस्थापक अध्यक्ष

पंकज लोहिया
सांस्कृतिक मंत्री

प्रतिभा जाजू
परामर्श मंडल

असरोज दरगड़
परामर्श मंडल

नीता माहेश्वरी
परामर्श मंडल

अममता बागड़ी
परामर्श मंडल

आशा जैथलिया
परामर्श मंडल

उमा झंवर
परामर्श मंडल

पूनम तोषनीवाल
परामर्श मंडल

उमा सोनी
परामर्श मंडल

बबिता समदानी
परामर्श मंडल

सुनीता झंवर
उपाध्यक्ष

इंदु लड्ढा
उपाध्यक्ष

अंजू सोमानी
उपाध्यक्ष

वीना काबरा
उपाध्यक्ष

वंदना समदानी
सह सचिव

संगीता चांडक
सह सचिव

रेणु लड्ढा
सह सचिव

सूर्यकला लड्ढा
सह सचिव

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :

माहेश्वरी महिला

22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।